YouTube kanwhizztimes
@kanwhizztimes lucknow
@kanwhizztimes
www.kanwhizztimes.com

कैनविज टाइम्स
सिर्फ सच

वर्ष-11 | अंक-97 | मंगलवार, 10 मई 2022 | नगर संस्करण | लखनऊ से प्रकाशित | मूल्य- ₹ 3.00 | पृष्ठ-12

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने भारत की 'वसुधैव कुटुम्बकम' की परंपरा को अपनाते हुए विश्व के अनेक देशों को खाद्यान्न पहुंचाकर ये दिखा दिया कि भारत वैश्विक स्तर पर आज कितना सक्षम और समर्थ है।

पीयूष गोयल

सुरक्षा बलों को अत्याधुनिक तकनीक उपलब्ध करा रही है सरकार : शाह 11

विशेष तैनाती के लिए सउदी अरब पहुंचे भारतीय नौसेना के जहाज 12

संक्षेप

कोविन ऐप सुदृढ़ डिजीटल प्रणाली

नयी दिल्ली। सरकार ने कहा है कि राष्ट्रीय कोविड टीकाकरण अभियान में कोविन ऐप ने एक सुदृढ़ डिजीटल प्रणाली के रुप में काम किया है और इसमें किसी प्रकार की गड़बड़ी के आरोप निराधार हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने महाराष्ट्र के पुणे में तकरीबन ढाई लाख लोगों को दोहरे कोविड टीकाकरण प्रमाण पत्र होने के आरोपों को खारिज करते हुए सोमवार को कहा कि सामान्य प्रतिक्रिया के लिए कोविन ने ऑनलाइन पोर्टल पर 'मुद्दा उठाएं' नामक एक सुविधा का निर्माण किया है। मंत्रालय ने कहा कि इसमें व्यापक रूप से सामने आने वाले आठ मुद्दों को शामिल किया गया है। इसी तरह कोई भी व्यक्ति अपने दो प्रथम खुराक प्रमाणपत्रों को आसानी से मिला सकता है। कोविन ने भारत के कोविड टीकाकरण कार्यक्रम के लिए डिजिटल 'बैकबोन' के रूप में सफलतापूर्वक काम किया है। इस प्रणाली के जरिए भारत में 100 करोड़ से अधिक लोगों के लिए कोविड टीकाकरण के 190 करोड़ से अधिक टीके दिये गये हैं और एक भी दिन डाउन नहीं हुआ है। पोर्टल पर पंजीकरण के लिए केवल पंजीकरण के लिए मोबाइल फोन नंबर प्रदान करने की आवश्यकता है।

चीफ जस्टिस ने सुप्रीम कोर्ट के दो नए जजों को शपथ दिलाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के लिए आज दो ने जजों ने शपथ ली। चीफ जस्टिस एनवी रमना ने दोनों को पद की शपथ दिलाई। राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द ने जस्टिस सुधांशु धुलिया और जस्टिस जमशेद पारदीवाला को सुप्रीम कोर्ट का जज नियुक्त किया था। जस्टिस धुलिया गुवाहाटी हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस थे। जस्टिस पारदीवाला गुजरात हाई कोर्ट के जज थे। दोनों जजों के शपथ लेने के साथ ही सुप्रीम कोर्ट में जजों के स्वीकृत 34 पद भरे चुके हैं। जस्टिस पारदीवाला 2028 में चीफ जस्टिस बन सकते हैं।

खीरी मामले में अंकित दास समेत अन्य की जमानत याचिकाएं खारिज

लखनऊ। लखीमपुर खीरी तिकुनिया में हुई किसानों की मौत मामले में सह आरोपी लखनऊ के कारोबारी अंकितदास की जमानत याचिका हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है। हाईकोर्ट ने अंकितदास समेत अन्य सभी आरोपियों की जमानत याचिका खारिज कर दी है। तिकोनिया में तीन अक्तूबर को हुए बवाल में चार किसान, एक पत्रकार समेत आठ लोगों की मौत हुई थी।

जून में मिलेगा बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे का तोहफा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की जनता को अगले महीने जून के अंतिम सप्ताह में एक नये विश्वस्तरीय राजमार्ग के रूप में 'बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे' का तोहफा मिलेगा। चित्रकूट से दिल्ली तक का सफर महज छह घंटे में पूरा करने की सहूलियत देने वाले इस एक्सप्रेस वे का निर्माण कार्य 20 जून तक पूरा हो जायेगा। मुख्यमंत्री कार्यालय के सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

योगी सरकार की तीसरी ग्राउंड ब्रेकिंग सेरमनी तीन जून को

योगी ने दिए तैयारियां तेज करने के निर्देश

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

- प्रधानमंत्री करेंगे शुभारंभ, दिग्गज उद्योगपतियों की भी होगी भागीदारी
- जमीन पर उतरेंगे 70 हजार करोड़ से ज्यादा के निवेश प्रस्ताव
- डेटा पार्क, डेयरी, सीमेंट प्लान्ट सहित 1500 से अधिक प्रोजेक्ट होंगे शुरू
- यूपी की जन आकांक्षाओं को मिलेगी जबरदस्त उड़ान : योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में औद्योगिक निवेश को आकर्षित करने के लिये योगी सरकार ने देश की दिग्गज कंपनियों के प्रमुखों के साथ प्रदेश में आर्थिक गतिविधियां तेज करने की संभावनाओं को अमली जामा पहनाने के लिये तीसरी 'ग्रांउड ब्रेकिंग सेरेमनी' के तीन जून को आयोजन की तैयारियां शुरु कर दी हैं।

मुख्यमंत्री कार्यालय के सूत्रों ने बताया कि आगामी 03 जून को ग्रांउड ब्रेकिंग सेरेमनी का आयोजन करने की तैयारियों की मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को समीक्षा की। समझा जाता है कि इसमें देश दुनिया के दिग्गज उद्योगपतियों की भागीदारी के अलावा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भी आने की संभावना है। सूत्रों के मुताबिक ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी का आयोजन लखनऊ स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में प्रस्तावित है। योगी ने इसकी तैयारियों की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये हैं। प्रदेश में होने जा रही तीसरी ग्रांउड ब्रेकिंग सेरेमनी में लगभग 70 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा के निवेश प्रस्ताव जमीन पर उतरेंगे। संभावना इस बात की भी है कि ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी में अडानी समूह, माइक्रोसॉफ्ट इंडिया, रिलायंस इंडस्ट्रीज, हीरानंदानी समूह, बिरला ग्रुप, आईटीसी ग्रुप सहित कई इंटरनेशनल कम्पनियों के चेयरमैन, मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और निदेशक शामिल होंगे। इसमें लगभग 70 हजार करोड़ रुपये से अधिक की करीब 1500 परियोजनाओं को उत्तर प्रदेश में शुरू करने की योजना है। इनमें शामिल प्रमुख परियोजनाओं में नोएडा में प्रस्तावित अडानी समूह की 4900 करोड़ रुपये और हीरानन्दानी समूह के 9100 करोड़ रुपये के निवेश वाले दो डाटा सेंटर स्थापित करना भी शामिल है। इतना ही नहीं माइक्रोसॉफ्ट की 2100 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट सेंटर के अलावा मिर्ज़ापुर में डालमिया ग्रुप के 600 करोड़ रुपये के सीमेंट उत्पादन इकाई, हमीरपुर में हिंदुस्तान यूनीलीवर लिमिटेड का डिटर्जेंट उत्पदन संयंत्र भी संभावित परियोजनाओं में शामिल है। अब तक की स्थिति के मुताबिक करीब 21 हजार करोड़ रुपये के निवेश की परियोजनाएं केवल सूचना प्रोद्यौगिकी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र की हैं। साथ ही लघु एवं मध्यम क्षेत्र (एमएसएमई), टेक्सटाइल, पर्यटन, ऊर्ज़ा, खाद्य प्रसंस्करण, खाद्य सुरक्षा और औषधि सेक्टर से जुड़ी अनेक परियोजनाओं को भी शुरू करने की तैयारी है।

अधिक कोविड केस वाले जिलों में मास्क अनिवार्य किया जाए : योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को टीम-09 की बैठक कर कोविड प्रबंधन पर मंथन किया और अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने एक बार फिर निर्देश दिए कि जिन जिलों में कोविड-19 अधिक आ रहे हैं, वहां सार्वजनिक स्थानों पर मास्क अनिवार्य किया जाए।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि ट्रैक, टेस्ट, ट्रीट और टीकाकरण की नीति के सफल क्रियान्वयन से उत्तर प्रदेश में कोविड पर प्रभावी नियंत्रण बना हुआ है। वर्तमान में प्रदेश में कुल 1567 एक्टिव केस हैं। इसमें 1487 लोग घर पर ही स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं। टेस्ट की संख्या बढ़ाये जाने की जरूरत है।

पिछले 48 घंटे में पूरे प्रदेश में 305 नए केस की पुष्टि हुई। गौतमबुद्ध नगर में 124, गाजियाबाद में 41, लखनऊ में 23, आगरा में 20 नए केस शामिल हैं। इसी अवधि 771 लोग स्वस्थ भी हुए। हमीरपुर और ललितपुर में भी दहाई अंक में नए केस की पुष्टि हुई है। इनके कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग और ट्रैवल हिस्ट्री का आकलन भी किया जाए। जिन जिलों में केस अधिक मिल रहे हैं, वहां सार्वजनिक स्थानों पर फ़ेस मास्क लगाया जाना अनिवार्य कर दिया है। इसका प्रभावी अनुपालन कराया जाए।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री के दिशा-निर्देशन में पिछले पांच वर्ष में उत्तर प्रदेश देश में औद्योगिक निवेश के श्रेष्ठतम गंतव्य के रूप में राष्ट्रीय पटल पर उभर कर आया है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस की राष्ट्रीय रैंकिंग में 2017 तक 14वें स्थान पर रहने वाला उत्तर प्रदेश आज द्वितीय पायदान पर है। अब इस रैंकिंग में प्रथम स्थान पर आने के लक्ष्य के साथ ''टीम यूपी'' को काम करना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि निजी क्षेत्र में विश्वविद्यालय स्थापित करने के इच्छुक संस्थाओं को सरकार की ओर से सभी जरूरी सहयोग दिए जाएं। स्थापना संबंधी नियमों, अर्हताओं को यथासंभव सरल भी किया गया है। ऐसे प्रस्तावों को कतई लंबित न रखें।

ज्ञानवापी मामले की सुनवाई आज भी जारी रहेगी

एजेंसी

वाराणसी। उत्तर प्रदेश में वाराणसी स्थित ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में वीडियोग्राफी-सर्वे मामले में स्थानीय अदालत में सोमवार को सुनवाई पूरी नहीं हो पाने के कारण यह मंगलवार को भी जारी रहेगी।

सिविल जज सीनियर डिवीजन रवि कुमार दिवाकर की अदालत में सोमवार को वीडियोग्राफी के लिये नियुक्त एडवोकेट कमिश्नर ने अपना पक्ष रखा। मस्जिद पक्ष की ओर से एडवोकेट कमिश्नर पर भेदभाव बरतने का आरोप लगाते हुए उन्हें बदलने की मांग की गयी है।

अदालत में सोमवार को वादी पक्ष की ओर से कहा गया कि वीडियोग्राफी सर्वे के लिये मस्जिद परिसर में पहुंची टीम शनिवार को अपना काम नहीं कर पायी थी, लिहाजा अदालत से अनुरोध किया गया कि वह सर्वे में बाधा डालने वाले लोगों को हटाने के निर्देश दे। दोनों पक्षों के वकीलों ने सुनवाई के दौरान सर्वे की अगली तारीख तथा एडवोकेट कमिश्नर को बदलने के मुद्दे पर अपनी दलीलें दी। सुनवाई आज पूरी नहीं हो पायी तथा यह मंगलवार को जारी रहेगी।

उल्लेखनीय है कि पांच महिला श्रद्धालुओं ने अदालत में याचिका दायर की थी कि उन्हें परिसर में स्थित श्रंगार गौरी और अन्य देवी देवताओं के नियमित दर्शन पूजन की अनुमति दी जाये। अदालत ने उनकी याचिका पर परिसर की वीडियोग्राफी कर अदालत के समक्ष रिपोर्ट पेश करने के लिये एडवोकेट कमिश्नर नियुक्त किया था। गत छह जून को पहले दिन वीडियोग्राफी बिना किसी बाधा के संपन्न हुयी, लेकिन इसके अगले दिन मस्जिद पक्ष के विरोध के कारण यह पूरी नहीं हो सकी।

उदयुपर चिंतन शिविर से करनी है नये युग की शुरुआत : सोनिया

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कहा है कि उदयपुर में इसी सप्ताह आयोजित पार्टी का 'चिंतन शिविर' महज अनुष्ठान नहीं बनना चाहिए बल्कि वहां से पार्टी के पुनर्गठन के साथ नये युग का स्पष्ट संदेश जाना चाहिए।

श्रीमती गांधी ने सोमवार को यहां पार्टी मुख्यालय में उदयपुर में होने वाले चिंतन शिविर पर विचार विमर्श के लिए आयोजित पार्टी की सर्वोच्च नीति निर्धारण कर संस्था कांग्रेस कार्य समिति की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि यह शिविर कांग्रेस के लिए नये युग की शुरुआत होनी चाहिए। उन्होंने कहा ञ्आपको याद होगा कि मैंने पिछली बैठक में चिंतन शिविर आयोजित करने की बात की थी और यह 13, 14 और ● शेष पेज 11 पर

श्रीलंका के प्रधानमंत्री महिंद्रा राजपक्षे ने दिया इस्तीफा

जाफना। श्रीलंका में आजादी के बाद से अब तक के सबसे बड़े आर्थिक संकट के बीच प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उनके इस्तीफ़े का पत्र स्वास्थ्य मंत्री प्रोफ़ेसर चन्ना जयासुमना ने राष्ट्रपति को सौंप दिया है। लंबी जद्दोजहद के बाद उन्होंने यह इस्तीफा दिया है, जबकि कई बार उनके भाई और राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे उनसे पद छोड़ने को कह चुके हैं। राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने श्रीलंका के आर्थिक हालात को लेकर हुई बैठक में उससे अपना पद छोड़ने को कहा था। उन्होंने कहा था कि देश में जारी राजनीतिक संकट के बीच उन्हें अपने पद से इस्तीफा दे देना ● शेष पेज 11 पर

राजद्रोह कानून पर पुनर्विचार कर रहा केंद्र

सुप्रीम कोर्ट में दाखिल किया दूसरा हलफनामा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि उसने राजद्रोह कानून के प्रावधानों की फिर से जांच करने और पुनर्विचार का फैसला किया है और अनुरोध किया है कि जब तक सरकार इस मामले की जांच नहीं कर लेती, तब तक वह राजद्रोह के मामले पर सुनवाई नहीं करे। केंद्र सरकार राजद्रोह कानून की समीक्षा करेगा। इसे लेकर केंद्र ने दूसरा हलफनामा दाखिल किया है। इसमें कहा गया है कि 124ए के प्रावधानों पर पुनर्विचार और दोबारा जांच के लिए केंद्र सरकार तैयार है। कोर्ट को 124ए की वैधता पर सुनवाई के साथ आगे बढ़ने से पहले केंद्र के पुनर्विचार की प्रतीक्षा करनी चाहिए।

इस मामले पर गृह मंत्रालय (एमएचए) ने कहा कि प्रधानमंत्री ने बार-बार कहा है कि भारत की ताकत में से एक विविध विचार धाराएं हैं जो देश में खूबसूरती से पनपती हैं। मंत्रालय ने कहा कि प्रधानमंत्री का मानना है कि ऐसे समय में जब राष्ट्र 'आजादी का अमृत महोत्सव' (स्वतंत्रता के 75 वर्ष) को मना रहा है। एक राष्ट्र के रूप में औपनिवेशिक बोझ को दूर करने के लिए कड़ी मेहनत करना आवश्यक है, जिसमें पुराने औपनिवेशिक कानून और प्रथाएं शामिल हैं।

गृह मंत्रालय ने कहा कि सरकार ने 2014-15 से 1,500 पुराने कानूनों को खत्म कर दिया है, और 25,000 से अधिक अनुपालन बोझ को भी समाप्त कर दिया है, जो लोगों के लिए अनावश्यक बाधाएं पैदा कर रहे थे। मंत्रालय ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट एक बार फिर धारा 124ए की वैधता की जांच करने में समय नहीं लगा सकती है, बल्कि एक उपयुक्त मंच के समक्ष सरकार द्वारा पुनर्विचार की कवायद की प्रतीक्षा कर सकती है जहां इस तरह के पुनर्विचार को संवैधानिक रूप से अनुमति है। सुप्रीम कोर्ट मंगलवार को मेजर जनरल एसजी वोम्बटकेरे (सेवानिवृत्त) और एडिटर्स गिल्ड आफ इंडिया और अन्य द्वारा दायर याचिकाओं पर सुनवाई करेगी। जिसमें धारा 124 ए की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी गई है, जिसमें अधिकतम आजीवन कारावास की सजा है। इन याचिकाओं पर केंद्र ने अपना जवाब दाखिल किया है।

शाहीन बाग में अतिक्रमण अभियान में दखल देने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शाहीन बाग इलाके में अतिक्रमण हटाने के मामले में निर्देश देने संबंधी याचिकाओं पर हस्तक्षेप करने से सोमवार को इनकार कर दिया। शीर्ष अदालत ने मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और अन्य की ओर से दायर याचिकाओं पर हस्तक्षेप करने से इनकार करते हुए कहा कि किसी भी प्रभावित पक्ष ने अदालत से गुहार नहीं लगायी है और याचिका एक राजनीतिक दल की ओर से दायर की गई है। न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव और न्यायमूर्ति बी आर गवई की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने याचिकाकर्ताओं से कहा, इस न्यायालय को इस सबके लिए एक मंच न बनाएं। न्यायालय ने कहा, यह बहुत हो गया है। न्यायालय ने इस टिप्पणी के साथ शाहीन बाग और दिल्ली के अन्य हिस्सों में अतिक्रमण विरोधी अभियान के खिलाफ माकपा की याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। उच्चतम न्यायालय ने ऐसे सभी याचिकाकर्ताओं को राहत के लिए दिल्ली उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने को कहा। शीर्ष अदालत ने वरिष्ठ वकील पीवी सुरेंद्रनाथ से पूछा, माकपा क्यों याचिका दायर कर रही है? अनुच्छेद 32 के तहत मौलिक अधिकार का उल्लंघन क्या है? इस पर श्री सुरेंद्रनाथ ने जवाब दिया, यह याचिका जनहित में है, ● शेष पेज 11 पर

सीमा विवादों के समाधान का इच्छुक नहीं है चीन : जनरल पांडे

एजेंसी

नयी दिल्ली। पूर्वी लद्दाख में करीब दो वर्ष से चले आ रहे सैन्य गतिरोध के बीच सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने चीन के साथ संबंधों में सीमा विवादों को प्रमुख मुद्दा बताते हुए आज कहा कि पड़ोसी देश सीमा विवादों को उलझाये रखने का इच्छुक है।

बमुश्किल दस दिन पहले सेना की बागडोर संभालने वाले जनरल पांडे ने सोमवार को अपने पहले विधिवत संवाददाता सम्मेलन में चीन और पाकिस्तान से जुड़े मुद्दों पर बेबाकी के साथ सवालों के जवाब दिये। चीन के साथ संबंधों तथा सीमा विवाद के बारे में पूछे गये सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, ञ्बुनियादी मुद्दा सीमा के समाधान का है। हमें ऐसा लगता है कि चीन की मंशा सीमा विवादों को उलझाये रखने की है। एक देश के रूप में हमें 'समग्र राष्ट्र' के दृष्टिकोण की जरूरत है और सैन्य डोमेन में यह वास्तविक नियंत्रण रेखा पर यथा स्थिति में किसी भी तरह के बदलाव की कोशिश को रोकना तथा उसका मुकाबला करना है। उन्होंने दोहराया कि सेना प्रमुख के रूप में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर अप्रैल 2020 की यथास्थिति की बहाली और दोनों पक्षों के बीच विश्वास तथा मैत्री का माहौल बनाना उनकी प्राथमिकता होगी । साथ ही उन्होंने कहा कि लेकिन यह केवल एक पक्ष के प्रयासों से संभव नहीं है तथा इसके लिए दोनों ओर से प्रयास किये जाने की जरूरत है। सेना प्रमुख ने जोर देकर कहा कि वह आश्वस्त करना चाहते हैं कि भारतीय जवान पूर्वी लद्दाख में ● शेष पेज 11 पर

जन सुरक्षा योजनाओं ने बीमा, पेंशन को आम आदमी तक पहुंचाया : निर्मला सीतामरण

समाज के अंतिम व्यक्ति को अब जन सुरक्षा की मिल रही है सुविधा

एजेंसी

नयी दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने तीन सामाजिक सुरक्षा (जन सुरक्षा) योजनाओं, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई), प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) और अटल पेंशन योजना (एपीवाई) की 7 वीं वर्षगांठ पर आज कहा कि कम लागत वाली बीमा योजनाएं और गारंटी युक्त पेंशन योजना यह सुनिश्चित कर रही है कि समाज के अंतिम व्यक्ति को अब जन सुरक्षा की सुविधा मिल रही है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने पहले कार्यकाल में 9 मई 2015 को कोलकाता में पीएमजेजेबीवाई, पीएमएसबीवाई और एपीवाई को लॉन्च किया गया था। इन सात वर्षों में पीएमजेजेबीवाई के लिए कुल पंजीकरण 12.76 करोड़ से अधिक हो चुका है। इसी तरह से पीएमएसबीवाई के लिए भी कुल पंजीकरण 28.37 करोड़ के पार और एपीवाई के लिए 4 करोड़ से अधिक ग्राहकों ने पंजीयन कराया है।

ये तीन तीन सामाजिक सुरक्षा योजनाएं अप्रत्याशित जोखिमों / नुकसानों और वित्तीय अनिश्चितताओं से मानव जीवन को सुरक्षित करने की आवश्यकता की पहचान करते हुए नागरिकों के कल्याण के लिए समर्पित हैं। देश के असंगठित क्षेत्र के लोगों को आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने दो बीमा योजनाएं शुरू कीं - प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) तथा इसके साथ ही वृद्धावस्था में जरूरतों को पूरा करने के लिए अटल पेंशन योजना (एपीवाई) की शुरुआत की गयी।

पीएमजेजेबीवाई और पीएमएसबीवाई लोगों को कम लागत वाली जीवन/दुर्घटना बीमा कवर की सुविधा देतीं हैं, जबकि एपीवाई बुढ़ापे में नियमित पेंशन प्राप्त करने के लिए वर्तमान में बचत करने का अवसर प्रदान करती है। इन योजनाओं की 7वीं वर्षगांठ पर श्रीमती सीतारमण ने प्रधानमंत्री द्वारा 15 अगस्त, 2014 को घोषित एवं वित्तीय समावेश पर आधारित राष्ट्रीय मिशन के मुख्य उद्देश्यों में से एक था - बीमा और पेंशन के दायरे का विस्तार करना, ताकि समाज के गरीब और कमजोर समुदाय के लोगों को किफायती उत्पादों के माध्यम से अत्यधिक आवश्यक वित्तीय सुरक्षा प्रदान की जा सके।ङ्क वित्त मंत्री ने कहा कि तीन जन सुरक्षा योजनाओं ने बीमा और पेंशन को आम आदमी की पहुंच में ला दिया है। पिछले सात वर्षों में उपरोक्त योजनाओं में पंजीकृत और इनसे लाभान्वित होने वाले लोगों की संख्या इनकी सफलता का प्रमाण हैं। कम लागत वाली बीमा योजनाएं और गारंटी युक्त पेंशन योजना यह सुनिश्चित कर रही हैं कि वित्तीय सुरक्षा, जो पहले कुछ चुनिंदा लोगों को ही उपलब्ध थी, अब समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रही है। गरीब लोगों को सुविधाएं प्रदान करने का उल्लेख करते हुये वित्त मंत्री ने कहा कि आज, गरीब से गरीब व्यक्ति भी पीएमजेजेबीवाई के तहत 2 लाख रुपये का जीवन बीमा कवर प्रति दिन 1 रुपया से कम पर और पीएमएसबीवाई के तहत 2 लाख रुपये का दुर्घटना बीमा भी प्रति दिन एक रुपया से कम पर प्राप्त कर सकता है। 18 से 40 वर्ष आयु वर्ग के सभी नागरिक न्यूनतम 42 रुपये प्रति माह का भुगतान करके 60 वर्ष की आयु के बाद पेंशन प्राप्त कर सकते हैं। पीएमजेजेबीवाई के माध्यम से नागरिकों को विशेष रूप से कोविड-19 महामारी के दौरान सुविधा के साथ सुरक्षा प्रदान करने के बारे में श्रीमती सीतारमण ने कहा कि पीएमजेजेबीवाई के तहत, योजना की शुरुआत से अब-तक 12.76 करोड़ व्यक्तियों ने जीवन बीमा के लिए पंजीकरण कराया है और 5,76,121 व्यक्तियों के परिवारों को योजना के तहत कुल 11,522 करोड़ रुपये मूल्य के दावे प्राप्त हुए हैं। यह योजना महामारी के दौरान कम आय वाले परिवारों के लिए अत्यंत उपयोगी साबित हुई है, क्योंकि वित्त वर्ष 2021 में, भुगतान किए गए कुल दावों में लगभग 50 प्रतिशत कोविड-19 से हुई मौतों से सम्बंधित थे। महामारी की अवधि के दौरान दावों के त्वरित और आसान निपटान के लिए दावा निपटान प्रक्रिया में बड़े बदलाव किये गए। दावों के आसान निपटान के लिए शुरू किये गये ये बदलाव अभी भी जारी हैं। महामारी की शुरुआत के बाद से एक अप्रैल, 2020 से 23 फरवरी, 2022 तक, कुल 2.10 लाख दावों के लिए 4,194.28 करोड़ रुपये की धनराशि का भुगतान किया गया। दावों को निपटाने की दर 99.72 प्रतिशत रही। वित्त मंत्री ने कहा कि इसी तरह, पीएमएसबीवाई के शुभारंभ के बाद से 28.37 करोड़ लोगों ने दुर्घटना कवर के लिए पंजीकरण ● शेष पेज 11 पर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से सोमवार को केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री आवास पांच कालिदास मार्ग पर हुई यह मुलाकात शिष्टाचार भेंट बताई जा रही है। दोनों के बीच प्रदेश के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई है।

केशव ने लोगों की सुनी समस्याएं, निस्तारण के दिये निर्देश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को अपने कैम्प कार्यालय में जनता दर्शन लगाया। जिसमें जनता दर्शन के दौरान उन्होने अपनी अपनी समस्याओं को लेकर आये जन सामान्य से स्वयं आवेदन प्राप्त कर उनकी समस्याओं को पूछा तथा आश्वस्त किया कि आपकी समस्या निस्तारण को हर सम्भव प्रयास करके निराकरण कराया जायेगा। जिससे आप लोगों को बार बार न दौड़ना पड़े। उन्होंने कहा कि आप लोग अपने क्षेत्रान्तर्गत होने वाले समाधान दिवस में उपस्थित होकर अपना आवेदन देते हुए समस्या से अवगत करायें। जिससे आपको दूर तक नहीं दौड़ना पड़ेगा और आपकी समस्या का शीघ्रता के साथ नियमानुसार निस्तारण भी किया जायेगा। मौर्य ने पत्रों का संज्ञान लेते हुए सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिये

कि उनका नियमानुसार निर्धारित अवधि में निस्तारण करायें, जिससे किसी भी फरियादी को बेवजह परेशान न होना पड़े। उन्होंने कहा कि समस्या का निदान सही और पारदर्शिता के साथ हो जिससे किसी प्रकार की कोई पुन शिकायत प्राप्त होने की सम्भावना न रहे। उन्होंने कहा कि शिकायत निस्तारण की समय समय पर समीक्षा की जाये। जिससे यदि कहीं निस्तारण में विलम्ब होता है तो यह सुनिश्चित हो सके कि किस स्तर पर लापरवाही एवं उदासीनता बरती जा रही है तो संबंधित की जिम्मेदारी निर्धारित कर कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि किसी को भी एक ही समस्या के लिए बार बार आवेदन न देना पड़े इसलिए समस्या का निदान भी समयान्तर्गत किया जाये। जनता दर्शन में रायबरेली, लखनऊ, फतेहपुर, आजमगढ़, कानपुर नगर, मथुरा, प्रयागराज, बरेली, लखीमपुर, औरैया, इटावा, बलरामपुर, बाराबंकी, गाजियाबाद, मैनपुरी, बलिया, मेरठ, अमरोहा कुशीनगर, उन्नाव, हरदोई, देवरिया, कासगंज सहित लगभग तीन दर्जन जिलों से आये सैकड़ों लोगों ने अपनी समस्याएं रखीं। जिसमें कई मामलों में उपमुख्यमंत्री ने सम्बंधित जिलों के जिलाधिकारियों व पुलिस अधीक्षकों एवं शासन के उच्चाधिकारियों से दूरभाष पर समस्याओं के निस्तारण के सम्बन्ध मे वार्ता किया।

योगी मेरठ में करेंगे शहीदों के परिजनों का सम्मान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। क्रांति दिवस के मौके पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को क्रांति धरा मेरठ में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और शहीदों के परिजनों का सम्मान करेंगे। यह पहला अवसर है जब क्रांतिकारियों के सम्मान में पहली बार कोई मुख्यमंत्री मेरठ पहुंच रहा है। 1857 की क्रांति के 165 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में क्रांति धरा पर कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। सीएम योगी राजकीय स्वतंत्रता संग्राम संग्रहालय और विक्टोरिया पार्क में क्रांति दिवस पर आयोजित कई कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। साथ ही मंडल के विकास कार्यों और कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक करेंगे। इसके अलावा वह निर्माणाधीन ट्रांजिट हास्टल, आरआरटीएस परियोजना और इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम का निरीक्षण करेंगे। इस दौरान श्री योगी क्रांतिकारी नायक और 1857 की क्रांति के अग्रदूत शहीद कोतवाल धन सिंह गुर्जर की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे। अमर जवान ज्योति, शहीद मंगल पांडेय और शहीद स्मारक स्तंभ पर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। सीएम योगी अपने पहले कार्यकाल में मार्च 2017 में सरकार बनने के बाद नौ मई को मेरठ पहुंचे थे। उस समय भी उन्होंने शहीद स्मारक जाकर क्रांति के अमर बलिदानियों को पुष्पांजलि अर्पित की थी। इस बार वह क्रांति दिवस पर क्रांति के अमर बलिदानियों को न फिर से नमन करने जा रहे हैं, बल्कि इस अवसर पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा भी लेंगे। करीब साढ़े चार घंटे का श्री योगी का मेरठ प्रवास जिले के विकास में मील का पत्थर साबित होगा। इस दौरान सीएम विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास भी करेंगे। इसमें 861 करोड़ की सात परियोजनाओं का शिलान्यास और 5810 करोड़ की लागत की 11 परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे। इसके अलावा मंडलीय समीक्षा बैठक में मेरठ, बुलंदशहर, गाजियाबाद, हापुड़, गौतमबुद्धनगर और बागपत जिले के विकास कार्यों और कानून व्यवस्था की समीक्षा भी करेंगे। गौरतलब है कि 1857 में अंग्रेजों के खिलाफ मेरठ से सुलगी की क्रांति के 165 वर्ष पूरे हो रहे है। आठ अप्रैल को स्वतंत्रता संग्राम सेनानी मंगल पांडेय को फांसी दी गयी थी जबकि नौ मई चर्बी युक्त कारतूस का विरोध करने पर 85 सैनिकों का कोर्ट मार्शल किया गया वहीं 10 मई को 85 सैनिकों ने मेरठ में बगावत की और 11 मई को सैनिकों ने दिल्ली पर कब्जा किया। इस बीच 13 मई से 31 मई तक क्रांति की ज्वाला देश के कई जिलों में फैल चुकी थी।

चंदौली के मनराजपुर गांव के पीड़ितों से मिले अखिलेश

पुलिस ने कन्हैया यादव के घर दबिश डालकर की थी बेटियों की पिटाई, एक की हो गई थी मौत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

चंदौली। समाजवादी पार्टी मुखिया अखिलेश यादव ने सोमवार को चंदौली जिले के मनराजपुर गांव में पहुंचकर पीड़ित परिवार से मुलाकात की। अखिलेश यादव ने पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए हर सम्भव मदद का भरोसा दिया। उन्होंने सरकार से भी पीड़ित परिवार को मदद करने को कहा।

गौरतलब है कि मनराजपुर गांव में पुलिस ने कन्हैया यादव के घर दबिश डालकर उनकी बेटियों की पिटाई की थी। पिटाई से एक बेटी की मौत हो गयी।अखिलेश यादव ने घटना की हाईकोर्ट के सिटिंग जज से जांच कराने की मांग की। उन्होने कहा कि उच्चस्तरीय न्यायिक जांच से ही परिवार को न्याय मिलेगा। भाजपा सरकार की जांच से परिवार को न्याय नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि पुलिस दबिश देने नही दबंगई दिखाने जाती है। थाने अराजकता के केन्द्र बन गये हैं। बेटी और परिवार का आरोप है कि पुलिस ने जान ली है उस पर हत्या का मुकदमा चलना चाहिए। भाजपा सरकार में अन्याय और अत्याचार बहुत बढ़ गया है।

पुलिस स्टेट बन गया है उत्तर प्रदेश : सपा प्रमुख

वाराणसी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सोमवार को वाराणसी जेल पहुंचकर समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। उन्होंने कहा यूपी पुलिस स्टेट बन गया है। लोकतंत्र खत्म हो रहा है।

श्री यादव ने विधान सभा चुनाव के दौरान ईवीएम मशीनों की अवैध आवाजाही का विरोध करने वाले निर्दोष समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं को जेल में डाल दिये जाने की निंदा की। अखिलेश यादव ने कहा कि ये समाजवादी साथी है जो लोकतंत्र बचाने के लिए जेल गए है। समाजवादी लोग इनकी पूरी मदद करेंगे। इनकी और इनके परिवार के लोगो की जो भी लीगल मदद जरूरी होगी, करेंगे। ईवीएम एक जगह से दूसरी जगह नियमों से ले जाई जाती है। उल्लंघन के खिलाफ चुनाव के समय इन नौजवानों और अन्य संगठनों ने आवाज उठाई थी। उस समय चुनाव आयोग ने भी माना था कि गलती हुई है, वहां के अधिकारियों के खिलाफ तब कार्यवाही की बात हुई थी। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने द्वेष भावना से जिन नौजवानों को जेल में डाला है वे सभी निर्दोष लोग है।समाजवादियों को परेशान करने के लिए 600 अज्ञात लोगों के खिलाफ फर्जी मुकदमे किये गए है। इस सरकार में जाति धर्म के आधार पर भेदभाव हो रहा है। तमाम समाजवादी साथी जो रोजे पर थे, उन्हे सरकार के इशारे पर बन्द किया गया। यह दुःख की बात है।

श्री यादव ने कहा कि भाजपा समाज को शान्ति से नही रहने देना चाहती है। वह नफरत फैला रही है। भाजपा चाहती है लोग आपस में लड़ते रहे। उनके बीच झगड़ा लगा रहे। उन्होंने कहा कि महंगाई, बेरोजगारी के लिए भाजपा सरकार जिम्मेदार है। जनता महंगाई से त्रस्त है। भाजपा चाहती है कि बेरोजगारी पर चर्चा न हो। आटा महंगा हो गया है। बिजली महंगी हो गयी है। भाजपा सरकार प्रदेश में निवेश के बड़े-बड़े दावे करती है लेकिन कहीं कोई निवेश नही हुआ। मां गंगा की सफाई के दावे झूठे साबित हो रहे हैं। गंगा जी में मछलियां डालते ही मर गयी। इसका मतलब गंगा जी के पानी में ऑक्सीजन नहीं बचा है।

आप ने उन्नाव में दलित छात्र की निर्मम हत्या के दोषियों पर कार्रवाई की मांग की

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने बांगरमऊ उन्नाव में ग्राम फतेहपुर खालसा में दलित छात्र की निर्मम हत्या पर रोष जताया है। उन्होंने प्रदेश की योगी सरकार से तत्काल पीड़ित परिवार को सुरक्षा दिलाने और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। बता दें कि घर से लापता हुए 21 वर्षीय दलित छात्र की निर्मम हत्या कर दी गई थी। 19 अप्रैल से छात्र घर से लापता था। पुलिस गुमशुदगी की रिपोर्ट लिखने के बाद भी उसको बरामद नहीं कर पाई थी। पीड़ित परिवारीजन दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

आम आदमी पार्टी ने दलित परिवार के साथ घटी घटना पर राज्य सरकार को आड़े हाथों लिया है। पार्टी के उन्नाव में जिला संगठन प्रभारी तुषार श्रीवास्तव ने पीड़ित परिवार से मुलाकात की। पिता-माता, बहन को ढांढस बंधाया और मदद को पूरा आश्वासन दिया। उन्होंने मृतक दलित

संवेदना

- उन्नाव के जिला संगठन प्रभारी तुषार श्रीवास्तव ने पीड़ित परिवार से की मुलाकात
- मृतक 21 वर्षीय दलित बेटे के पिता ने दोषियों को सजा दिलाने की लगाई गुहार

छात्र के पिता से फोन पर सांसद संजय सिंह की बात कराई। सांसद संजय सिंह ने परिवार को न्याय दिलाने के लिए आश्वस्त किया। आप सांसद संजय सिंह ने राज्य सरकार से पीड़ित दलित परिवार को तत्काल सुरक्षा प्रदान करने और दोषियों को गिरफ्तार कर कठोर कारवाई करने की मांग की है। संजय सिंह ने कहा है कि राज्य सरकार को अपने बुलडोजरों को रोककर प्रदेश में बढ़ रही हत्याओं और अपराधों को रोकना चाहिये। उसके लिए पुलिस और प्रशासन के पेज कसने चाहिये। उन्होंने कहा कि अगर प्रदेश में गरीब और दलित परिवारों पर इसी तरह से अत्याचार होते रहेंगे तो आम आदमी पार्टी चुप नहीं बैठेगी। विपक्ष में होने के नाते वह गरीबों और दलितों की आवाज को उठाने का काम करेगी। जरूरत पड़ेगी तो आंदोलन भी करेगी।

राजस्व की बढ़ोत्तरी को विकास बता रहे वित्त मंत्री : रालोद

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। रालोद नेता सुरेन्द्रनाथ त्रिवेदी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री के अनुसार वर्ष 2022-23 में जी0एस0टी0 तथा वैट की बढ़ोत्तरी प्राप्त जी0एस0टी0 वर्ष 2021-22 से लगभग 1657 करोड़ अधिक है और इसी प्रकार वैट लगभग 130 करोड अधिक राजस्व के रूप में सरकार को प्राप्त हुआ है जो लक्ष्य के सापेक्ष जी0एस0टी0 102.9 प्रतिशत तथा वैट 105 प्रतिशत अधिक है।

रालोद नेता ने कहा कि इस प्रकार के आंकड़े देकर राजस्व प्राप्त की बढोत्तरी को वित्त मंत्री उत्तर प्रदेश का विकास बताने की कोशिश कर रहे हैं ऐसा लगता है कि उनकी दृष्टि में उत्तर प्रदेश के लोग अंगूठा टेक हैं। श्री त्रिवेदी ने कहा कि वास्तविकता यह है कि जब केन्द्र और प्रदेश सरकार के द्वारा मंहगाई का डण्डा लगातार तेजी से चल रहा है तो निश्चित रूप से जनता को जी0एस0टी0 और वैट अधिक देना पड़ेगा। इस मंहगाई में मध्यम और निम्न वर्ग के लोग 2 जून की रोटी जुटाने में ही तबाह हुये जा रहे हैं और सरकार के नुमाइन्दे जी0एस0टी0 और वैट की वसूली को प्रदेश का विकास बताने की नाकाम कोशिश कर रहे हैं। हैरत की बात तो यह है कि सत्ता पक्ष के लोग आपदा में सदैव अवसर तलाशने का प्रयास किया करते हैं जैसा कि आज भी बढ़ती हुयी मंहगाई का कारण रूस और युक्रेन का युद्ध बता रहे हैं। बिजली भी लगभग 1 रूपया युनिट बढ़ने जा रही है क्योंकि कोयला आयात करने में सरकार नाकाम रही है और उसका खामियाजा जनता को भुगताने की तैयारी है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार इस मंहगाई में जनता का साथ देना चाह रही है तो तत्काल प्रभाव से पेट्रोल डीजल और रसाई गैस को जी0एस0टी0 तथा वैट से मुक्त कर दे। यह पेट्रो पदार्थ केन्द्र और प्रदेश सरकारों के टैक्स से मुक्त होकर लगभग आधी कीमत के रह जायेंगे और जनता को उसके घावों पर मरहम लग सकेगा। साथ ही लगभग 90 प्रतिशत मध्यम और निम्न वर्ग को अपना परिवार चलाने में आसानी होगी।

अदम्य साहस और वीरता के प्रतीक थे महाराणा प्रताप : डा. ओंकार नाथ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कोरांव प्रयागराज। जय भवानी सेवा संघ के बैनर तले दिशा भारत गैस एजेंसी कोराव के सभागार में सोमवार को महाराणा प्रताप की जयंती मनाई गई। जयंती कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अवकाश प्राप्त प्रधानाचार्य डॉ ओंकार नाथ सिंह ने कहा कि मेवाड़ के महान राजपूत शासक महाराणा प्रताप का जन्म 9 मई 1540 ई0 को राजस्थान के कुंभलगढ़ में हुआ था जिन्होंने मुगल शासकों को बुरी तरह पछाड़ते हुए मुगलों की अधीनता को कभी स्वीकार नहीं किया। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप का नाम भारतीय इतिहास में उनकी वीरता और दृढ़ प्रतिज्ञा के लिए अमर है। इसी प्रकार प्रेम शंकर सिंह ने संबोधित करते हुए कहा कि महाराणा प्रताप ने मुगल साम्राज्य के विस्तारवाद के खिलाफ सैन्य प्रतिरोध और हल्दीघाटी, देवर की लड़ाई लड़ी थी। जिसे काफी अहम माना जाता है। प्रत्येक वर्ष इस वीर योद्धा की 9 मई को जयंती मनाई जाती है, और इनके वीरता और साहस को याद किया जाता है। इसी प्रकार महाराणा प्रताप की जयंती कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जीत बहादुर सिंह ने महाराणा प्रताप के जीवन वृतांत को विस्तार से बताते हुए उनकी जीवनी पर प्रकाश डाला। जयंती कार्यक्रम में प्रमुख रूप से ज्योति प्रकाश सिंह उर्फ बाबा, धनंजय सिंह, नागेंद्र सिंह, धर्मराज सिंह, अजय सिंह, विजय सिंह, राजनीत सिंह, राजेंद्र बहादुर सिंह संतोष सिंह, जय मां भवानी सेवा संघ के मीडिया प्रभारी अजय प्रताप सिंह समेत भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

संस्थाओं की संवैधानिक जवाबदेही खत्म नहीं होने देंगे : शाहनवाज़

अल्पसंख्यक कांग्रेस ने पूजा स्थल अधिनियम के उल्लंघन में शामिल जजों के खिलाफ़ कार्रवाई के लिए राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। अल्पसंख्यक कांग्रेस ने निचली अदालतों के एक हिस्से द्वारा पूजा स्थल अधिनियम 1991 का उल्लंघन कर देश का माहौल खराब करने की कोशिशों पर रोक लगाने और उनके खिलाफ़ अनुशासनात्मक कार्यवाई सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न ज़िलों से राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा है।

अल्पसंख्यक कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष शाहनवाज़ आलम ने सोमवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि सरकार न्यायपालिका के एक हिस्से के सहयोग से सामाजिक सद्भाव को बिगाड़कर कर लोकतंत्र को खत्म कर देना चाहती है। उन्होंने कहा कि यह पूरी कवायद पूजा स्थल अधिनियम 1991 में बदलाव की भूमिका तैयार करने के लिए की जा रही है। जिसके तहत भाजपा अपने नेताओं से याचिकाएं डलवा रही है और सरकार की विचारधारा से

सहमत जजों का एक गुट इन याचिकाओं को स्वीकार कर ले रहा है। सबसे अहम कि निचली अदालतों द्वारा क़ानून के इस उल्लंघन पर सुप्रीम कोर्ट, लॉ कमीशन, क़ानून मंत्रालय से ले कर राष्ट्रपति तक खामोश हैं। जबकि बाबरी मस्जिद पर दिये फैसले तक में सुप्रीम कोर्ट ने पूजा स्थल अधिनियम 1991 को संविधान के बुनियादी ढांचे से जोड़ा था। जिसमें किसी भी तरह का कोई छेड़छाड़ संसद भी नहीं कर सकती जैसा कि केशवानंद भारती व एसआर बोम्मई केस समेत विभिन्न फैसलों में ख़ुद सुप्रीम कोर्ट स्पष्ट कर चुका है।

शाहनवाज़ आलम ने कहा कि भाजपा सरकार चाहती है कि संस्थाओं का इस हद तक संविधान विरोधी दुरूपयोग हो जाए कि मुसलमान इन संस्थाओं तक पहुँचने को व्यर्थ समझने लगे। जिससे कि इन संस्थाओं की अपनी संवैधानिक जवाबदेही स्वतः समाप्त हो जाए। शाहनवाज़ आलम ने मुसलमानों और संविधान के पक्षधर लोगों से संवैधानिक संस्थाओं की जवाबदेही बनाये रखने के लिए ज़्यादा से ज़्यादा ज्ञापन देने और उनको अपनी संवैधानिक ज़िम्मेदारी का एहसास कराने के लिए अल्पसंख्यक कांग्रेस के आगामी अभियानों में शामिल होने की अपील की।

बाढ़ से सम्बन्धित परियोजनाओं एवं कार्यों में न हो ढिलाई : जलशक्ति मंत्री

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के जलशक्ति मंत्री सिंचाई एवं जल संसाधन, बाढ़ नियंत्रण, लघु सिंचाई, नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति स्वतंत्र देव सिंह ने उदयगंज स्थित सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग मुख्यालय स्थित सभागार में विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। जलशक्ति मंत्री ने समीक्षा बैठक में बाढ़ से सम्बन्धित परियोजनाओं एवं बाढ़ से सम्बन्धित कार्यों, सील्ट सफाई, वर्तमान परियोजनाओं की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति के बारे में जानकारी ली तथा संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि परियोजनाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने इस अवसर पर बुन्देलखण्ड क्षेत्र में कराये जा रहे कार्यों का विवरण, सिंचाई यांत्रिक, परती भूमि विकास से संबंधित कार्यों के बारे में जानकारी ली और निर्देशित किया कि

परियोजनाओं को निर्धारित समय अवधि में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखते हुए पूरा कराया जाए। जलशक्ति मंत्री ने अभियन्ताओं से कहा कि वे अपने अपने क्षेत्र में कम लागत से नहरों को जोड़कर किसानों को पानी दे सकने के लिए एक योजना तैयार करके प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि परियोजना व शेष कार्यों का सम्पूर्ण विवरण प्रस्तुत करें तथा नहरों में कितने गैप बचे हैं उनको चिन्हित कर तत्काल कार्यवाही करें। उन्होंने नहरों की सिल्ट सफाई बेहतर ढंग से करने के निर्देश दिये। सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि निर्माणाधीन बाढ़ परियोजनाओं को बरसात के पूर्व पूरा कराएं तथा नवीन बाढ़ परियोजनाओं को भी समय से पूर्ण करें। उन्होंने मुख्यालय द्वारा गठित अधिकारियों की टीम द्वारा बाढ़ परियोजनाओं का नियमित रूप से मॉनीटरिंग करने का निर्देश दिया। जिससे परियोजनाओं की प्रगति रिपोर्ट मिलती रहे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि फील्ड के सभी अधिकारी जेई, एई और एक्सीएन जनपदवार उनके क्षेत्र में कौन सी परियोजना का निर्माण कराया जा रहा है, इसकी भी जानकारी मुख्यालय को प्रस्तुत करें तथा बाढ़ से सम्बंधित एक व्हाट्सअप ग्रुप भी बनाएं। उन्होंने डाटा सेंटर, कॉल सेंटर पर 05 अधिकारियों को लगातार जानकारी करने के भी निर्देश दिये हैं। सिंचाई एवं जल संसाधन के प्रमुख सचिव अनिल गर्ग ने मंत्री को आश्वस्त किया कि उनके द्वारा दिये गये निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन कराया जायेगा एवं निर्माणाधीन योजनाओं को समयबद्ध ढंग से पूरा कराया जायेगा।

महापौर के निरीक्षण में फील्ड पर नहीं मिले एक भी सफाई कर्मी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। महापौर संयुक्ता भाटिया ने सहादतगंज वार्ड के शिला गार्डे न, सोनापुरम, कनक सिटी, सुमैया विहार, केतन विहार व चित्रांश स्कूल के पास आदि क्षेत्रों में सफाई कार्य का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान सफाई कार्य में लापरवाही पाए जाने पर महापौर में कार्यदायी संस्था एफबी ट्रेडर्स पर एक लाख रुपये जुर्माने के साथ संस्था को निलंबित करने के निर्देश दिए। औचक निरीक्षण पर सहादतगंज पहुँची महापौर ने जोनल सेनेटरी अफसर को पहुँचने के बाद फ़ोन कर मौके पर बुलाया और उसके बाद महापौर ने सहादतगंज के शीला गार्डन पहुँची जहां नालियों कूड़े से पटी हुई मिली। जिस पर महापौर ने सुपरवाइजर शाहबुद्दीन को कड़ी फटकार लगाई। सफाई कर्मचारी के बारे में पूछने पर सुपरवाइजर ने बताया कि इस मोहल्ले

में दो कर्मचारी तैनात है पर बीमार है इस पर महापौर ने कहा कि आज हम आये और आज ही बीमार हो गए वह भी दोनों के दोनों। अगर यह लोग पहले यहां काम करते तो यह हाल क्षेत्र का न होता। इसके पश्चात महापौर ने सोनापुरम, कनक सिटी, सुमैया विहार, केतन विहार, चित्रांश स्कूल के पास के इलाकों में सफाई कार्य का निरीक्षण किया तो कमोबेश यही हाल हर जगह का था, कही

❐ एक लाख के जुर्माने के साथ संस्था को किया निलम्बित

नालियों में मच्छर पनप रहे थे, तो कही नालियाँ मिट्टी से जाम थी। जिस पर महापौर ने कड़ी नाराजगी जाहिर की। खास बात यह थी कि जिन इलाकों में महापौर ने निरीक्षण किया वहाँ उन्हें एक भी कर्मचारी सफाई करता हुआ नही मिला। जिस पर महापौर ने जोनल सेनेटरी अफसर को कड़ी फटकार लगाई। सफाई व्यवस्था न होने एवं प्रात निरीक्षण के दौरान एक भी कर्मचारी न पाए जाने पर महापौर ने कार्यदायी संस्था को निलंबित करते हुए एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया। इस मौके पर महापौर संयुक्ता।भाटिया संग सुनीता पाण्डेय, अजय सोनी, अभिषेक गुप्ता, जोनल सेनेटरी अफसर सतेन्द्र कटियार, एसएफआई सतीश कुमार यादव मौजूद रहे।

एलडीए ने ठाकुरगंज क्षेत्र में निर्माणाधीन रो-हाउसेस किये सील

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। सोमवार को एलडीए ने ठाकुरगंज थाना क्षेत्र में अवैध रूप से हो रहे रो हाउसेस निर्माण को सील कर दिया। लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी में निर्देश पर यह कार्रवाई की गई। प्रवर्तन जोन 7 के जोनल अधिकारी कमलजीत सिंह ने बताया कि विनय मौर्य, दिनेश कुमार, आशीष कुमार, पंकज गुप्ता, चीनू गुप्ता, राधेश्याम, रजनी, सुधीर कुमार श्रीवास्तव, सतीश, सुशील, मोहित, मनीष, चन्द्रकांता व अन्य द्वारा खसरा संख्या-565, 566 एवं 567, ग्राम भूहर, श्याम नगर, पक्काबाग पर बगैर मानचित्र स्वीकृत कराये ही लगभग दस हजार वर्गमीटर में सी.सी. रोड, नालियां, बिजली के खम्भे और भू-विभाजन करते हुए काफी संख्या रो-हाउसेस का निर्माण किया गया था। इस अवैध निर्माण के विरूद्ध विहित न्यायालय में वाद दाखिल किया गया। जिसमे पक्ष द्वारा कराये जा रहे निर्माण के सम्बन्ध में कोई स्वीकृत मानचित्र प्रस्तुत न किये जाने के कारण विहित न्यायालय द्वारा निर्माण स्थल को सील किये जाने के आदेश दिये गये थे। जिसके बाद सोमवार को सहायक अभियंता राजेश सिंह तोमर के नेतृत्व में अवर अभियंता भानु प्रकाश वर्मा व संजय गुप्ता द्वारा अनाधिकृत निर्माण को सील कर दिया गया।

संघर्षशील माताओं को माँ तुझे सलाम सम्मान से नवाजा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। विश्व मातृ दिवस के अवसर पर तमाम मुश्किलों के बीच मातृत्व की जिम्मेदारी निभाने के साथ सामाजिक सरोकारों में भी अपना बहुमूल्य योगदान दें रहीं माताओं को रविवार को विक्रम नगर मानक नगर में सुरभि कल्चरल ग्रुप की और से माँ तुझे सलाम सम्मान से नवाजा जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पार्षद देवेंद्र सिंह यादव जीतू ने चंदा कौशल, कंचन शर्मा व कुलविंदर कौर को अंग वस्त्र और प्रमाण पत्र से सम्मानित किया। इस अवसर पर बच्चों के लिए ऑनलाइन कुकिंग प्रतियोगिता आओ पकाएं कुछ खास का आयोजन किया गया। जिसमें क्लास 06 से इंटर तक के बच्चों ने अपना हुनर दिखाते मैकरोनी, कोफ्ता, खीर, चाट, बादाम शेक, कहटल के पकोड़े, टोमोटो सैंडविच, ब्रेड पकोड़ा व मंचूरियन डिश बनाकर मां को खिलाते हुए फोटो भेजी। जिसमें प्रतियोगिता में अर्शजोत कौर प्रथम, आराधना कुमारी द्वितीय व साक्षी कश्यप ने तृतीय स्थान प्राप्त किया एवं आफरीन ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। इस अवसर पर केसरी खेड़ा वार्ड महिला व्यापार मंडल की सचिव ममता रस्तोगी, समाजसेवी गोविंदा मिश्रा, टीचर इंचार्ज कामनेषू कुमार व दिलीप सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम के संचालन और संयोजक शैलेंद्र सक्सेना रहे।

एसएस इंटरनेशनल स्कूल में हुआ मातृ दिवस का आयोजन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बख्शी का तालाब,लखनऊ।स्कूल पहुंचने पर अगर बच्चे मां को तिलक लगाकर उनका वेलकम करे तो मॉम्स को खुद ब खुद स्पेशल फील होगा। कुछ ऐसी ही स्पेशल फीलिंग्स का अनुभव सोमवार को राजधानी के बख्शी का तालाब स्थित एसएस इंटरनेशनल स्कूल के सभागार में मनाये गये मातृ दिवस कार्यक्रम में शामिल होने आयीं मदर्स को हुआ। जहां हर मां का बच्चों के हाथों तिलक करवा कर अनोखे अंदाज में मदर्स डे सेलिब्रेट किया गया। इसके साथ ही मॉम्स के लिए कई तरह के गेम्स भी रखे गए, जिनमें मदर्स ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। मदर्स ने अपने बच्चों के साथ सेल्फी लेकर यादें संजोई। इसके साथ ही खासतौर पर डांस फ्लोर भी तैयार किया जहां मॉम्स ने बच्चों के साथ मिलकर जमकर डांस करते हुए एंज्वॉय किया। चेयरमैन प्रवीण सिंह चौहान एवं प्रिंसिपल मैडम की मौजूदगी में इस समारोह का महिमा मंडन किया गया। स्कूल स्टाफ द्वारा परिचयात्मक भाषण के बाद स्कूल शब्द के साथ समारोह शुरू हुआ। इस अवसर पर चेयरमैन प्रवीण सिंह चौहान ने अपने संबोधन में बोला कि मदर्स डे परिवार की माँ के साथ-साथ मातृत्व, मातृत्व बंधन और समाज में माताओं के प्रभाव का सम्मान करने वाला उत्सव है। यह दुनिया के कई हिस्सों में विभिन्न दिनों में मनाया जाता है, आमतौर पर मई के महीने में मनाया जाता है। अपनी माँ के प्रति हमारे अंदर असीम प्रेम का प्रतीक होता है।

ग्राम पंचायत अफसरों को मोबाइल पर मिली गोली मारने की धमकी

बख्शी का तालाब,लखनऊ।बख्शी का तालाब विकास खण्ड में तैनात ग्राम पंचायत अधिकारियों को एक शख्स ने मोबाइल पर मैसेज भेजकर जान से मारने की धमकी दी है।जिससे ग्राम पंचायत अधिकारियों संग ब्लॉक के अधिकारी भी दहशत में हैं। इनमें ग्राम पंचायत अधिकारी पूजा कुमारी,देवेंद्र व आलोक चौधरी को अज्ञात शख्स द्वारा जान से मारने की धमकी दी गई है। ग्राम पंचायत अधिकारी पूजा कुमारी को मोबाइल नंबर 7408031778 से मेसेज भेजकर उन्हें गोली मारने की धमकी दी गई है।धमकी देने वाले ने अपना नाम मथुरा प्रसाद बताया है।मैसेज में एक फोन नंबर 9919063620 भी दिया गया है।वहीं खण्ड विकास अधिकारी पूजा सिंह ने बताया कि इस मामले को सीओ नवीना शुक्ला को अवगत कराते हुए दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की गई है। तब तक सचिवों को एहतियातन सुरक्षा की दृष्टि से घर पर ही रहने के लिए कहा गया है।

पल्टन छावनी आश्रय गृह में हुआ स्वावलंबन शिविर का आयोजन

लखनऊ। जिला प्रोबेशन अधिकारी के निर्देशानुसार पल्टन छावनी आश्रय गृह में स्वावलंबन शिविर का आयोजन विज्ञान फाउंडेशन एवं वन स्टॉप सेंटर लखनऊ के तत्वाधान में किया गया। शिविर में उपस्थित महिलाओं, बच्चें व बुजुर्गों के कल्याण हेतु सरकार द्वारा संचालित की जा रही विभिन्न लाभकारी व महत्वाकांक्षी योजनाओं वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन, बाल सेवा योजना, लेबर कार्ड एवं कन्या सुमंगला योजना का प्रचार करते हुए उन्हें इन सभी योजनाओं की जानकारी दी गयी। स्वावलंबन शिविर में लगभग सौ से अधिक लोगों ने भाग लिया तथा जिनमें से कुछ लोगों का बाल सेवा योजना एवं विधवा पेशन हेतु पंजीकरण कराया गया। जिला प्रोबेशन कार्यालय से सुनील कुमार वर्मा, पूजा बाजपेई व विज्ञान फाउंडेशन से गुरूप्रसाद के द्वारा उपस्थित सभी लोगों को जानकारी दी गयी। इस मौके पर क्षेत्रीय पार्षद रूपाली गुप्ता उपस्थित रही।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस महिला महाविद्यालय में हिंदी विभाग द्वारा मनाई गई महाराणा प्रताप जयंती

लखनऊ। आजादी का अमृत महोत्सव की श्रंखला के अंतर्गत स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की जीवन गाथा के संबंध में सोमवार को नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अलीगंज लखनऊ में प्राचार्य प्रोफ़ेसर डॉ अनुराधा तिवारी के संरक्षण में महाराणा प्रताप जयंती हिंदी विभाग द्वारा मनाई गई। इस अवसर पर राष्ट्रनायक के रूप में स्वतंत्रता आंदोलन में महाराणा प्रताप का योगदान विषय पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें महाविद्यालय की अनेक छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में डॉक्टर सविता सिंह ने महान योद्धा राणा प्रताप के राष्ट्रभक्त, साहसी एवं विलक्षण व्यक्तित्व पर अपने विचार व्यक्त किए। डॉक्टर विवेक तिवारी ने अमृत महोत्सव के कार्यक्रमों के महत्व पर चर्चा करते हुए महान सेनानायक राणा प्रताप के योगदान को वर्तमान संदर्भों से जोड़ते हुए छात्राओं को प्रेरित किया। डॉ विशाखा कमल ने महापुरुषों के अनुकरणीय व्यक्तित्व से प्रेरणा लेने हेतु सबको उत्साहित किया। छात्राओं में रीतू चौहान, निधि मौर्या, कुसुमलता, चित्रांशी, उपासना दीक्षित व अनुष्का सिंह ने वीर शिरोमणि राणा प्रताप के शौर्य और पराक्रम पर अपने विचार रखे। मेवाड़ की आन बान शान के लिए अपने जीवन को समर्पित करने हेतु महाराणा प्रताप के अतुलनीय योगदान को याद किया गया।

मातृदिवस के अवसर पर संस्था स्नेहम सेवा संस्थान का हुआ शुभारम्भ

लखनऊ। मातृदिवस के अवसर पर संस्था स्नेहम सेवा संस्थान का शुभारंभ लखनऊ के सुप्रसिद्ध हनुमान सेतु मंदिर में किया गया। जिसमें पूजा अर्चना के बाद आसपास के निर्धन बंधुओ में तहरी वितरण किया गया। संस्था के महासचिव कमलेश चंद्र वर्मा ने बताया की संस्था को बनाने का मुख्य उद्देश्य वृद्धजनों की सेवा पर्यावरण संरक्षण, सांस्कृतिक कार्यक्रम, स्वास्थ शिविर, सामाजिक जागरूकता से जुड़े प्रत्येक कार्य शामिल है। इस मौके पर संस्था की संस्थापिका अनीता वर्मा ने बताया की उनकी टीम निर्धन आय वर्ग को आत्मनिर्भर बनाने हेतु रोज़गार परक प्रशिक्षण प्रदान करेगी। इस मौके पर मनोज सिंह चौहान, विपिन कुमार वर्मा, सीमा वर्मा, राजेश शर्मा, सुदीप्ता, शत्रोहन लाल वर्मा, सुनील कुमार वर्मा, हेमलता त्रिपाठी, स्वरा त्रिपाठी व पीयूष कुमार दुबे मौजूद रहे।

युवक ने पंखे से साड़ी के सहारे फांसी लगाकर किया आत्महत्या

लखनऊ। दुबग्गा कोतवाली अंतर्गत आम्रपाली योजना में रविवार सुबह युवक ने कमरे में पंखे से साड़ी के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के पिता के अनुसार आम्रपाली योजना के सेक्टर एच 6 में प्रीतम कुमार (22) ने घर में कमरे के अंदर फंखे से साड़ी के सहारे फांसी लगाकर जान दे दी।प्रीतम कचेहरी में फोटोस्टेट की दुकान पर नौकरी करता था। प्रीतम की शादी कुछ महीने पहले ही मोहनलालगंज निवासी लड़की से तय हुई थी।बारात दिसम्बर में थी।तभी से लड़की रुपये व जेवर की मांग प्रीतम से बराबर कर रही थी।

पड़ोसी की दिलेरी के चलते चोरी की नीयत से घर में घुसे चोर भागे

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। पुलिस के लाख दावो के बावजूद राजधानी लखनऊ में शातिर चोरो के हौसले लगातार बुलंद नज़र आ रहे हैं। थाना ठाकुरगंज क्षेत्र पीर बुखारा में बेखौफ चोरों ने एक बन्द घर में चोरी की नीयत से धावा बोल दिया। यहां पड़ोसी मोजिस रज़ा की दिलेरी की वजह से चोरों को उल्टे पांव भागना पड़ा। जानकारी के मुताबिक इज़हार आबिदी का खाली घर देखकर चोरों ने शनिवार देर रात करीब 2:45 बजे धावा बोल दिया। देर रात पड़ोसी मोजिस रज़ा सोते समय अपने घर का सीसीटीवी कैमरा चेक कर रहे थे की तभी उनकी नजर पड़ोसी के दरवाजे पर पड़ी जहां चार चोर पड़ोसी का दरवाजा तोड़ रहे थे यह देखते ही वे चोर-चोर चिल्लाते हुए दौड़ पड़े। आवाज सुनते ही चारो चोर घबराकर चप्पल छोड़कर वहां से भाग निकले। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस चोरों को तलाश रही है। इज़हार हुसैन आबिदी के मुताबिक वह बेटी से मिलने तीन मई को चेन्नई गए हुए थे । उन्होंने पुलिस को तहरीर में बताया कि शनिवार रात करीब 2:45 बजे चोरी की घटना पड़ोसी के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो रही थी। इसी बीच पड़ोसी मोजिस रज़ा ने सीसीटीवी कैमरे के मॉनिटर पर बदमाशों की हरकत देखी। वह चिल्लाए तो बदमाश चोरी के लिए लाए गए औजार छोड़कर भाग खड़े हुए। हालांकि चोरों ने गेट को तोड़ दिया था और अंदर दाखिल होने में कामयाब हो गए थे। अगर मोजिस रज़ा की नजर सीसीटीवी कैमरे से जुड़े मॉनिटर पर नहीं जाती तो चोर अपने मकसद में कामयाब हो जाते। मोजिस ने बदमाशों को काफी दूर तक दौड़ाया लेकिन चारों बदमाश भाग निकले। इसके बाद रज़ा ने पूरे मामले की जानकारी फोन से मकान मालिक इज़हार आबिदी को दी। वही मौके पर पहुचे वकार हुसैन ज़रग़ाम रिज़वी व कलीम ने घटना की सूचना पुलिस को दी। वही इंस्पेक्टर ठाकुरगंज हरिशंकर चंद्र के मुताबिक चोरी करने आए बदमाश कुछ चुरा नहीं पाए हैं। इजहार हुसैन आबिदी द्वारा भेजी गई तहरीर में लोहे की रॉड से उनके गेट का ताला तोड़ रहे थे। पुलिस ने मिली तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। मोजिस रज़ा और इज़हार आबिदी के घर में लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बदमाशों की तलाश की जा रही है। बहुत जल्द ठाकुरगंज पुलिस इन चारों शातिर चोरों को बेनक़ाब करते हुए मामले का खुलासा करेगी।

अफीम, पोस्ते के छिलके की तस्करी करने वाले अभियुक्त चढ़े पुलिस के हत्थे

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोसाईंगंज लखनऊ। अफीम ,पोस्ते के छिलके की तस्करी करने वालें दो शातिर व्यक्ति गोसाईगंज के शिकंजे आ गये। पकड़े गए अभियुक्तों को जेल भेज दिया गया है।इस संबंध में गोसाईगंज कोतवाली के इंस्पेक्टर शैलेन्द्र गिरि की ओर दी गई जानकारी के अनुसार 9 मई 2022 को गोसाईगंज कोतवाली की पुलिस टीम क्षेत्र में अपराधो की रोकथाम और संदिग्ध व्यक्ति/ वाहनों की जांच के लिए निकली थी। पुलिस टीम गंगागंज में नगराम मोड पर पहंची ही थी सामने से आते हुए दो व्यक्तियों ने पुलिस को देख कर भागना शुरू कर दिया। पुलिस ने दो व्यक्तियों को भागते हुए देखकर उनका पीछा किया और दौड़ाकर 2:21 बजे पकड़ लिया।पूछ ताछ करने पर एक ने अपना परिचय इरफान (28) पुत्र जलालुद्दीन के रूप में दिया पूछने पर उसने अपना निवास सेखपुर थाना सतरिख जनपद बाराबंकी बताया और दूसरे ने खुद को राजू (35) पुत्र भगौती प्रसाद निवासी मलौली कोतवाली गोसाईगंज बताया। दोनों अभियुक्तों की तलाशी लेने पर उनके पास से पुलिस को 7 किलो 700 ग्राम पोस्ते का कहना छिलका बरामद हुआ। पुलिस ने दोनों अभियुक्तों को एन डी पी एस की धारा में जेल भेज दिया।

लोगों की शिकायत पर रील बनाने वाला आज़म अंसारी गिरफ्तार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। फ़िल्म अभिनेता सलमान खान की नकल करने वाले थाना सहादतगंज क्षेत्र के चौपटिया निवासी आजम अंसारी को ठाकुरगंज पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया । पुलिस ने आजम अंसारी का धारा 151 में चालान किया है। दरअसल आज़म अंसारी के रील बनाने के दौरान यातायात व्यवस्था में व्यवधान पैदा करने के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो चुके हैं जिसमें स्पष्ट तौर पर देखा जा सकता है कि आजम अंसारी ट्रैफिक रोक कर पब्लिक के आगे आगे डांस कर रहा है जिससे यातायात व्यवस्था में व्यवधान पैदा हो रहा है । आज़म अंसारी को अक्सर लखनऊ की सड़कों और स्मारकों पर इंस्टाग्राम के लिए रील बनाते हुए देखा गया है यूट्यूब पर उनके 1.67 लाख फॉलोअर्स भी हैं। रविवार को हुसैनाबाद स्थित घंटाघर व पिक्चर गैलरी के आसपास आज़म अंसारी रील बना रहा था जिससे कि काफी भीड़ इकट्ठा हो गयी थी कुछ स्थानीय लोगों द्वारा आज़म अंसारी को ऐसा करने से मना भी किया गया किन्तु यह न माना फिर कुछ लोगो द्वारा इसकी शिकायत पुलिस से की गई जिसके बाद मौके पर पहुँची पुलिस ने आज़म अंसारी को गिरफ्तार कर लिया ।

गोमती विकास और अविरल प्रवाह विषयक संगोष्ठी के माध्यम से लोगों को किया जागरुक

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। गंगा सप्तमी के पावन अवसर पर मनकामेश्वर मठ मंदिर की ओर से विशाल कार्यक्रम डालीगंज स्थित मनकामेश्वर घाट उपवन में आयोजित किया गया। इसमें आदि गंगा मां गोमती की आरती की गई। साथ ही गोमती विकास और अविरल प्रवाह विषयक संगोष्ठी के माध्यम से लोगों को जागरुक भी किया गया। मठ मंदिर की महंत देव्यागिरि ने बताया कि वैशाख शुक्ल की सप्तमी को ही देवी मां गंगा स्वर्गलोक से भगवान भोलेनाथ की जटाओं में समाहित हुई थीं। इस क्रम में ज्येष्ठ शुक्ल की दशमी को देवी मां शिव की जटाओं से धरती पर प्रवाहित हुई थीं। उस दिन गंगा दशहरा का पर्व मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि राजा सगर ने अश्वमेध यज्ञ करते हुए अपने साठ हजार पुत्रों को उसकी सुरक्षा में तैनात किया। दूसरी ओर देवराज इन्द्र ने छल पूर्वक वह अश्व कपिल मुनि के आश्रम में छिपा दिया। ऐसे में आक्रोशित सगर के पुत्रों ने कपिल मुनि का अपमान कर दिया। इससे क्रोधित हो मुनि ने सगर के सभी पुत्रों को भस्म कर दिया। यह बात जब राजा सगर को मालूम हुई तो उन्होंने मुनि से क्षमा याचना की। इस पर उन्होंने स्वर्ग से गंगा को भूलोक पर लाने का मार्ग सुझाया। ऐसे में उनके वंशज भागीरथ के प्रयासों से सगर के पुत्रों को मुक्ति मिली। महंत देव्यगिरि ने इस क्रम में मां गोमती के संदर्भ में कहा कि गोमती का उद्गम उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिले की तहसील कलीनगर के ग्राम फुलहर के उत्तर पश्चिम में फुल्हर झील जिसे गोमत ताल भी कहने लगे हैं से होता है। उत्तर प्रदेश में यह 900 किलोमीटर तक के भूभाग को जीवन दायनी जल प्रदान करती है। यह वाराणसी के निकट सैदपुर के पास कैथी नामक स्थान पर गंगा में विलीन हो जाती है। पुराणों के अनुसार गोमती, ब्रह्मर्षि वशिष्ठ की पुत्री हैं। मान्यता के अनुसार रावण वध के बाद ब्रह्महत्या के पाप से मुक्ति के लिये भगवान राम ने अपने गुरु महर्षि वशिष्ठ के आदेश पर आदिगंगा गोमती नदी में स्नान किया था और अपने धनुष को भी यहीं पर धोया था। वर्तमान में यह स्थान सुल्तानपुर जिले की लम्भुआ तहसील में धोपाप नाम से आस्था का केन्द्र बना हुआ है। इस संगोष्ठी में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम के अपर मुख्य सचिव डॉ नवनीत सहगल, महापौर संयुक्ता भाटिया, समाज सेवी अर्पणा यादव, पूर्व मंत्री स्वाति सिंह, गंगा समग्र के संगठन मंत्री राम आशीष, नमामि गंगे परियोजना के सचिव राजेश पाण्डेय सहित अन्य को आमंत्रित किया गया था। वक्ताओं ने गोमती को शहर की जीवनरेखा बताया और इसे स्वच्छ से ज्यादा निर्मल रखने के लिए शहरवासियों को प्रेरित किया। सरकारी प्रयासों के साथ जनभागेदारी और जिम्मेदारी सुनिश्चत करने का आवाहन भी किया गया। गंगा सप्तमी के पावन पर्व पर महंत देव्यागिरि के मार्गदर्शन में गौरजा गिरि के साथ सचिन, अनूप, गौरव, तरुण, कमल, मुकेश, शिवम, अभिषेक, करण ने आदिगंगा मां गोमती की बनारस की परंपरा का निर्वाह करते हुए 11 वेदियों से भव्य आरती की।

घटतौली और मिलावट करने वाले पेट्रोल व डीजल पम्पों की जाँच के आदेश

लखनऊ। प्रदेश के अपर खाद्य आयुक्त अनिल कुमार दुबे ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार के घटतौली और मिलावट करने वाले पेट्रोल व डीजल पम्पों की जाँच करने के आदेश के क्रम में अब तक कुल 1907 पेट्रोल पम्पों की जांच की गई और 105 के विरूद्ध कार्यवाही की गयी है। पायी गयी अनियमितताओं में घटतौली के 34 मामले पाये गये और 75 मामलों में मार्केटिंग डिस्प्लाइनरी गाइडलाइंस का उल्लंघन पाए जाने पर नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही की गई है। प्रमुख सचिव खाद्य वीना कुमारी के निर्देशानुसार जांच की कार्यवाही आगे भी जारी रहेगी। उन्होंने बताया कि ऐसे पेट्रोल पम्प, जिनकी छवि खराब है या जिनके सम्बन्ध में प्रायः शिकायतें प्राप्त होती रहती हैं की प्राथमिकता के आधार पर जाँच की जायेगी तथा यह सुनिश्चित किया जायेगा कि संयुक्त टीम द्वारा रेण्डम आधार पर पेट्रोल पम्पों का चयन कर सप्ताह में कम से कम एक दिन निरीक्षण और जाँच अवश्य की जाये। दुबे ने बताया कि जिलाधिकारी द्वारा गठित टीम में मजिस्ट्रेट एवं डीएसओ, पुलिस उपाधीक्षक, बांट माप निरीक्षक एवं तेल कम्पनियों के अधिकारी रहेंगे।

परिवाहन मंत्री ने माल्यार्पण कर मनाया महाराणा प्रताप जयंती

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर। यह दिन मुगलों को अपनी ताकत का लोहा मनवाने वाले हिंदुत्व के पुरोधा वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप के जन्म जयंती के नाम से जाना जाता है। आज उनकी जन्म जयंती के अवसर पर सीतापुर महाराणा प्रताप पार्क में एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसका आयोजन सीतापुर क्षत्रिय समाज के जिला उपाध्यक्ष दीपेन्द्र भदौरिया व धीरेंद्र चौहान द्वारा आयोजित किया गया, जिसमें भाजपा सरकार के परिवहन मंत्री श्री दयाशंकर सिंह पहुंचे जिन्होंने ने सर्वप्रथम महाराणा प्रताप के श्री चरणों में नमन करते हुए उनको माला पहना कर उनके चरणों को छूकर उनका आशीर्वाद लिया। उसके बाद भामाशाह जी के चरणों में पुष्प अर्पित कर दोनों को लड्डू का भोग लगाया साथ ही भारत माता की जय महाराणा प्रताप अमर रहे के गगन भेदी नारों के साथ उद्बोधन हुआ ।वही कार्यक्रम में अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा उपाध्यक्ष दीपेंद्र भदौरिया ने कहा कि महाराणा प्रताप ऐसे प्रथम स्वाधीनता के नायक थे जिन्होंने अपने जीवन में संघर्षों से भावी

❐ पीढ़ियों तक प्रेरणा देगा महाराणा प्रताप का संघर्ष

पीढ़ियों को यह प्रेरणा प्रदान किया कि लाख कांटों के बावजूद अपने देश की रक्षा एवं संप्रभुता और स्वतंत्रता प्रिय महाराणा प्रताप ने अपनी मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए अपने जीवन में संघर्ष का मार्ग अपनाया। वही कार्यक्रम में करणी सेना जिला अध्यक्ष मनोज सिंह के द्वारा बताया गया कि महाराणा प्रताप के द्वारा आदिवासी जातियों, लोहार बढ़िया कोल, भील, किरात,गौड़ जातियों ने अपनी जान की बाजी लगाते हुए महाराणा प्रताप की मदद की थी सैन्य संचालन में धन की कमी आड़े न आए इसलिए महाराणा प्रताप के मंत्री रहे भामाशाह ने अपने जीवन भर की कमाई महाराणा प्रताप के सैन्य संचालन में भेंट कर दी थी जिसे इतिहास के स्वर्ण अक्षरों में लिखा गया उसे कभी भुलाया नहीं जा सकता इसलिए जब भी महाराणा प्रताप का नाम लिया जाए तो 7 भामाशाह का नाम भी उसी श्रद्धा के साथ याद किया जाता है । इस अवसर पर जिले के तमाम नेता समाजसेवी वरिष्ठ पत्रकार वह आम जनमानस के लोग उपस्थित रहे। इस पुण्य अवसर पर सीतापुर क्षत्रिय समाज के जिला अध्यक्ष श्याम पाल सिंह दीपेन्द्र भदौरिया, धीरेंद्र प्रताप सिंह चौहान टी.पी. सिंह, अनिल सिंह पाताबोझ, दीपक सिंह जलालपुर, अवनेंद्र विक्रम सिंह ,अमन विक्रम सिंह,भाजपा नेत्री जया सिंह, एडवोकेट अभय प्रताप सिंह, वरिष्ठ पत्रकार पंकज सिंह गौर, भाजपा जिला मंत्री जया सिंह, अंशुल सिंह, प्रणीत सिंह, ब्रजेन्द्र सिंह, पूर्व ब्लाक प्रमुख अमरेंद्र सिंह, प्रधान भानु सिंह उमरिया, सचिन सिंह, जिला पंचायत सदस्य मनोज तिवारी, रामानंद तिवारी रोहित शुक्ला आज सैकड़ों समाज सेवी उपस्थित रहे।

सार्वजनिक शौचालय अपनी दुर्दशा पर बहा रहा आंसू

कैनविज टाइम्स संवाददाता

❐ योगी सरकार की कोई भी योजना आती है तो दोनों भाइयों के मकड़जाल में फंस कर रह जाती

❐ सरकार की योजनाओं का लाभ मिलता भी है तो केवल दोनों भाइयों के चहेतों को

❐ अनोखी ग्राम पंचायत है जहां पर बड़े भाई शकील अहमद रोजगार सेवक के रूप में तैनात हैं और छोटे भाई जमाल अहमद प्रधान है

महराजनगर(सीतापुर)। विकासखंड सकरन की 85 ग्राम पंचायतों में से कल्ली एक ऐसी अनोखी ग्राम पंचायत है जहां पर बड़े भाई शकील अहमद रोजगार सेवक के रूप में तैनात हैं और छोटे भाई जमाल अहमद प्रधान है योगी सरकार की कोई भी योजना आती है तो दोनों भाइयों के मकड़जाल में फंस कर रह जाती है और ग्राम पंचायत की जनता को किसी भी सरकार की योजना की जानकारी नहीं हो पाती है योगी सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं को रोजगार सेवक शकील अहमद और प्रधान जमाल अहमद पलीता लगाने का काम कर रहे हैं अगर ग्राम पंचायत में सरकार की योजनाओं का लाभ मिलता भी है तो केवल दोनों भाइयों के चहेतों को ही मिलता है और गांव की जनता को सरकार की योजनाओं की जानकारी भी नहीं हो पाती दोनों भाई मिलकर गांव की जनता के साथ में दुर्व्यवहार कर रहे है ग्राम पंचायत में सार्वजनिक शौचालय आज भी अधूरा पड़ा अपने आप में आंसू बहा रहा है लेकिन दोनों भाई मिलकर सार्वजनिक शौचालय को कंप्लीट दिखाकर शौचालय में साफ सफाई के लिए रोजगार सेवक और प्रधान मिलकर अपने चहेते समूह से लड़के की नियुक्ति कर ?27000 निकाल लिए लेकिन सार्वजनिक शौचालय आज भी अधूरा पड़ा हुआ है बात यहीं तक सीमित नहीं ग्राम पंचायत में बहुत ऐसे मामले जैसे रमेश के घर से पुलिया तक इंटरलॉकिंग का कार्य कराया गया जो बहुत ही घटिया किस्म का है और पहले से लगे खड़ंजा की ईटा निकालकर नाली निर्माण कराया गया लेकिन ब्लॉक अस्तर का कोई उच्च अधिकारी मौके पर जाकर जांच करना उचित नहीं समझा जबकि ब्लॉक स्तर पर बैठे उच्च अधिकारी सब कुछ जानते हुए अनजान बनकर बैठे हुए हैं अगर रोजगार सेवक शकील अहमद को ग्राम पंचायत कल्ली से हटाकर दूसरी ग्राम पंचायत में नियुक्ति नहीं की गई तो ग्राम पंचायत कल्ली का विकास असंभव दिख रहा है अगर ग्राम पंचायत कल्ली की उच्च अधिकारियों द्वारा जांच की जाए तो ग्राम प्रधान और ग्राम रोजगार सेवक के बहुत सारे घोटाले सामने आएंगे । अब देखना यह है क्या ग्राम पंचायत कल्ली में रोजगार सेवक शकील अहमद को हटाकर दूसरे रोजगार सेवक की नियुक्ति की जाएगी और ग्राम पंचायत कल्ली की उच्च अधिकारियों द्वारा जांच कर भ्रष्टाचार में लिप्त रोजगार सेवक और प्रधान पर उच्च अधिकारियों द्वारा कार्यवाही की जाएगी या मामले को यूंही ठंडे बस्ते में डाल दिया जाएगा यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा।

जिम्मेदारों की अनदेखी से खुलेआम हो रहा वायु प्रदूषण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर। बढ़ते प्रदूषण के स्तर और मौसम में गर्मी के प्रभाव से जहां एक तरफ जनजीवन त्रस्त हो रहा है सरकार के द्वारा प्रदूषण रोकने की लाख कोशिशें भी की जा रही है। एक तरफ जहां किसानों को पराली जलाने पर जुर्माना हो जाता है वही रेलवे स्टेशन बस स्टॉप पर किसी सार्वजनिक स्थान पर कोई वीडी सिगरेट पी रहा हो तो वहां पर तत्काल पुलिस या गार्ड वहां पहुंच जाते हैं इतना ही नहीं प्रदूषण फैलाने का हवाला देकर उनका चालान काट दिया था लेकिन भारी मात्रा में धुएं उगलने वाली चिमनिया जिम्मेदारियों को नजर नहीं आते यहां बता दें कि शहर के बेहद करीब और घनी आबादी के बीच नैमिष पुरम नेपालापुर में प्लाईवुड फैक्ट्री मौजूद है इन फैक्ट्रियों से प्रतिदिन बेतहाशा धुआं निकलता है आसपास के लोगों का कहना है कि कभी-कभी धुआं की चिमनी से राख इस कदर उड़ती है कि आंख में पड़ जाती है जिससे आंख लाल हो जाती है और खोलना तक मुस्किल हो जाता है । छत पर कपड़े सुखाने को डाल दो तो राख व धुएं की वजह से काले पड़ जाते हैं आसपास के बाशिंदों का कहना है अक्सर प्लाईवुड फैक्ट्री के धुएं मैं किस प्रकार के केमिकल जलाया जाता है की आंखों में कड़वाहट महसूस होती है जिससे आंख खोलना तक मुश्किल हो जाता है नैमिष पुरम, शीश महल कॉलोनी, रमपुरवा, आदर्श नगर आदि मोहल्ले के बाशिंदों का कहना है कि सांस के मरीजों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है चिमनी से निकलने वाला धुआं वातावरण को प्रदूषित कर रहा है लेकिन जिम्मेदार ध्यान नहीं दे रहे हैं।

विभाग प्रचारक ने किया अन्नपूर्णा रसोई का लोकार्पण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पलियाकलां-खीरी। महाराणा प्रताप की चार सौ बयासवीं जयंती के अवसर विद्या भारती द्वारा संचालित प्रताप नारायण मिश्रा स्मारक सरस्वती विद्या मंदिर में अन्नपूर्णा रसोई का लोकार्पण किया गया। अतिथिगणों द्वारा महाराणाप्रताप की मूर्ति पर माल्यार्पण करते हुऐ , वृक्षारोपण के पश्चात सँयुक्तरूप से माता सरस्वती के समक्ष पूजन पाठ के साथ दीपप्रज्वलन करते हुऐ अन्नपूर्णा रसोई का लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभग प्रचारक बैरिस्टर ने महाराणा प्रताप के संघर्षों व गौरव गाथा का वर्णन करते हुऐ उपस्थितजनों को बताया कि विद्याभारती परिवार के द्वारा लोकहित एवं सशक्त राष्ट्र निर्माण हेतु भावी पीढ़ी को शिक्षित करने हेतु सफ़लतापूर्वक अपने दायित्वों का निर्वहन किया जा रहा है। जिसमें सुदूर वनवासी क्षेत्रों तक नौनिहालों को शिक्षित किया जा रहा है। जिसमें आचार्यगणों व स्थानीय गणमान्यजनों का विशेष सराहनीय योगदान है, सशक्त राष्ट्र व संवृद्ध समाज की आधारशिलाएं शिशु मंदिर विद्यालयों के माध्यम से शिक्षित व संस्कारित की जाती है। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री एवं विधानपरिषद सदस्य अनूप गुप्ता ने विद्यालय के उत्थान हेतु विशेष प्रयास करने का आश्वासन देते हुये विदेशी आक्रांता से लोहा लेने वाले महाराणा प्रताप से प्रेरणा लेकर राष्ट्रद्रोहियों से लोहा लेने, राष्ट्र के पुनर्निर्माण का आह्वान महाराणाप्रताप के वंशजों सहित समस्त स्थानीय नागरिकों से किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे मुख्य विकास अधिकारी अनिल कुमार सिंह ने शिशुमन्दिर विद्यालयों में रोजगार परक व उच्च शिक्षा पर भी विशेष ध्यान आकृष्ट करवाते हुये कहा कि युवाओं को राष्ट्र व समाज के चिंतन के प्रति सजग रहना चहिये, हमारी सजग प्रतिभाएं भविष्य में राष्ट्र निर्माण के शिल्पी के दायित्वों का सफल निर्वहन करती हैं। जन शिक्षा समिति के प्रांत निरीक्षक राजकुमार ने विद्यालय की स्थापना एवं उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुये विद्यालय के विकास हेतु विभिन्न बिंदुओं पर समाज एवं शासन से अपनी अपेक्षाओं को व्यक्त किया। जिला सँघ चालक सरदार स्वर्णसिंह कम्बोज ने सीमित संसाधनों द्वारा आदिवासी क्षेत्र में बच्चों को शिक्षित व संस्कारित करने वाले विद्यालय परिवार व प्रबंध समिति की सराहना करते हुये उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों द्वारा संस्कृतिक व राष्ट्रीय कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय प्रबन्धक सलिल अग्रवाल ने सभी अतिथियों, अभिवावकों व सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुये कहा कि स्थानीय गणमान्य आचार्यगणों के कुशल मार्गदर्श में शिशु मंदिर की प्रतिभायें विभिन्न सरकारी व गैर सरकारी क्षेत्रों में अपने दायित्वों का कुशल निर्वहन करते हुये जनपद को गौरवान्वित कर रही हैं। कार्यक्रम का कुशलतापूर्वक संचालन प्रधानाचार्य बलदेव श्रीवास्तव द्वारा किया गया।

दिनदहाड़े बाइक सवार युवकों ने उमंग को गोली मारी, घायल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखीमपुर-खीरी। कोतवाली सदर क्षेत्र अन्तर्गत मंदिर से दर्शन कर लौट रहे युवक को दिनदहाड़े बाइक सवार तीन युवकों ने गोली मार दी। जिससे वह घायल होकर लहूलुहान अवस्था में गिर गया। वहीं घटना के बाद हमलावर तमंचा हवा में लहराते हुए मौके से भाग निकले। घायल युवक को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शहर से सटे गांव छाउछ निवासी बब्बन तिवारी का 22 वर्षीय पुत्र उमंग तिवारी स्नातक का छात्र है। वह हर सोमवार को महेवागंज क्षेत्र में स्थित पौराणिक लिलौटी नाथ मंदिर पर दर्शन करने जाता है। उमंग तिवारी ने बताया कि वह सोमवार की सुबह करीब साढ़े नौ बजे भगवान शिव के दर्शन कर बाइक से वापस लौट रहा था। मंदिर से कुछ दूरी पर सुनसान जगह पर बाइक पर सवार होकर शहर के मोहल्ला रामनगर निवासी बृजराज सिंह और शिव कॉलोनी निवासी शांतनु आ गए। बाइक पर बैठे बृजराज सिंह ने तमंचे से गोली मार दी। गोली लगते ही वह बाइक समेत जमीन पर गिर गया। हमलावर मृत समझकर हवा में तमंचा लहराते हुए भाग निकले। गोली चलने की आवाज सुनते ही मार्ग पर राहगीरों में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना पर महेवागंज चौकी पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस घायल उमंग तिवारी को लेकर जिला अस्पताल आई और उसे भर्ती कराया। दिनदहाड़े गोली मारे जाने की घटना से पुलिस अफसर दौड़ पड़े। सीओ सिटी संदीप सिंह और प्रभारी निरीक्षक सदर चंद्रशेखर सिंह जिला अस्पताल पहुंचे। घायल उमंग तिवारी से घटना को लेकर पूछताछ की। घायल का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। डॉक्टरों के मुताबिक उसकी हालत खतरे से बाहर है। पुलिस ने शांतनु और बृजराज सिंह के खिलाफ जानलेवा हमला सहित अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

शिक्षा का अधिकार विषय पर विधिक साक्षरता शिविर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अंबेडकर नगर। पदम नारायण मिश्र जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अम्बेडकरनगर के निर्देशानुसार रजत पब्लिक स्कूल इण्टर कालेज, औलियापुर, अकबरपुर, अम्बेडकरनगर में शिक्षा का अधिकार विषय पर विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। इस विधिक साक्षरता शिविर में प्रियंका सिंह, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अम्बेडकरनगर रुकमणि वर्मा, क्षेत्राधिकारी, हंसमती महिला थानाध्यक्ष डॉ0 तारा वर्मा, प्रभारी जिला विद्यालय निरीक्षक,नीतू पाण्डेय, प्रधानाचार्या रजत पब्लिक इ0का0 रामनायक वर्मा, अध्यक्ष बाल कल्याण समिति, प्रीती सिंह महिला कल्याण विभाग से रामचन्द्र वर्मा नामिका अधिवक्ता सुरेन्द्र कुमार चौधरी छात्रावास अधीक्षक, विद्यालय परिवार से रामजीत चौहान उपप्रधानाचार्य, कृतिका पाण्डेय, पूनम पाल, पूजा गौड़ बबिता वर्मा स0अ0 एवं बच्चे तथा उनके अभिभावकगण आदि उपस्थित रहे द्यप्रियंका सिंह, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अम्बेडकरनगर ने शिक्षा का अधिकार विषय पर आयोजित विधिक साक्षरता शिविर को सम्बोधित करते हुये बताया कि शिक्षा को मौलिक अधिकार बनाने सम्बन्धी कानून लागू होने से बच्चों के लिये निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का सपना साकार हुआ इसे बच्चों को निःशुल्क एवं अनिवार्य के शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 का नाम दिया गया है शिक्षा का अधिकार अधिनियम जिसमें संविधान के 86वें संशोधन अधिनियम 2002 के द्वारा 21क जोड़कर शिक्षा को मौलिक अधिकार बना दिया गया है। शिक्षा का अधिकार विधेयक को संसद में 4 अगस्त 2009 को मंजूरी प्रदान की तथा 1 अप्रैल 2010 से शिक्षा का अधिकार कानून लागू हुआ एवं कानून के अंतर्गत बच्चों को अनिवार्य निशुल्क शिक्षा प्रदान करने के लिये अनेक प्रावधान किये गये हैं बेहतर शिक्षा सभी के लिए जीवन में आगे बढ़ने और सफलता प्राप्त करने के लिए बहुत आवश्यक है। यह हमारे अन्दर आत्मविश्वास विकसित करने के साथ ही हमारे व्यक्तित्व निर्माण में भी सहायता करती है। स्कूली शिक्षा सभी के जीवन में महान भूमिका निभाती है। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देशानुसार एवं जनपद न्यायाधीश / अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अम्बेडकरनगर के आदेशानुसार दिनांक 14.05.2022 दिन शनिवार को जनपद न्यायालय अम्बेडकरनगर एवं पुरानी कचेहरी स्थित पारिवारिक न्यायालय में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाना है उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में लघु प्रकृति के फौजदारी वाद, एन0आई0 एक्ट की धारा 138 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम, वैवाहिक / पारिवारिक वाद, दीवानी बाद, मोटर दुर्घटना एवं प्रतिकर वाद, विद्युत अधिनियम से संबन्धित बाद, श्रम वाद एवं भूमि अध्याप्ति वाद राजस्व वाद आदि सहित अन्य प्रकार के वादों का आपसी सुलह समझौते के आधार पर अधिक से अधिक निस्तारण किया जाना हैजनपद के सभी आमजन को सूचित किया जाता है कि आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक संख्या में अपने वाद सुलह समझौता के माध्यम से नियत कर निस्तारित करवाये एवं राष्ट्रीय लोक अदालत दिनांक 14. 05.2022 का लाभ उठायें।

विधानसभा चुनाव में लगे माइक्रो आब्जर्बर की मजदूरी न देने का आरोप

कैनविज टाइम्स संवाददाता

मुख्यमंत्री/ जिलाधिकारी से शिकायत

सीतापुर (गोंदलामऊ)। विधानसभा चुनाव के दौरान बेव कॉस्टिंग के नाम पर लगे माइक्रो आब्जर्बर ने अपनी दैनिक मजदूरी न देने का आरोप लगाते हुए डाक द्वारा मुख्यमंत्री,जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर कार्यवाही के साथ साथ अपनी दैनिक मजदूरी दिलाने की मांग की है।जानकारी के अनुसार संदना थाना क्षेत्र के मुड़ियाकैल निवासी प्रशान्त मिश्रा पुत्र अशोक कुमार मिश्रा ने डाक के माध्यम से मुख्यमंत्री,जन सुनवाई संख्या 1515 422003 6157,राज कुमार पुत्र राम पाल निवासी मदारीपुर ने 40015422 08998 के तहत शिकायत दर्ज कराई है।पीड़ित ने शिकायत में बताया है कि पीड़ित की ड्यूटी सी एस सी एजेंसी की तहत मुड़ियाकैल के दो बूथों पर वीडियोग्राफी के तहत लगाई गई थी।पीड़ित ने सी एस सी अधिकारी आशीष कुमार शुक्ला व सहज जन सेवा अधिकारी राजवर्धन पर भुगतान न देने का आरोप लगाया है।पीड़ित के द्वारा भुगतान को लेकर विरोध करने पर उक्त अधिकारियो द्वारा धमकी देने व मुकदमा लिखवा देने देते हुए कहा गया कि जो करना हो कर लेना। इसके अलावा पीड़ित की सहज आईडी भी बन्द कर दी है। पीड़ित ने शिकायती पत्र देते हुए घटना के साक्ष्य मौजूद होने की बात भी शिकायती पत्र में लिखी है। पीड़ित ने मुख्यमंत्री को संबोधित शिकायत दर्ज कराकर न्याय की गुहार लगाई है।मामले में सीतापुर जिलाधिकारी/निर्वाचन अधिकारी अनुज सिंह का कहना है शिकायत के माध्यम से जानकारी हुई है जांच कर उचित कार्यवाही की जाएगी।

एक साथ चेक हुए जिले के सभी कस्तूरबा विद्यालय

❐ एसडीएम, बीडीओ, बीईओ ने किया निरीक्षण, कई बिंदुओं पर हुआ मूल्यांकन, डीएम को सौंपेंगे रिपोर्ट

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखीमपुर-खीरी। डीएम महेंद्र बहादुर सिंह के निर्देश पर अधीनस्थ अफसरों ने जिले के सभी 16 कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों का एक साथ औचक निरीक्षण कर सुविधाओं की पड़ताल की। डीएम ने निर्देश के क्रम में निरीक्षण के दौरान अफसर वार्डन समेत पूरे स्टाफ को बेहतर बनाने हेतु प्रेरित व प्रोत्साहित करें। डीएम के निर्देश पर सभी तहसील क्षेत्रों में संचालित कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालयों को एसडीएम, विकासखंड स्तर पर खंड विकास अधिकारी व खंड शिक्षा अधिकारियों ने सभी कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों का निरीक्षण करके जहां एक और शैक्षिक गुणवत्ता परखी, वही दूसरी ओर मूलभूत सुविधाओं की पड़ताल की। इस दौरान अफसरों ने

डीएम के निर्देश के क्रम में विद्यालय की वार्डन व अन्य स्टाफ को विद्यालय को बेहतर बनाए जाने हेतु प्रेरित-प्रोत्साहित किया। अफसरों ने बताया कि विद्यालय को बेहतर बनाएं व पुरस्कार पाएं। उन्होंने कहा कि जल्द ही आपके विद्यालयों का क्वालिटी एजुकेशन एवं स्वच्छता व सुंदरता पर मूल्यांकन होगा। निरीक्षण के दौरान अफसरों ने कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में पठन-पाठन, बालिकाओं की उपस्थिति, भोजन की गुणवत्ता, सुरक्षा व्यवस्था व मूलभूत सुविधाओं की पड़ताल की। सोमवार की सुबह करीब दस बजे डीएम ने अफसरों से उनकी लोकेशन जानी निर्देश दिए कि आज जिले के सभी कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय का निरीक्षण करके उनकी रिपोर्ट तलब की।

एसडीएम ने बांटी बोतल, जमेट्री बॉक्स, खिले चेहरे

मोहम्मदी। एसडीएम पंकज श्रीवास्तव ने बीडीओ प्रदीप चौधरी व बीईओ जीपी गौतम संग कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय पसगवां का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय में नामांकित सभी बालिकाओं को पानी की बॉटल एवं जमेट्री बॉक्स बाटी। जिसे पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे। इस दौरान उन्होंने बालिकाओं की उपस्थिति भोजन की गुणवत्ता सुरक्षा व्यवस्था सहित अन्य जरूरी बिंदुओं पर गहन पड़ताल की, जरूरी निर्देश दिए।

एसडीएम ने ली गणित की क्लास, हल कराए सवाल

एसडीएम डॉ अमरेश कुमार ने खंड शिक्षा अधिकारी रमेश चौधरी ने कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय वनग्राम पलिया में बालिकाओं को फल व जमेट्री बॉक्स बाटे। निरीक्षण में उन्होंने बालिकाओं को गणित की क्लास पढ़ाई। इस दौरान उन्होंने बच्चियों से कई सवाल हल कराए।

अहमदनगर स्कूल में बांटे लंच बॉक्स व बिस्किट

गोला। कस्तूरबा गाँधी आवासीय विद्यालय अहमदनगर, गोला का निरीक्षण किया। इस दौरान एसडीएम अविनाश चंद्र मौर्य ने बालिकाओं को बॉक्स व बिस्किट आदि वितरित कर अच्छे से पढ़ाई के लिए प्रेरित किया। इस दौरान एसडीएम ने बालिकाओं से आधारभूत सुविधाओं कि पड़ताल करके जमीनी हकीकत जानी। उन्होंने शिक्षिकाओं को रचनात्मक एवं सुरुचिपूर्ण ढंग से शिक्षण कार्य करने के निर्देश दिए।

बा विद्यालय में लगेंगे झूले होंगे विकास कार्य

मितौली। कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय का बीडीओ चंदन देव पांडेय ने औचक निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि डीएम के निर्देश व विद्यालय की आवश्यकता के क्रम में क्षेत्र पंचायत से विद्यालय में अध्यापकों के लिए सामुदायिक शौचालय व स्नानगृह का निर्माण, ग्राम निधि से किचन तथा 2 अन्य रूम में टाइल्स का काम किया जाएगा। वहीं बच्चों के खेलने के लिए झूला एवं अन्य खेल उपकरणों लगाए जाएंगे।

बा विद्यालय फूलबेहड़ में एसडीएम ने बांटे जमेट्री बॉक्स-फल

फूलबेहड़। कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय फूलबेहड़ का एसडीएम सदर राजेश कुमार ने औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बालिकाओं को जमेट्री बॉक्स, चॉकलेट और फल वितरित किए। इस दौरान उन्होंने बच्चों को रचनात्मक व सुरुचिपूर्ण पठन-पाठन पर जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि विद्यालय के सभी शिक्षक अपने विषयों से संबंधित 25-25 प्रश्नों का एक क्वेश्चनआयर तैयार करें उसे बच्चों को याद कराएं ताकि उनका ज्ञान वर्धन हो। यह प्रक्रिया चरणबद्ध रूप से जारी रखें।

सेठ राम गुलाम पटेल मेमोरियल इंटर कॉलेज में छात्रों से होती है अवैध वसूली

महमूदाबाद सीतापुर। महमूदाबाद आपको बताते चलें कि सेठ राम गुलाम पटेल मेमोरियल इंटर कॉलेज में कक्षा इंटर यानी कि 12 की टीसी लेने के लिए एक अकाउंट साइट के ?500 तथा बिना काउंटर की टीसी लेने के लिए ?300 देने होते हैं और अगर आपके पास पैसा नहीं है तो बच्चों को टीसी देने से साफ मना कर देते हैं स्कूल वाले दिखावा इस कदर करते हैं कि वह बताते हैं हम तो इतने अच्छे हैं कि हम तो गरीब बच्चों कि फीस तक ही नहीं लेते हैं लेकिन अगर असल बात देखी जाए तो गरीब बच्चों से भी इस कदर वसूली करते हैं की बहुत से गरीब बच्चे तो स्कूल जाने से सख्त मना कर देते हैं तथा कुछ बच्चे तो इस स्कूल से आधे ही पढ़ाई करके भाग खड़े होते हैं बिचारे गरीबी के कारण पूरी पढ़ाई भी नहीं कर पाते और अगर बात की जाए स्कूल के ऊपर कार्रवाई करने की तो छात्र बताते हैं कि इस स्कूल के मालिक अपने आप को सचिवालय के विशेष सचिव बताते हैं और स्कूल के मालिक छात्रों को खुलेआम चुनौती देते हैं कि जहां भी जाना है जो कुछ भी करवाना है वहां जाकर के करवा सकते हो और हमारा कुछ भी नहीं कर पाओगे वहीं अगर बात की जाए छात्रों के अभिभावकों की तो उनका भी कहना यह है कि उनके साथ भी स्कूल वाले अच्छा व्यवहार नहीं करते हैं !

नया सर्किल रेट घोषित कर जमीन का अधिग्रहण किया जाये: अमित वर्मा

अम्बेडकरनगर । जनपद के अयोध्या मार्ग से टांडा मार्ग को जोड़ने वाले 12:300 किमी के बाईपास का निर्माण होना प्रस्तावित है और शासनादेश जारी हुआ है। जिसके लिए हजारों किसानों की कीमती भूमि का अधिग्रहण किया गया है उक्त बाते जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अमित कुमार वर्मा ''जितेन्द्र'' ने कही उन्होंने कहा पुराने सर्किल रेट की दर से मुआवजे का निर्धारण किया गया है जो किसानों पर कुठाराघात है अतः सर्किल रेट पुनर्निर्धारण करते हुए जिला प्रशासन बाजार मूल्य को ध्यान में रखते हुए करे जिससे किसानों के हितों की अनदेखी न हो और किसानों को उचित मूल्य पर मुआवजा मिले।जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष गुलाम रसूल ''छोटू'', वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुखीलाल वर्मा और अमरनाथ पाण्डेय ने कहा 2017 से आज तक लगभग 6 वर्ष से सर्किल रेट का पुनर्निर्धारण नही किया गया है 2लाख रूपये प्रति बिस्वा से कम मूल्य का निर्धारण किया गया है जो काफी कम है जबकि बाजार मूल्य 5 लाख से 10 लाख प्रति बिस्वा है। इस प्रकार किसानों की कीमती भूमि सरकार बाईपास निर्माण के लिए कौडियों के भाव में ले रही है जो किसानो के साथ अन्याय है।कांग्रेस नेताओं ने संयुक्त रूप से कहा से कहा यदि सर्किल मूल्य का निर्धारण बाजार मूल्य से नही किया जाता तो प्रभावित किसानों की संघर्ष समिति बनाकर किसानों की लड़ाई लडी जायेगी जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी।

वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की मनाई गई जयंती

मालीपुर,अंबेडकर नगर। ग्रामसभा बैरागल के पंचायत भवन मे अर्पित सिंह के संयोजन मे भारत के. महानायक, वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की 481 वी जयंती मनाई गई। जिसमे ग्रामवासियो ने महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कर उन्हे श्रद्धा पूर्वक नमन किया और उनके पदचिन्हों पर चल कर राष्ट्र को और मजबूत बनाने मे अपना योगदान देने का संकल्प लिया। वक्ताओ ने महाराणा प्रताप के जीवनी पर प्रकाश डालते हुए उनके संघर्ष, साहस, व समर्पण भाव का विस्तरित वर्णन किया।कार्यक्रम मे पूर्व ग्राम प्रधान यशवंत सिंह, ईश्वर चंद यादव, आदित्य सिंह, महेश सिंह, ग्राम प्रधान विजय कुमार, सुरेंद्र सिंह, चंद्र प्रकाश मिश्र, संदेश शर्मा, विपिन सिंह, रणविजय सिंह, बब्लू मिश्र, ओमेश्वर यादव हरिगोविंद सिंह व अन्य ग्रामवाशी शामिल रहे।

नहीं रहा पुलिस प्रशासन का डर, चोरों का आतंक

अंबेडकर नगर। बलराम अग्रहरी पुत्र स्व0 सन्त प्रसाद अग्रहरी निवासी ग्राम जगदीशपुर, पोस्ट नौगवा, थाना बेवाना, जिला अम्बेडकरनगर का स्थायी निवासी हैद्य शान्ती नगर कालोनी शहजादपुर में अजय कुमार गौड़ पुत्र शिवकुमार गौड़ के मकान में किराये पर अपने परिवार सहित रहता है। कृष्णा नगर कालोनी शहजादपुर में अपना निजी मकान बनवा रहा है, वहां पर परिवार सहित कमरे में ताला लगाकरदिनांक02.05.2022 को रात्रि में 9.30 बजे सोने चला गया था, जब सुबह 5 बजे लौट कर आया तो देखा कि कमरे का ताला टूटा हुआ था और घर का सामान बिखरा हुआ था कमरे सभी खुले हुए थे। बलराम के अनुसार बलराम के द्वारा समान चेक किया गया तो पता चला कि घर में रखा नगदी रू0 नौ लाख पचास हजार लेकर आदि समान गायब थे चोरों द्वारा बलराम के घर में घूस कर सारे सामान की चोरी कर ली गयी द्य बलराम के द्वारा तुरन्त 112 नम्बर पर सूचना देने पर आयी पुलिस द्वारा मौके का मुआयना करके वापस चली गयी जिस पर कोई भी कार्यवाही नहीं हुई है। पूरे मोहल्ले में चोरों का आतंक फैला हुआ है ।

ईओ और मातहतों की लेट लतीफी से परेशान हो रहे हैं फरियादी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

महराजगंज (रायबरेली)। योगी सरकार ने भले ही अधिकारियों व कर्मचारियों को समय से कार्यालय में बैठकर जन सुनवाई के आदेश दिए हो लेकिन नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी अनुराग शुक्ला और उनके मातहत अपनी हठधर्मिता से बाज नहीं आ रहे हैं। न केवल ईओ कार्यालय समय से घंटों देर में पहुंचते हैं बल्कि बाबू भी मनमाने समय पर आते हैं। ईओ की कार्यशैली के चलते ना तो जनसुनवाई हो पा रही है और ना ही समस्याओं का निस्तारण। नगर पंचायत के चेयरमैन सरला साहू ने अतिक्रमणकारियों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि समय से अपना अधिकरण स्वतः ही हटा लें अन्यथा कार्रवाई की जाएगी। जबकि ईओ के समय से कार्यालय ना आने के कारण तमाम तरह की समस्याएं सामने आ रही हैं। सरकार के मुलाजिम होने का फायदा उठाकर अधिशासी अधिकारी अपने पद और शक्तियों का पूरा तरह दुरुपयोग कर रहे हैं। सोमवार को दोपहर 12 बजे नगर पंचायत के ईओ कक्ष से अधिशासी अधिकारी अनुराग शुक्ला एवं लिपिक कार्यालय से वरिष्ठ लिपिक रामचन्द्रपाल कनिष्ठ लिपिक जमुना प्रसाद नदारद दिखे। यहीं नहीं खाली पड़ी कुर्सियों के अलावा गौशाला प्रभारी राम भारत, सफाई नायक चंद्रकेश एवं कम्प्यूटर आपरेटर गौसे आजम तक मौजूद नहीं पाए गए, जिससे चिलचिलाती धूप में दर्जनों फरियादियों को वापस लौटना पड़ा। कार्यालय में किसी भी जिम्मेदार कर्मचारी व अधिकारी के मौजूद ना होने पर कई फरियादियों ने तो तंज कसते हुए कहा कि सच में 'रामराज्य के दर्शन' हो गए। आखिरी अधिकारी और कर्मचारी कब सुधरेंगे? ईओ की निरंकुश कार्यशैली के चलते इस तरह की समस्याएं सामने आ रही हैं। इससे अतिक्रमण हटाओ अभियान भी प्रभावित हो रहा है। चेयरमैन प्रतिनिधि प्रभात साहू ने कहा कि कस्बे में नाले व पटरियों पर फुटपाथ व पक्की दुकान के व्यापारियों द्वारा अतिक्रमण किए जाने से नगर की जनता व आमजनमानस को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा। प्रभात साहू ने कहा कि दो दिन के अंदर यदि व्यापारियों द्वारा अतिक्रमण ना हटाया गया तो नगर पंचायत कर्मियों एवं पुलिस के माध्यम से बुलडोजर चलाकर अतिक्रमण हटवाएगी। चेयरमैन प्रतिनिधि ने कहा कि पटरी के किनारे सब्जी व्यापारी एवं नाले पर गुमटी रख साफ-सफाई में बाधा बनने वालों पर भी संयुक्त अभियान चला जुर्माना लगाया जाएगा।

अपने चिर-परिचित अंदाज में बृजेश पाठक ने किया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण

व्यवस्थाओं से बीमार मिला सीएचसी

मिली खामियों पर सीएचसी अधीक्षक डॉक्टर जैसर को लगाई कड़ी फटकार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बछरावां (रायबरेली)। व्यवस्थाओं से बीमार प्रदेश भर के सरकारी अस्पतालों को सुधारने की कवायद में जुटे सूबे के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने सोमवार को अपने चिर-परिचित अंदाज में बछरावां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का भी निरीक्षण किया। डिप्टी सीएम को सीएचसी भी व्यवस्थाओं से बीमार हालत में मिला। दंत विभाग में धूल खाती मशीन, बाहर से महंगे एक्स-रे कराने के लिए मजबूर मरीज, जन औषधि केंद्र में बिकती बाहर की दवाएं और अस्पताल परिसर में जगह-जगह पान-मसाले की पीक ने डिप्टी सीएम का पारा चढ़ा दिया। उन्होंने सीएचसी अधीक्षक को न केवल जमकर फटकार लगाई बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं में तत्काल सुधार लाने के निर्देश भी दिए। जिले की सीमा से डिप्टी सीएम का एक्शन पूरे जिले में चर्चा का विषय बना रहा। बछरावां के निरीक्षण की भनक लगते ही आसपास के अन्य अस्पतालों की व्यवस्थाएं आनन-फानन में दुरुस्त होने लगीं। डिप्टी सीएम बृजेश पाठक का काफिला सोमवार दोपहर 12:30 बजे के दरमियान सीएचसी के पास पहुंचा। उन्होंने सीएचसी से सौ मीटर दूरी पर अपने काफिले को रोका। वहां से वह सीएचसी की ओर पैदल चल दिए। सीएचसी पहुंचकर वह पर्चा बनवाने की कतार में लग गए। उन्होंने पर्चा बनवाया। पर्चा लेकर वह पुरुष ओपीडी की तरफ पहुंचे, जहां उन्होंने बैठी एक महिला मरीज से स्वास्थ्य सेवाओं की बारे में जानकारी ली। उन्होंने बिना किसी को बताए अकेले ही पूरे सीएचसी परिसर का जायजा लिया। उसके बाद वह अस्पताल अधीक्षक एके जैसर के कमरे में पहुंचे। तब जाकर अस्पताल में डिप्टी सीएम के आने की जानकारी हुई। जानकारी होते ही स्वास्थ्य कर्मियों के हाथ-पैर फूल गए। सीएचसी अधीक्षक को साथ लेकर वह एक्स-रे रूम पहुंचे। जहां कस्बा निवासी संदीप शुक्ला ने सीएचसी में एक्सरे ना होने की बात कही। जिस पर डिप्टी सीएम ने एक्सरे रूम की पड़ताल की। साथ ही अधीक्षक को स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया न कराए जाने को लेकर फटकारा। सीएचसी की लैब पहुंच कर उन्होंने लैब टेक्नीशियन से पूछताछ की। लैब निरीक्षण के बाद वह दंत विभाग के कमरे में पहुंचे। जहां उन्हें दांतों की जांच करने वाली मशीन पर धूल चढ़ी हुई मिली। धूल देखते ही डिप्टी सीएम ने डेंटल हाइजीनिस्ट को फटकार लगाई। इसी दरमियान पता चला कि दांत की डॉक्टर एक महीने की छुट्टी पर हैं। जिस पर अधीक्षक से पूछताछ की। वहां से वह महिला ओपीडी पहुंचे जहां उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली। तभी परिसर में उन्हें जगह-जगह पान-मसाले के पीक दिखे। बदहाल साफ-सफाई को देखकर उनका पारा चढ़ गया। उन्होंने अधीक्षक को जमकर फटकारा। पास ही लगे आरो प्लांट से पानी चेक किया। खैर पानी तो ठंडा था। पर आसपास गंदगी का माहौल देखकर डिप्टी सीएम भड़क उठे। उन्होंने जल्द व्यवस्था में सुधार लाने के निर्देश दिए। इसी दरमियान डिप्टी सीएम से जन औषधि केंद्र में बाहर की दवाएं बेचने की शिकायत हुई। उन्होंने जांच करवा कर कार्यवाही करने का आश्वासन दिया।

पीएम आवास के लिए निःशुल्क भूमि देंगे राजा राकेश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

डलमऊ (रायबरेली)। सोमवार को शिवगढ़ में पूर्व एमएलसी राजा राकेश प्रताप सिंह का नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि शुभम गौड़ ने माला पहनाकर स्वागत किया और गरीबों को पीएम आवास का निर्माण कराने के लिए निःशुल्क भूमि दिए के साथ ही जर्जर सरकारी विद्यालय का निर्माण कराने के लिए निःशुल्क भूमि की मांग की। पूर्व एमएलसी राजा राकेश प्रताप सिंह द्वारा प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना को शत-प्रतिशत धरातल पर उतारने के लिए अब तक गरीबों में करीब बीस बीघे से अधिक भूमि का निःशुल्क दान दे चुके हैं। इसके बाद फिर से 345 लाभार्थियों को प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना का निर्माण कार्य कराने के लिए निःशुल्क भूमि देने जा रहे हैं, इसके लिए सारे दस्तावेज भी तैयार कर लिए गए हैं अब गरीबों को निःशुल्क अनापत्ति प्रमाण पत्र जल्द ही वितरण किया जाएगा, प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना के लाभार्थियों को पूर्व एमएलसी राजा राकेश प्रताप सिंह द्वारा भूमि देने की बात सुनते ही गरीबों में खुशी का माहौल व्याप्त है। पूर्व में लगभग 500 प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना के लाभार्थियों को निःशुल्क भूमि दे चुके हैं। पूर्व एमएलसी राजा राकेश प्रताप सिंह ने बताया कि केंद्र व प्रदेश सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए हम हर प्रयास करेंगे। डलमऊ से सरकारी योजनाएं वापस नहीं जाएंगी। इसके लिए हम अपनी जमीन निःशुल्क देने को तैयार है, डलमऊ एक ऐतिहासिक स्थल है और ऐतिहासिक स्थल को संजोए रखना हमारा परम कर्तव्य है। हम इस कर्तव्य को बखूबी निर्वहन करेंगे, इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि मोहल्ला टिकैतगंज में स्थित जीर्ण शीर्ण पूर्व माध्यमिक विद्यालय के निर्माण तथा मोहल्ला शेरन्दाजपुर विद्यालय का निर्माण कराने के लिए निशुल्क भूमि देंगे। डलमऊ कस्बे के मोहल्ला शेरंदाजपुर माध्यमिक विद्यालय जूनियर हाईस्कूल का निर्माण कार्य होने से गरीब बच्चों को शिक्षा ग्रहण करने के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा।

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ने मनाई महाराणा प्रताप जयंती

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रायबरेली। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के तत्वाधान में सिविल लाइन स्थित एक होटल में महाराणा प्रताप की 480वीं जयंती पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में सदर विधायिका अदिति सिंह मौजूद रहीं। उन्होंने कहा कि हम सबको संगठित होकर सर्व समाज का हित साधने का उद्देश्य लेकर चलना चाहिए।

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के जिला संरक्षक राणा संजय सिंह एडवोकेट ने कहा कि वर्तमान समय में है हम सबको एकजुट होकर आपस में एक दूसरे की सहायता करते हुए समाज को तरक्की की ओर ले जाना होगा। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के जिलाध्यक्ष अमित सिंह ने कहा की वर्तमान समय में है क्षत्रिय समाज को उसके प्रतीक चिन्हों और स्मृतियों को सहेज कर रखने की आवश्यकता है जिससे उनका उपयोग कोई दूसरा समाज अपने नाम पर न कर सके। महासभा के पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र बहादुर सिंह ने कहा कि क्षत्रिय समाज को ऐसे वीर पुरोधाओं से सीख लेकर अपने समाज को सहेजने की आवश्यकता है। जिला उपाध्यक्ष विक्रम सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में क्षत्रियों को एकजुट होना चाहिए और अपने महापुरुषों की जयंतियों और पुण्यतिथियों में ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन करना चाहिए जिससे ज्यादा से ज्यादा समाज के लोग एक जगह आकर एक-दूसरे से परिचित हो सकें।महासभा द्वारा क्षत्रिय समाज के विभिन्न कार्य क्षेत्रों में काम कर रहे समाज के लोगों को सम्मानित किया गया, सम्मानित होने वालों में राजेंद्र बहादुर सिंह, डॉ सीपी सिंह, डॉ रवि सिंह, रामेंद्र सिंह, गोविंद चौहान एडवोकेट, रविंद्र सिंह, एसपी सिंह, आनंद विक्रम सिंह, संजय सिंह चौहान, विनोद सिंह, वीना सिंह, शिवानी सिंह, सरिता सिंह, खुशी सिंह सर्वेश भदौरिया, धर्मेंद्र सिंह आदि शामिल रहे। इस अवसर पर सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

राजस्व वसूली की प्रगति में सुधार लाएं अधिकारी : डीएम

रायबरेली। जिलाधिकारी माला श्रीवास्तव की अध्यक्षता में कर-करेत्तर, राजस्व वसूली तथा राजस्व कार्यों की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने परिवहन, आबकारी, विद्युत, व्यापार कर, खनन, स्टाम्प, नगर निकाय सहित अन्य विभागों के राजस्व वसूली की समीक्षा की तथा कम वसूली वाले विभागों को प्रगति में सुधार लाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने राजस्व वसूली में कई विभागों की स्थिति ठीक न होने पर कहा कि राजस्व वसूली में वृद्धि लाये जाए। इसके साथ ही एसडीएम, तहसीलदार व नायब तहसीलदार को निर्देश दिये कि वरासत व अन्य राजस्व के कार्यों सहित जन समस्याएं सुनकर मौके पर ही गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करना सुनिश्चित करें। बैठक के दौरान अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) प्रेम प्रकाश उपाध्याय, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) अमित कुमार, नगर मजिस्ट्रेट पल्लवी मिश्रा, समस्त उप जिलाधिकारी, तहसीलदार, ईओ, जिला आबकारी अधिकारी, एआरटीओ, एक्सईएन विद्युत, सहित एडीआईओ इंजेश सिंह व अन्य संबंधित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

जांच कराने सीएचसी आई आशा बहू ने काटा हंगामा

महराजगंज (रायबरेली)। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में गर्भवती महिलाओं की जांच कराने आयी आशा बहू ने प्रयोगशाला सहायक पर अभद्र व्यवहार किए जाने का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा काटा। आशा बहू के हंगामे पर आखिरकार अधीक्षक को अपने कक्ष से बाहर आकर आशा बहू को शान्त कराना पड़ा। सीएचसी क्षेत्र के बरहुआ गांव की आशा बहू सरला द्विवेदी का आरोप है कि वह गांव की दो गर्भवती महिलाओं की जांच कराने आयी थी। जहां पर प्रयोगशाला सहायक राजेश द्वारा उसके साथ अभद्र व्यवहार करते हुए उसे वहां से भगा दिया गया। यही नहीं आशा बहू ने बताया कि इससे पहले भी गर्भवती महिलाओं को लेकर वह दो बार अस्पताल से बिना जांच के बैरंग वापस जा चुकी हैं। आशा बहू ने जिलाधिकारी को भी मामले से अवगत कराने के लिए सम्पर्क किया परन्तु उस समय सम्पर्क नहीं हो सका। इससे पहले कि मामला और तूल पकड़ता सीएचसी अधीक्षक डा. राधाकृष्णा ने आशा बहू को समझा बुझाकर शान्त कराया। हालाकि आशा बहू ने पूरे मामले की शिकायत उपजिलाधिकारी सालिकराम से की है। मामले में अधीक्षक डॉ राधाकृष्णन ने बताया कि जांच न होने से बरहुंआ की आशा बहू नाराज थी। गर्भवती महिलाओं की जांच करा दी गई है।

पैसों के लेनदेन के विवाद में महिला की हत्या

लालगंज (रायबरेली)। लालगंज तहसील क्षेत्र के सरेनी थाना अंतर्गत पैसे के लेनदेन के विवाद में सुरजीपुर मजरे सतवा खेड़ा गांव की नन्हकई (37) पत्नी भोला यादव की दबंगों ने हत्या कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार राम खेड़ा निवासी मनीष प्रजापति से महिला के परिवार का पैसों के लेनदेन को लेकर विवाद चल रहा था। सोमवार को मनीष प्रजापति अपने दो अन्य साथियों के साथ मृतक महिला के घर पहुंच गया और तभी पैसों के लेनदेन को लेकर विवाद हो गया।विवाद इतना बढ़ गया कि मनीष प्रजापति ने अपने दोनों साथियों के साथ मिलकर नन्हकई पत्नी भोला यादव की लोढ़वा से कूट-कूटकर हत्या कर दी। मामले में सरेनी पुलिस ने आरोपी मनीष प्रजापति को हिरासत में ले लिया है। प्रभारी निरीक्षक इंद्रपाल सिंह ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज शव को पीएम के लिए भेजा जा रहा है। हत्या करने वाले आरोपियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही की जाएगी।

ब्लॉक सभागार में किसान गोष्ठी का आयोजन

महराजगंज (रायबरेली)। विकास खंड सभागार में रविवार को किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें विशेषज्ञों ने किसानों को नैनो यूरिया फसलों को होने वाले लाभ के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में जिला प्रबंधक प्रदीप यादव ने किसानों को नैनो यूरिया के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि नैनों यूरिया का उपयोग करने से किसान की फसलों की गुणवत्ता में सुधार होगा व अधिक उपज प्राप्त होने से किसान को अधिक लाभ मिलेगा। इस मौके पर सहायक विकास अधिकारी सहकारिता महराजगंज, सहायक विकास अधिकारी सहकारिता शिवगढ़ व सहकारी समितियों के सचिव व अध्यक्ष सहित क्षेत्रीय किसान भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

दबंगों ने की ढाबे में तोड़फोड़, संचालक को धमकाया

डलमऊ (रायबरेली)। डलमऊ चौकी इंचार्ज से चौकी क्षेत्र संभाले नहीं संभल रहा है। तभी तो अराजकतत्वों के द्वारा चौकी के निकट ढाबे पर उत्पात मचाया गया और चौकी इंचार्ज को भनक तक नहीं लगी। अराजकतत्वों के हौसले इतने बुलंद हो गए हैं कि एक ढाबा संचालक को अर्द्धरात्रि में जान से मारने की धमकी देकर उसके साथ गाली-गलौज की और ढाबे पर रखी कुर्सियां तोड़ दी। यहां तक कि काफी रात तक उत्पात मचाया। स्थानीय लोगों ने इस मामले की सूचना पुलिस को दी है, लेकिन जब तक पुलिस मौके पर पहुंचती तब तक दबंग फरार हो गए थे। ढाबा संचालक की तहरीर पर पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। डलमऊ- फतेहपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित मकनपुर रोड पर भारत ढाबा संचालित है। ढाबा संचालक डलमऊ निवासी शंकर प्रसाद द्विवेदी पुत्र शिवजी ने पुलिस को शिकायत पत्र देते हुए बताया कि बीती रात करीब आठ से दस अराजकतत्व मोटरसाइकिल से जाकर गाली-गलौज करने लगे। देखते ही देखते ढाबे पर तोड़फोड़ भी की। तथा मुझे जान से मारने की धमकी भी दी है, अराजकतत्वों ने धमकी देते हुए कहा कि अगर ढाबा संचालित हुआ तो ढाबे में आग लगा देंगे। पीड़ित ने मामले की शिकायत पुलिस से की है। पुलिस शिकायत पत्र के आधार पर मामले की छानबीन करने में जुट गई है।

अमर रहेगा मानवता की रक्षा के लिए गुरु जी का बलिदान : मनोज

शंखनाद संस्था द्वारा 'शबद कीर्तन एवं गौरव गाथा स्मरण' समारोह आयोजित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रायबरेली। श्री गुरु तेग बहादुर जी के 400वें प्रकाश पर्व मनाते हुए 'शंखनाद' संस्था द्वारा गुरु तेग बहादुर मार्केट के श्याम प्रसाद मुखर्जी पार्क में आयोजित 'शबद कीर्तन एवं गौरव गाथा स्मरण समारोह' को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत सह प्रचारक मनोज ने कहा कि गुरु तेग बहादुर जी के त्याग बलिदान एवं संघर्ष आने वाले समय में देश एवं समाज का मार्गदर्शन करता रहेगा तथा सत्य सनातन को बल प्रदान करता रहेगा। मानवता की रक्षा के लिए गुरु जी का बलिदान हमेशा याद किया जाता रहेगा।

वक्ता ज्ञानी जगजीत सिंह जाचक ने कहा कि पूरे विश्व में मानवीय मूल्यों आदर्शों व सिद्धांत की रक्षा के लिए शहादत देने वाले गुरु तेग बहादुर साहिब जी का स्थान अद्वितीय है।गुरुजी का बलिदान केवल धर्म पालन के लिए ही नहीं अपितु मानवीय सांस्कृतिक विरासत की खातिर बलिदान था। दूसरे वक्ता के रूप में अल्पसंख्यक आयोग उत्तर प्रदेश के सदस्य स. परविंदर सिंह ने कहा कि जब महामना पंडित मदन मोहन मालवीय काशी हिंदू विश्वविद्यालय की स्थापना कर रहे थे तो उन्होंने सिख समाज के तपस्वी पंजाब के संगरूर के रहने वाले बाबा अतर सिंह को इसकी नींव का पहला पत्थर रखने के महान कार्य के लिए उनको आमंत्रित किया और जब बाबा अतर सिंह नींव का पहला पत्थर रखने के लिए पंजाब से चले तो महाराजा पटियाला महाराजा दोआबा महाराजा माझा के नरेश ने असीम धन-संपत्ति देकर इस ऐतिहासिक शिक्षा के मंदिर की स्थापना हेतु सहयोग दिया। उन्होंने खालिस्तान समर्थकों को ललकारते हुए कहा कि सिक्ख वह हैं जो देश, धर्म और संस्कृति के लिए बलिदान देते हैं न कि देश तोड़ने की बात करते हैं।अध्यक्षता कर रहे स.सरजीत सिंह डंग ने कहा कि शंखनाद परिवार पूरे उत्तर प्रदेश में होना चाहिए और जो ऐसे कार्यक्रम आयोजित कराने की प्रेरणा दे। जब भी धरती पर ईश्वर ने अवतार लिया है तो मातृ शक्ति के माध्यम से ही अवतार लिया है इसलिए किसी भी प्रकार के युग परिवर्तन की कल्पना बिना मातृशक्ति के संभव नहीं। इससे पहले कार्यक्रम की शुरूआत गुरु सिंह सभा से आए हुए बालस्वरूप पंच प्यारे, गुरु गोबिंद सिंह स्टडी सर्कल के गुरमीत सिंह मोंगा, हजूरी रागी भाई गुरबीर सिंह व ज्ञानी जगरूप सिंह ने मूल मंत्र के पाठ और शबद कीर्तन से की। इसके बाद कथा द्वारा गुरु जी के जीवन पर प्रकाश डाला। शंखनाद संस्था के संयोजक मुनीश अग्रवाल ने संस्था के उद्देश्य और उद्भव ध्येय के बारे में बताया। अतिथियों को अंगवस्त्र द्वारा सम्मानित किया गया। इसमें ओम शिव शक्ति मानव सेवा मंडल द्वारा 400 दीप प्रज्ज्वलित कर दीपोत्सव किया गया।

अब महिलाएं अबला नहीं सबला हैं : बीडीओ

शिवगढ़ (रायबरेली)। मिशन शक्ति के तहत शिवगढ़ ब्लाक सभागार में शिवगढ़ खण्ड विकास अधिकारी मलिक मसूद अख्तर की अध्यक्षता में गोष्ठी सम्पन्न हुई। गोष्ठी को संबोधित करते हुए शिवगढ़ खण्ड विकास अधिकारी मलिक मसूद अख्तर ने कहा कि महिलाएं किसी से कमजोर नही हैं, महिलाएं अबला नही सबला हैं। महिलाओं को सशक्त एवं स्वावलंबी बनाने के लिए सरकार द्वारा तरह-तरह की योजनाएं चलाई जा रही हैं। महिलाएं पहले से ज्यादा सशक्त स्वावलंबी एवं आत्मनिर्भर हुई है। किसी भी क्षेत्र में महिलाएं एवं बेटियां पुरुषों से पीछे नहीं हैं। बेटियां डॉक्टर, वैज्ञानिक, शिक्षक, पायलट एवं सैनिक बनकर नित नए नए आयाम रच रही हैं। बैठक में उपस्थित एडीओ समाज कल्याण स्वप्निल सिंह ने गोष्ठी में उपस्थित महिलाओं को जागरूक करते हुए वूमेन पावर 1090, महिला हेल्पलाइन 181, डायल 112, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, घरेलू हिंसा अधिनियम 2005, उत्तर प्रदेश रानी लक्ष्मीबाई एवं सम्मान कोष, वन स्टॉप सेंटर योजना, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, विधवा पेंशन योजना, पुनर्विवाह की विस्तृत रूप से जानकारी दी। पीसीआई से सोशल मोबिलाइजेशन कोऑर्डिनेटर राजीव पाण्डेय ने आगामी 12 मई से 27 मई तक चलने वाले फाइलेरिया मुक्त अभियान की विस्तृत रूप से जानकारी दी। राजीव पाण्डेय ने बताया कि देश में पोलियो के बाद दूसरा अपंगता वाला रोग फाइलेरिया ही है। फाइलेरिया मच्छर के काटने से होती है।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-आक्शन नोटिस

मण्डल रेल प्रबन्धक (वा.), पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु आईआरईपीएस के ई-ऑक्शन के माध्यम से ई-ऑक्शन आमंत्रित की जाती है:- **क्र.सं.:** 1- **लॉट सं.:** PARKING-LJN-SDDN-MX-3-22-1 (Parking-Mixed), **कार्य का विवरण:** सिद्धार्थनगर रेलवे स्टेशन स्थित संयुक्त पार्किंग (साईकिल, मोटर साईकिल, तीन पहिया, चार पहिया वाहन) का ठेका 3 वर्ष हेतु, **क्षेत्रफल (वर्ग मी. में):** 1048.00, **क्र.सं.:** 2- **लॉट सं.:** PARKING-LJN-GKP-MX-4-22-1 (Parking-Mixed), **कार्य का विवरण:** महायोगी गोरखनाथ एयरपोर्ट, गोरखपुर के पास स्थित इलैक्ट्रिक लोको शेड में स्थित संयुक्त पार्किंग (दो पहिया, तीन पहिया, चार पहिया वाहन) का ठेका 3 वर्ष हेतु, **क्षेत्रफल (वर्ग मी. में):** 2000.00, **नोट:** • निविदाकार प्रकाशित सूचना के अनुसार ई-ऑक्शन में भाग ले सकते हैं। • सिद्धार्थनगर संयुक्त पार्किंग हेतु ई-ऑक्शन दिनांक 24.05.2022 को 13:00 बजे प्रारम्भ होकर दिनांक 24.05.2022 को 13:30 बजे बंद होगी। • एयरपोर्ट संयुक्त पार्किंग हेतु ई-ऑक्शन दिनांक 25.05.2022 को 13:00 बजे प्रारम्भ होकर दिनांक 25.05.2022 को 13:30 बजे बंद होगी। • इस ऑक्शन के लिये मैनुअल माध्यम से कोई ऑफर स्वीकार नहीं किया जायेगा। यदि मैनुअल माध्यम से कोई ऑफर प्राप्त होता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा। • अर्नेस्ट मनी की राशि (5%) का भुगतान केवल IREPS पोर्टल पर ठेकेदार द्वारा लिंक किये गये बैंक खाते से किया जायेगा। मैनुअल विधि जैसे-डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर्स चेक, एफडीआर, जमा रसीद आदि के माध्यम से भुगतान की अनुमति नहीं होगी। • विज्ञप्ति सूचना एवं निविदा प्रपत्र प्रारूप तथा नियम व शर्तों की सम्पूर्ण जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in (E-Auction module) पर उपलब्ध है।

मण्डल रेल प्रबन्धक (वाणिज्य) लखनऊ

मुजाधि/वा-45

यात्री सुविधा सम्बन्धित शिकायत हेतु मोबाइल नं. 09794845955 पर SMS करें।

"ट्रेनों में ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करें"

सराफा व्यापारी की हत्या में भी सामने आया सीओ का शिथिल पर्यवेक्षण!

कैनविज टाइम्स संवाददाता

- गायब होने के दौरान नहीं ट्रेस किया मोबाइल, लावारिस बाइक को भी बेटे से कोतवाली भिजवाया
- कार्रवाई के नाम पर गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करके पुलिस ने की अपने कर्तव्यों की इतिश्री

महराजगंज (रायबरेली)। गायब सराफा व्यवसाई के बेटे की सूचना को संज्ञान लेकर यदि क्षेत्राधिकारी महाराजगंज ने घटना का कुशल पर्यवेक्षण और प्रभावी कार्यवाही कराई होती तो शायद बात निर्मम हत्या तक ना पहुंचती। पिता के फोन में लगातार घंटी जाने की सूचना पुलिस अधिकारियों को दी गई थी लेकिन वह उदासीन रहे। अपने कारनामों और कार्यशैली को लेकर चर्चित सीओ महाराजगंज रामकिशोर ने सराफा व्यापारी के मोबाइल को ना तो सर्विलांस पर लगवाने की जहमत उठाई और ना ही उसकी लोकेशन ली। बेटा गुहार लगाता रहा लेकिन जिम्मेदारों ने गुमशुदगी का मुकदमा दर्ज करके इतिश्री कर ली। यही नहीं मृतक पिता की बाइक कस्बे की एक दुकान के पास लावारिस खड़ी होने की सूचना भी बेटे ने पुलिस अधिकारियों को दी, आसपास के सीसीटीवी फुटेज की पड़ताल कराने के बजाय साहब ने पीड़ित पुत्र से ही बाइक थाने लाकर खड़ी कराने का फरमान सुना दिया। नतीजतन बीते मंगलवार को मिला सराफा व्यवसाई का खून से लथपथ शव पुलिसिया ढिलाई और सर्किल ऑफिसर की शिथिलता बयां कर रहा था। फिलहाल सीओ साहब और उनकी टीम हत्यारों का सुराग लगाना तो दूर अभी वह कड़ी भी नहीं ढूंढ पाई है जिससे इस ब्लाइंड मर्डर की गुत्थी सुलझ सके।

बताते चलें कि कोतवाली क्षेत्र के याकूब गंज मजरे सोथी निवासी रामनरेश यादव (50) पुत्र स्व. राम दुलारे पिछले रविवार की रात लगभग नौ बजे अपने पैतृक घर से खाना खाकर महराजगंज कस्बे के प्रकाश नगर स्थित अपने दूसरे घर पर सोने के लिए निकले थे लेकिन सुबह तक महराजगंज नहीं पहुंचे। परिजनों द्वारा रामनरेश की खोजबीन शुरू की गयी। इस दौरान परिजनों द्वारा कई बार रामनरेश के मोबाइल नंबर पर काल किया गया किन्तु घंटी जाने के बावजूद फोन रिसीव ना हुआ। अनहोनी की आशंका पर सोमवार की दोपहर रामनरेश के बड़े लड़के मुकेश यादव ने कोतवाली पुलिस और सीओ राम किशोर शेख गुहार लगाई कि उसके गायब पिता के मोबाइल नंबर की लोकेशन ट्रेस कर पता लगाया जाए। सीओ और पुलिस ने ढिलाई बरतते हुए गुमशुदगी की तहरीर ली और उसे दर्ज करके खानापूर्ति कर ली। इसी दौरान सर्राफा व्यापारी की लावारिस बाइक मिली। जिसकी पड़ताल करने के बजाय पुलिस ने उनके बेटे को ही बाइक लाकर कोतवाली में खड़ी करने का हुक्म दे दिया। बीते मंगलवार की शाम को गढ़ी मजरे अतरेहटा गांव के स्थित कब्रिस्तान के पास ग्रामीणों को झाड़ियों में औंधे मुंह एक शव पड़ा दिखाई पड़ा, जिसकी सूचना ग्रामीणों ने कोतवाली पुलिस को दी। शव मिलने की सूचना पर कोतवाल जितेन्द्र प्रताप सिंह व क्षेत्राधिकारी रामकिशोर सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लिया। मृतक के चेहरे व आसपास वजनदार हथियार से हमले के कई निशान थे तथा चेहरा खून से लथपथ मिला। शव की पहचान सर्राफ रामनरेश यादव के रुप में होने पर क्षेत्र में हड़कम्प मच गया। कोतवाली पुलिस ने शव का पंचनामा करा पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया । पुलिस कप्तान श्लोक कुमार एवं अपर पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव ने भी घटनास्थल का मुआयना कर जल्द ही खुलासे की बात कही थी, लेकिन लगभग एक सप्ताह होने वाले हैं पुलिस खूनी को पकड़ने में नाकाम दिख रही है। इस मामले में क्षेत्राधिकारी रामकिशोर के साथ-साथ स्थानीय पुलिस की ढिलाई और उदासीनता साफ उजागर हो रही है। फिलहाल क्षेत्राधिकारी रामकिशोर अपने सर्किल क्षेत्र में न केवल अपराध रोकने में नाकाम है बल्कि अपराधिक वारदातों के पर्यवेक्षण में भी पूरी तरह फ़ेल हो चुके हैं।

खुलासे के लिए व्यापारियों ने दिया तीन दिन का समय

महराजगंज (रायबरेली)। कस्बे के सराफा व्यापारी रामनरेश यादव की हत्या के मामले में पुलिस के हाथ खाली हैं। मामले में अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मण्डल की नगर इकाई ने उपजिलाधिकारी सालिकराम को ज्ञापन देकर व्यापारी के हत्या के जल्द खुलासे की मांग की है। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मण्डल के नगर अध्यक्ष रिंकू जायसवाल की अगुवाई में पहुंचे दर्जन भर व्यापारियों ने उपजिलाधिकारी सालिकराम से मुलाकात कर पुलिस की सुस्त कार्यशैली पर सवाल खड़े किए, साथ ही उन्होने ज्ञापन के माध्यम से व्यापारी के हत्या की गुत्थी को जल्द से जल्द सुलझाने की मांग की। रिंकू जायसवाल ने हत्या के खुलासे के लिए पुलिस को तीन दिन का समय देते हुए कहा कि तीन दिन में खुलासा ना होने की स्थिति में व्यापार मंडल के पदाधिकारियों द्वारा आन्दोलन किया जाएगा है। इस मौके पर मुकेश गुप्ता, शिव कैलाश, मुकेश वैश्य, राम सिंह, सुरेश कुमार सहित दर्जनों व्यापारी उपस्थित रहे।

क्लोज़ सर्किट टीवी कैमरों की निगरानी में रहेगा दरगाह मेला परिसर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

❐ प्लास्टिक थैलों का प्रयोग प्रतिबन्धित

बहराइच । सै. सालार मसऊद गाज़ी रह. की दरगाह पर 19 मई से 19 जून 2022 तक एक माह की अवधि तक चलने वाले सालाना जेठ मेले में कानून व शान्ति व्यवस्था बनाये रखने के लिए पूरे मेला क्षेत्र में सीसी टीवी कैमरों के माध्यम से चौकसी रखी जायेगी। इसके अलावा तपती गर्मी के बीच प्रत्येक वर्ष आयोजित होने वाले मेले में आग की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश के लिए मेलार्थियों को अपने साथ गैस सिलेण्डर व ज्वलनशील पदार्थ न लाने तथा पूरे मेला परिक्षेत्र को प्लास्टिक की थैली से मुक्त रखने का सुझाव दिया गया। प्रबन्ध समिति को यह भी सुझाव दिया गया कि मेला परिक्षेत्र सहित रोडवेज़, रेलवे स्टेशन इत्यादि स्थानों में स्वयं सेवक की तैनाती कर दें ताकि मेलार्थियों को कोई दिक्कत न हो। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र ने प्रबन्ध समिति को निर्देश दिया कि ध्वनि विस्तारक यन्त्रों का प्रयोग मा. सर्वोच्च न्यायालय व शासन द्वारा जारी गाईड लाईन का अनुपालन करते हुए किया जाय साथ ही कोविड-19 के संक्रमण से बचाव हेतु सुरक्षात्मक प्रोटोकाल का भी पालन कराया जाय। प्रबन्ध समिति को यह भी निर्देश दिया गया कि जिला प्रशासन के समन्वय से कानून एवं शान्ति व्यवस्था सहित अन्य व्यवस्थाओं के लिए समय से तैयारी पूर्ण कर ली जायें। शुष्क मौसम को देखते हुए मेला क्षेत्र में स्वच्छ पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था भी सुनिश्चित करायी जाय। अग्निशमन विभाग को निर्देश दिया गया कि आग की घटनाओं को नगण्य किये जाने के उद्देश्य से पूरे मेला परिक्षेत्र का भ्रमण कर यह सुनिश्चित करें कि सभी हाइडेन्ट चालू हालत में हों। विद्युत विभाग को निर्देशित किया गया कि मेला क्षेत्र में विद्युत का कोई वायर, पोल झूलता हुआ न रहे, इलेक्ट्रिकल मानकों का परीक्षण फुल प्रूफ व्यवस्था सुनिश्चित करायी जाय। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि सुरक्षा मानकों का अनुपालन कराते हुए अनुमति/सेफ्टी प्रमाण-पत्र उपलब्ध करायेंगे। डीएम डॉ. चन्द्र ने कहा कि मेलार्थियों से ज्यादा मुनाफा वसूली न की जा सके इसके लिए रेट लिस्ट प्रदर्शित किये जाने तथा खाद्य पदार्थों की क्वालिटी चेक करने के लिए खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को मेला अवधि में नियमित रूप से सैम्पुलिंग करने का भी निर्देश दिया। मेले से पूर्व फागिंग, मेलार्थियों की पहुँच के स्थानों पर चिकित्सा शिविर, दरगाह शरीफ के चिकित्सालय को पर्याप्त दवा व चिकित्सकीय सुविधा तथा चौबिसों घण्टे एम्बुलेन्स की व्यवस्था के लिए चिकित्सा विभाग को निर्देशित किया गया। डीएम ने साफ-सफाई के कार्य को विशेष प्राथमिकता प्रदान करने का निर्देश देते हुए नगर पालिका को पूरे मेला परिक्षेत्र से कूड़ा उठान तथा पानी के छिड़काव, मेले की ओर जाने वाले मार्गों पर सोलर लाईट इत्यादि के बेहतर प्रबन्ध किये जाने के निर्देश दिये गये। डीएम ने यह भी निर्देश दिया कि सभी प्रकार के हेल्पलाइन नम्बरों को पूरे मेला परिसर में जगह-जगह प्रदर्शित कर दिया जाय। सड़क व रेल मार्ग से आने वाले मेलार्थियों के लिए की गयी व्यवस्थाओं पर चर्चा के दौरान डीएम ने सड़क परिवहन निगम व रेलवे के अधिकारियों को निर्देश दिया कि मेलार्थियों की सुविधा के मद्देनज़र बेहतर से बेहतर प्रबन्ध किये जायें। सभी सम्बन्धित अधिकारियों प्रबन्ध समिति के पदाधिकारियों के साथ मेला क्षेत्र का निरीक्षण कर की जाने वाली व्यवस्थाओं का जायज़ा लेकर मेला प्रारम्भ होने से पूर्व ही साफ-सफाई, पेयजल, पार्किंग, प्रकाश एवं आवागमन के मार्गों इत्यादि की आवश्यक मरम्मत का कार्य पूर्ण करा दें। डीपीआरओ को निर्देश दिये गये कि चित्तौरा व अनारकली झील की पर्याप्त साफ-सफाई करा दी जाय। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक केशव कुमार चौधरी ने कहा कि मेला अवधि में गुड पुलिसिंग व्यवस्था के बन्दोबस्त किये जायेंगे। श्री चौधरी ने कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से अश्लील कार्यक्रम प्रस्तुत करने की अनुमति नहीं होगी। एसएसपी ने सुझाव दिया कि ऐसे कार्यक्रम किये जायें जिससे लोगों का स्वस्थ मनोरंजन हो और समाज को बेहतर सन्देश मिले। दरगाह प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष सै. शमशाद अहमद एडवोकेट ने प्रबन्ध समिति की ओर से की गयी व्यवस्थाओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी उपलब्ध करायी। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी मनोज, अपर पुलिस अधीक्षक नगर कुँवर ज्ञानंजय सिंह, नगर मजिस्ट्रेट ज्योति राय, उप जिलाधिकारी सदर सौरभ गंगवार आईएएस, जिला पूर्ति अधिकारी अनन्त प्रताप सिंह, अधी.अभि. विद्युत मुकेश बाबू, एसीएमओ डॉ. अजीत चन्द्रा, एआरएम मो. इरफान, पीओ डूडा संजय सिंह व अन्य अधिकारी, दरगाह प्रबन्ध कमेटी के पदाधिकारी अब्दुल रहमान उर्फ बच्चे भारती, दिलशाद अहमद एडवोकेट, अज़मत उल्लाह, मकसूद रायनी, खालिद इकराम व अन्य सदस्य मौजूद रहे।

25 हजार का इनामी बदमाश तमंचे के साथ गिरफ्तार

गोरखपुर। पुलिस ने सोमवार को तरैना पुल के पास से 25 हजार के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। क्षेत्राधिकारी जगत राम पुलिस अधीक्षक दक्षिणी कार्यालय में प्रेस वार्ता कर बताया कि गैंगेस्टर 25,000 इनामी अपराधी पिछले 1 वर्ष से फरार चल रहा था उरुवा पुलिस ने गिरफ्तार किया। इजहार अंसारी (35) के रूप में हुई है। वह राजगढ़ थाना गोला का रहने वाला है। पुलिस ने उसके पास से तमंचा बरामद किया है। वह लूट की घटना को अंजाम देने के फिराक में था। उससे पहले ही पुलिस ने उसे पकड़ लिया। पुलिस के अनुसार इजहार पर वर्ष 2021 में गैंगेस्टर का मुकदमा दर्ज हुआ था। तभी से वह फरार चल रहा था। जिसके बाद उसपर 25 हजार का इनाम घोषित किया गया था। उसकी एक गैंग है जो इलाके में घूमकर लोगों के मोबाइल,चेन आदि लूट लेता है। उसके खिलाफ गोला थाने में छह मुकदमें दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश कर जेल भिजवा दिया। गिरफ्तार करने वाले प्रमुख रूप से प्रभारी निरीक्षक उरुवा अजय कुमार मौर्य वरिष्ठ उपनिरीक्षक रविसेन सिंह यादव हेड कांस्टेबल अनिल सिंह यादव कांस्टेबल अनिल यादव का सरवन धर्मेंद्र कुमार यादव सम्मिलित रहे।

डीएम ने पेश की संवेदन शीलता की मिशाल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा। डीएम डॉक्टर उज्ज्वल कुमार ने संवेदनशीलता, संजीदगी और दरियादिली की मिशाल पेश की सोमवार नगर क्षेत्र से कलेक्ट्रेट वापस जाते समय डीएम को राजा मोहल्ला निवासी विश्वास श्रीवास्तव नामक युवा अपनी मां के साथ उनके पास फरियाद लेकर जाता हुआ दिखा। डीएम ने तुरंत अपनी गाड़ी रुकवाई और उतरकर उसकी मां से मिले तो उसकी मां बिलख बिलख कर रोने लगी और डीएम से बताया कि उसका बेटा योग्य है और बीटेक की पढ़ाई करके बेंगलुरु में नौकरी कर रहा था। सड़क दुर्घटना में वह कोमा में चला गया और लगभग 6 माह तक कोमा में रहा, जिसके कारण उसकी नौकरी छूट गई है तथा उसका बेटा अभी भी पूर्ण रूप से स्वस्थ नहीं है। रोजगार छिन जाने से उसका बेटा बहुत परेशान रहता है तथा उसका इलाज भी नही हो पा रहा है। विश्वास की मां की सारी बातें सुनकर डीएम ने उसके शैक्षिक अभिलेख चेक किए तथा वहीं से सीएमओ को फोन कर विश्वास का इलाज तत्काल शुरू कराने के आदेश दिए और अपने ओएसडी को निर्देशित किया कि उसकी शैक्षिक योग्यता के अनुसार उसे कहीं रोजगार दिलाने का प्रयास करें। डीएम के आश्वासन पर विश्वास की मां को ढांढस बंधा और उसने जिलाधिकारी की संवेदनशीलता पर धन्यवाद व्यक्त किया।

स्वावलम्बन कैम्प: सशक्त हो रहीं महिलाएं, मिल रहा योजनाओं का लाभ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा। जिला प्रोवेशन अधिकारी संतोष कुमार सोनी ने बताया है कि सोमवार को मिशन शक्ति 4.0 अभियान के तहत जनपद के सभी ब्लाकों में महिला कल्याण विभाग द्वारा महिला बाल विकास एवं पुष्टहार विभाग के सहयोग से स्वावलम्बन कैम्प का आयोजन किया गया। उन्होंने बताया है कि झंझरी में आयोजित कैम्प में बाल विकास परियोजना अधिकारी धर्मेन्द्र कुमार ने कहा कि स्वावलम्बन कैम्पों से महिलाएं सशक्त हो रहीं हैं। महिला कल्याण अधिकारी ज्योत्सना सिंह व सुपरवाइजर शकुन्तला ने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों से अधिक से अधिक लोगों को जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी प्रदान करने की अपील की। इसी क्रम में वजीरगंज में विधि सह परिवीक्षा अधिकारी जे.पी. यादव व पंडरीकृपाल में संरक्षण अधिकारी चन्द्रमोहन वर्मा ने कैम्प में लाभार्थियों का चयन किया तथा आवेदनों के प्रक्रिया की जानकारी दी। वहीं रूपईडीह में आंकड़ा विश्लेषक शिवगोविन्द वर्मा व सीडीपीओ नीतू रावत, कटरा बाजार में जिला समन्वयक राजकुमार आर्य व सीडीपीओ नंदनी घोष तथा बभनजोत में परामर्शदाता जितेन्द्र मिश्रा ने कैम्प में महिलाओं के हक पर चर्चा किया व महिलाओं के लिए संचालित योजनाएं गिनायी। इटियाथोक में सामाजिक कार्यकर्ता नीलम सरोज, हलधरमऊ में सामाजिक कार्यकर्ता पंकज कुमार राव द्वारा कैम्प आयोजन किया गया। जिला प्रोबेशन अधिकारी संतोष कुमार सोनी ने बताया कि कैम्प के माध्यम से मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, उ0प्र0 मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना सहित अन्य योजनाओं का व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार किया गया। कैम्पों में लाभार्थियों का चिन्हाकन किया गया तथा आवेदन पत्र प्राप्त किये गये। ब्लाकों में मिशन शक्ति का पम्पलेट भी वितरित किया गया। उन्होने बताया कि आगामी 31 मई को पुनः समस्त ब्लाकों में स्वावलम्बन कैम्प आयोजित किये जायेंगें।

साक्षात्कार के माध्यम से होगा अभ्यर्थियों का चयन

बहराइच । उपायुक्त उद्योग मोहन कुमार शर्मा ने बताया कि विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना वर्ष 2022-23 के अन्तर्गत बढई, दर्जी, कुम्हार, राजमिस्त्री, हलवाई ट्रेड के लिए आनलाइन आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों के चयन हेतु साक्षात्कार की तिथियॉ निर्धारित कर दी गयी हैं। श्री शर्मा ने बताया कि बढई, कुम्हार, राजमिस्त्री, हलवाई ट्रेड के लिए 10 मई 2022 को तथा दर्जी ट्रेड के लिए 11 मई 2022 को पूर्वान्ह 11:00 बजे से जिला उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन केन्द्र, बहराइच में साक्षात्कार सम्पन्न होगा। श्री शर्मा ने बताया कि साक्षात्कार के समय अपने समस्त मूल दस्तावेजों के साथ ऑनलाइन आवेदन पत्र, आधार, जाति प्रमाण पत्र, बैंक पासबुक, एक फोटो, प्रधान एवं नगर पालिका अध्यक्ष, नगर पंचायत अध्यक्ष, सदस्य द्वारा निर्गत पारम्परिक कारीगर होने के प्रमाण-पत्र की छायाप्रति के साथ उपस्थित होना होगा।

जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) की बैठक 14 मई को

बहराइच । जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र ने बताया कि 14 मई 2022 को मध्यान्ह 12:00 बजे से विकास भवन सभागार में सांसद कैसरगंज बृजभूषण शरण सिंह की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) की बैठक आहूत की गयी है। डीएम डॉ. चन्द्र ने सभी सम्बन्धित से ससमय बैठक में प्रतिभाग करने की अपेक्षा की है।

बैंक मित्र प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

बहराइच । इण्डियन बैंक स्व-रोजगार प्रशिक्षण संस्थान, बहराइच द्वारा 06 दिवसीय बी0सी0 सखी (बैंक मित्र) प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन मुख्य अतिथि रवीन्द्र सिंह, मण्डल प्रमुख इण्डियन बैंक बहराइच, अमित गौरव, अग्रणी जिला प्रबन्धक इण्डियन बैंक बहराइच द्वारा आशीष कुमार गुप्ता निदेशक की उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम में कुल 30 प्रशिक्षार्थियों को प्रमाण पत्र वितरण किया गया। मुख्य अतिथि ने महिलाओं को प्रशिक्षण प्राप्त कर बी0सी0 केन्द्र स्थापित करने एवं वित्तीय सुविधा का लाभ जन-जन पहुचाने के लिये प्रेरित किया। उन्होने कहा इससे आप लोग आत्म निर्भर बनेगी साथ-साथ अपने-अपने ग्राम पंचायतों में वित्तीय समावेशन का लक्ष्य प्राप्त कर देश के विकास में भी योगदान करेगी। उन्होंने अपने कर कमलों द्वारा प्रशिक्षण का सहभागिता प्रमाण पत्र भी वितरित किया। कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाली महिलाओं को एक ग्राम पंचायत एक बी0सी0 के अर्न्तगत राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के द्वारा प्रशिक्षण के लिये भेजा गया था। सभी महिलाएं विभिन्न ब्लाक के अर्न्तगत विभिन्न समूहों से जुडी हुई है।

बीडीओ ने किया पीएम आवास व मनरेगा कार्यों का निरीक्षण

मितौली-खीरी। विकासखंड मितौली की ग्राम पंचायत पिपरझला में विभिन्न योजनाओं का स्थलीय निरीक्षण करते हुए खंड विकास अधिकारी मितौली चंदन देव पान्डे ने प्रधानमंत्री आवास एवं मनरेगा के कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया गया। ग्राम पंचायत मोहम्मदपुर नगरा के ग्राम गढ़ी इब्राहिम पुर में अमृत सरोवर का चयन किया गया। प्रधानमंत्री आवासों मनरेगा के कार्यो का निरीक्षण करते हुए खंड विकास अधिकारी मितौली चंदन पांडे ने पंचायत सचिव से कहा कि आवस अधूरे हैं उन्हें जल्द पूर्ण कराएं। महात्मा गांधी गारंटी रोजगार योजना, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना से चल रहे कार्य का स्थलीय निरीक्षण भी किया गया और कहा कि मानक का विशेष रुप से ध्यान रखते हुए कार्य कराया जाए कार्य में किसी प्रकार की कमी या सिथिलता पाई जाती है उसे किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

आरबीएसके संघ की जिला कार्यकारिणी का हुआ गठन

लखीमपुर-खीरी। उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत जिला कार्यकारिणी के गठन किया गया। बैठक का आयोजन एएनएम ट्रेनिंग सेंटर में संपन्न हुआ। इस कार्यकारिणी का गठन राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम कर्मचारी संघ उत्तर प्रदेश के प्रदेश प्रवक्ता अभिषेक शुक्ला और आयुष संघ के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य डॉ. निमेष शुक्ला की अगुवाई में हुआ। जिसमें डॉ अभिमन्यु सिंह अध्यक्ष, डॉ. अनिल वर्मा वरिष्ठ उपाध्यक्ष, शरद वर्मा उपाध्यक्ष, अतेंद्र मिश्रा महामंत्री, सुनीत बाजपेई मंत्री, सचिन मिश्रा संगठन मंत्री, राघवेंद्र मिश्रा कोषाध्यक्ष, आमिर हयात सहा संगठन मंत्री, मीडिया प्रभारी अंचल वर्मा, जितेंद्र श्रीवास्तव सह मीडिया प्रभारी, रमेश कुमार शाह मंत्री, डॉ. दीपिका संगठन मंत्री, डॉ. नीलू को सह संगठन मंत्री मनोनीत किया गया। इसके अलावा कार्यकारिणी सदस्य के रूप में डॉ. बीपी सिंह, डॉ. विभा सिंह, डॉ. विकास गिरी, डॉ. धर्मेंद्र, डॉ. संत शरण सरताज, डॉ. तनवीर तथा मोहम्मद दानिश को मनोनीत किया गया। इसके साथ ही संरक्षक के रूप में अमित खरे एवं डॉ पुनीत शुक्ला को मनोनीत किया गया।

विधायक द्वारा पालीटेक्निक के छात्र-छात्राओं को वितरण किया गया लैपटाप/स्मार्टफोन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बहराइच। प्रदेश के युवाओं के तकनीकी सशक्तिकरण हेतु प्रदेश सरकार द्वारा संचालित लैपटाप/स्मार्टफोन वितरण योजना के तहत राजकीय पालीटेक्निक मोहम्मदपुर में रविवार को स्मार्टफोन, टैबलेट वितरण समारोह में शासन द्वारा नामित मुख्य अतिथि विधायक नानपारा राम निवास वर्मा द्वारा संस्था के अन्तिम वर्ष के छात्र-छात्राओं को टैबलेट का वितरण किया गया। मुख्य अतिथि का स्वागत एवं सम्मान पालीटेक्निक

टेबलेट पाकर छात्र-छात्राओं के खिले चेहर

के प्रधानाचार्य सुरेन्द्र पाल जी द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि विधायक श्री वर्मा द्वारा उपस्थित छात्र-छात्राओं को सरकार द्वारा संचालित तकनीकी योजनाओं एवं अन्य योजनाओं के बारे में जानकारी प्रदान की गई। उन्होने स्किल डेवलपमेन्ट की महत्ता पर भी प्रकाश डाला गया। साथ ही संस्था में नई ब्रान्च खोलने के लिये प्रधानाचार्य को प्रस्ताव तैयार करने हेतु सुझाव दिया। उन्होंने पालीटेक्निक के अपूर्ण परियोजनाओं को पूर्ण कराये जाने के सम्बन्ध में भी आवश्वासन दिया। कार्यक्रम को विशिष्ट अतिथि ओम प्रकाश पटेल ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में कोर्डिनेटर अमित रंजन, प्रदीप कुमार सिंह, गौरव कुमार मिश्रा, शरद कुमार, श्रीमती निशा शर्मा, अभय प्रताप सिंह, राम सिंह, मनोज कुमार पटेल, गौरव कुमार कश्यप, विनय कुमार, शिव कुमार वर्मा, राजेश कुमार यादव एवं अन्य स्टाफ का विशेष योगदान रहा।

सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता पद के लिए आवेदन आमंत्रित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बहराइच । जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र ने बताया कि जनपद में सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता (फौजदारी) के 01 रिक्त पद के सापेक्ष विधि परामर्शी निदेशिका के प्रस्तर संख्या-7.03 में दिये गये प्राविधानों के अन्तर्गत पैनल गठित कर शासन को उपलब्ध कराया जाना है। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता (फौजदारी) के पद पर ऐसे अधिवक्ताओं के आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है, जिन्होंने विधि व्यवसाय में कम से कम 07 वर्ष का अनुभव पूर्ण कर लिया है। डीएम डॉ. चन्द्र ने बताया कि उक्त पद पर कार्य करने हेतु इच्छुक सामान्य वर्ग, पिछड़े वर्ग एवं अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के अधिवक्ता, जो पद से सम्बन्धित योग्यता रखते हों, अपना आवेदन पत्र एवं संलग्न प्रारूप क, ख तथा समस्त सत्यापित विवरण/प्रमाण पत्रों सहित दो प्रतियों में अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में दिनांक

सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता पद के लिए आवेदन आमंत्रित

27.05.2022 तक किसी भी कार्यालय दिवस में अपरान्ह 500 बजे तक प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अन्तिम तिथि के उपरान्त अथवा अपूर्ण/त्रुटिपूर्ण प्राप्त प्रार्थना पत्रों पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। डीएम डॉ. चन्द्र ने बताया कि उक्त पद की नियुक्ति निर्धारित अवधि के लिए व्यवसायिक आबद्धता के रूप में की जायेगी और राज्य सरकार को किसी भी समय बिना कोई कारण बताये आबद्धता समाप्त करने का अधिकार होगा। सीमावर्ती जनपदों के अधिवक्ता भी सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता (फौजदारी) के उपरोक्त पद के लिए अपने जनपद के जिलाधिकारी के माध्यम से आवेदन पत्र निर्धारित अवधि के अन्दर भेज सकते हैं। आवेदन-पत्र का प्रारूप कलेक्ट्रेट के जे.ए. पटल सहायक से प्राप्त किया जा सकता है।

डीएम कैंपस का कायाकल्प शुरू, रंगने लगी दीवारें

लखीमपुर-खीरी। खीरी में कलेक्ट्रेट कैंपस के दिन जल्द ही बहुरेंगे। सोमवार को डीएम महेंद्र बहादुर सिंह अपने दफ्तर जा रहे थे, इसी बीच कलेक्ट्रेट के पीछे गेट के निकट उपभोक्ता फोरम दफ्तर के निकट खाली पड़ी जमीन पर पड़ी। डीएम का अचानक काफिला रुका। डीएम ने कलेक्ट्रेट में मौजूद एसडीएम रेनू व अनुराग सिंह को बुलवाया और निर्देश दिए कि अपनी देखरेख में खाली पड़ी भूमि को सजाया-संवारा जाए, जिसे वह स्वयं देखेंगे। डीएम ने निर्देश दिए कि इस स्थल पर जो भी ऑप्टिकल फाइबर के तार तितर-बितर हैं उन्हें सलीके से खंभों के जरिए ले जाया जाए। डीएम का निर्देश मिलते ही अफसर हरकत में आ गए। डीएम द्वारा चयनित स्थल पर जेसीबी व अन्य जरूरी गाड़ियां पहुंच गई, काम शुरू हुआ। उस स्थान पर पड़ी गंदगी व झाड़ झंकार को न केवल साफ किया गया बल्कि जेसीबी के जरिए मिट्टी लेवलिंग का भी काम प्रगति पर है। वहीं डीएम के निर्देश पर कलेक्ट्रेट की दीवारों का भी रंग रोगन किया जाने लगा।

सत्य क्रांति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने महाराणा प्रताप के प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोरखपुर । महाराणा प्रताप की जयंती पर सत्य क्रांति पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नन्दा सिंह चौहान, ने अपने दर्जनों समर्थको के साथ रेलवे स्टेशन के सामने स्थित महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हे भावभीनी श्रद्धांजलि दिया।इस अवसर पर सत्य क्रांति पार्टी के संस्थापक बीएन सिंह , राष्ट्रीय प्रभारी अमरनाथ सिंह, कार्यालय प्रभारी मुन्ना यादव, युवा नेता आरएन सिंह, राष्ट्रीय महासचिव कालिका सिंह, अभय सिंह मंडल उपाध्यक्ष, मोहम्मद शाहिद प्रदेश अध्यक्ष, ओंकार सिंह राणा संगठन मंत्री, अजीत सिंह मंडल अध्यक्ष, एवं पार्टी के तमाम कार्यकर्ता उपस्थित रहे । यह जानकारी सत्य क्रांति पार्टी के पादरी बाजार स्थित केंद्रीय कार्यालय से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नंदा सिंह ने स्वयं दिया।

डीएम के गोद लिए विद्यालय को सवारने में जुटी अल्पना, झोंकी ताकत

❐ शैक्षिक गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए अध्यापक की भूमिका में आई आकांक्षा चीफ अल्पना

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखीमपुर-खीरी। विद्यालय विकास व गुणवत्तायुक्त शिक्षा की मुहिम संविलियन विद्यालय सदर में इनदिनों तेजी पकड़ रही। विद्यालय को डीएम महेंद्र बहादुर सिंह के गोद लेने के बाद से ही इसे सजाने, संवारने व खूबसूरती की छटा बिखेरने का जिम्मा आकांक्षा अध्यक्ष अल्पना सिंह ने अपने कंधों पर उठाया, जिसमें वह पूरी जी जान से जुटी है। सोमवार को डीएम की धर्मपत्नी एवं जिला आकांक्षा समिति अध्यक्ष अल्पना सिंह ने नगर क्षेत्र के संविलियन विद्यालय सदर पहुंची, जहां उन्होंने विद्यालय की स्वच्छता व शिक्षण व्यवस्था को परखा। यही नहीं उन्होंने अध्यापक की भूमिका में बच्चों की क्लास ली। कक्षाओं में बच्चों से सवाल कर उनका अधिगम स्तर जाना व उन्हें पढ़ाई को लेकर टिप्स भी दिए। विद्यालय की स्वच्छता व्यवस्था की बावत स्टाफ को निर्देश दिए। बच्चों से सवाल पूंछे। सही जवाब मिलने पर बच्चों की जमकर तारीफ की, टाफियां बांटी। बच्चों ने उन्होंने गीत-कहानियाँ भी सुनी। श्रीमती सिंह ने बच्चों को खेल-खेल में नैतिक मूल्यों की बातें समझाई। उन्होंने डीएम के गोद लिए जाने के बाद विद्यालय में किए गए कार्यों की समीक्षा की एवं किये कार्य की सराहना की, अन्य कार्यों के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश भी दिए।

अल्पना ने बच्चों के संग चखा मिड डे मील

जिला आकांक्षा समिति के अध्यक्ष अल्पना सिंह ने विद्यालय में बच्चों के लिए बनने वाले मिड डे मील को न केवल चखा बल्कि अपने सामने उन्हें भोजन कराया। उन्होंने निर्देश दिए कि बच्चों को आज की भांति नियमित तय रोस्टर से पौष्टिक एवं गुणवत्तायुक्त भोजन परोसा जाए। जिसका वह कभी भी औचक रूप से देखेंगी।

वाहन चोर गैंग के तीन सक्रिय सदस्य पुलिस की गिरफ्त में

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोरखपुर। कैंट पुलिस ने कार्मल रोड तिराहा पर चेकिंग के दौरान एक पल्सर पर सवार 3 लोगो को रोका और उनसे पूछताछ कर गाड़ी के कागजात मांगे।लेकिन उन लोगो के पास कोई कागज नहीं था कड़ाई से पूछताछ में इन लोगों के द्वारा पता चला कि यह वाहन चोर गैंग के सदस्य हैं और भीड़भाड़ वाले जगहों से गाड़ी को चुराकर सुनसान जगह पर रख देते थे।बाद में सही समय पर ग्राहक मिलने पर वाहनों को बेच दिया करते थे।फिर उसका पैसा आपस में बाट लेते थे।फिर उसी पैसे से अपना शौक को पूरा करते थे।इनकी निशानदेही पर पुलिस ने चोरी किए हुए 4 मोटरसाइकिल बरामद किया है। जिनमें एक बजाज पल्सर,एक हीरो होंडा स्प्लेंडर, हीरो एचएफ डीलक्स के अलावा एक एक्टिवा गाड़ी बरामद किया है पूछताछ में इन लोगों ने बताया कि यह भीड़ भाड़ वाले जगहों से वाहनों की चोरी किया करते थे पल्सर गाड़ी को इन लोगों ने बारामनगर करजहा से 1 महीने पहले चोरी किया था इसके अलावा एक वाहन के चोरी का मुकदमा खोराबार थाने में पहले से दर्ज है बाकी दो वाहनों के बारे में पुलिस पूछताछ कर रही है चोरी के वाहनों को यह लोग एक्सीडेंटल अस्पताल के बगल में बने झोपड़पट्टी के पीछे छिपा कर रख देते थे और ग्राहक के मिलने पर गाड़ियों को वहां से निकाल कर बेच देते थे।गिरफ्तार अभियुक्त सोनू कुमार डोम पुत्र मिंटू डोम जो कैंट थाना क्षेत्र का रहने वाला है यह पहले भी चोरी के मामले में जेल जा चुका है। बाकी दो आरोपियों के बारे में पुलिस से जानकारी कर रही और उनके अन्य साथियों के बारे में जानकारी हासिल करने में लगी हुई है।फिलहाल कैंट पुलिस को बड़ी सफलता मिली और पुलिस ने इन चोरों की निशानदेही पर चोरी के चार मोटरसाइकिल बरामद किया है।क्षेत्राधिकारी कैंट श्याम देव बिंद ने प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि कैंट पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान ऐसे 3 शातिर वाहन चोर जिनमे सोनू कुमार डोम,अविनाश कुमार डोम और सुहैल हासमी को गिरफ्तार किया है। जो भीड़भाड़ वाले जगहों से दोपहिया वाहनों को चोरी करते थे।और पर्स भी लेकर भाग जाते थे इनमें से एक आरोपी पहले भी चोरी की घटना में जेल जा चुका है बाकी आरोपियों के बारे में पूछताछ चल रही है।

माध्यमिक शिक्षक संघ के पदाधिकारियों ने एडीआईओएस को सौंपा ज्ञापन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुल्तानपुर। उत्तर प्रदेश मायमिक शिक्षक संघ(ठकुराई गुट)के जिलायक्ष शिवनंदन यादव और जिला मंत्री ड अजय कुमार सिंह के नेतृत्व में शिक्षकों का एक प्रतिनिधि मंडल शिक्षक की पुरानी पेंशन बहाली, पुरानी पेंशन बहाल करने तक नई पेंशन को शासनादेश के अनुसार नियोक्ता अंशदान व व्याज शिक्षकों के खातों में अतिशीघ्र निवेश, एनपीएस खाते से अग्रिम निकासी की सुविधा केंद्र के समान 1 अप्रैल 2005 के पूर्व चयनित किन्तु बाद में नियुक्त किये गए शिक्षकों को पुरानी पेंशन योजना से आच्छादित करने, अनलाइन स्थानांतरण की विसंगतियों के दूर किये जाने तक अफ लाइन स्थानान्तरण व्यवस्था चालू करने, राज्य कर्मचारियों की भांति वैश्लेश चिकित्सा व्यवस्था, वर्ष 2014 से नियुक्त शिक्षक एवं कर्मचारियों की सामूहिक बीमा कटौती आरम्भ किये जाने, भ्रष्टाचार रोकने हेतु ई-फाइलिंग व्यवस्था, कम्प्यूटर शिक्षकों की नियुक्ति, वित्तविहीन विद्यालयों के शिक्षकों को समान वेतन व सेवा सुरक्षा प्रदान करना, प्राानाचार्य और प्राानायापक की भर्ती बोर्ड द्वारा लिखित परीक्षा से कराया जाना जैसे 14 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन एडीआईओएस राम जियावन मौर्य के मायम से मुख्यमंत्री को प्रेषित किया गया। प्रतिनिधि मंडल ने लेखाधिकारी अमित कुमार मिश्र से एनपीएस संदर्भ में वार्ता हुई और लेखाधिकारी ने आश्वस्त करते हुए कहा की एनपीएस की समस्या का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित निस्तारण किया जाएगा। इस मौके पर मनोज वर्मा, सुजीत कुमार यादव, पवन कुमार, राज बहादुर, सुनील भारती, रमेश वर्मा, ओम प्रकाश यादव, प्रदीप कुमार, राम दीप एहते राम हुसैन, विजय भारती आदि शिक्षक उपस्थित रहे।

ब्लक प्रमुख समेत तीन पर मुकदमा दर्ज

सुल्तानपुर। बाहुबली ब्लक प्रमुख उसके गनर व एक अन्य पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। आरोप है कि जब पीड़ित अपनी जमीन निर्माण कार्य करा रहा था उसी समय ब्लक प्रमुख व उसके समर्थक वहां पहुंचे और पीड़ित को मारा पीटा व पिस्टल सटाकर जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस अब केस दर्जकर मामले की विवेचना कर रही है। जानकारी के अनुसार घटना जिले के नपतगंज थाना क्षेत्र के मायंग गांव की है। गांव निवासी अरुण गुप्ता पुत्र मंगरूने पुलिस में शिकायत की है। उसका आरोप है कि रविवार को जब वो गांव में अपनी जमीन पर निर्माण कार्य करवा रहा था उसी समय ब्लक प्रमुख यशभद्र सिंह मोनू वहां पहुंचे और उसे मारने लगे। आरोप यह भी है कि जब तक प्रार्थी कुछ समझ पाता ब्लक प्रमुख का गनर निक्कू सिंह पुत्र बब्बन सिंह व रवि सिंह उर्फ कट्टू पुत्र अमरीश सिंह दोनों ने पीड़ित के सिर पर पिस्टल तानकर उसे जान से मारने की धमकी दिया। पीड़ित अरुण गुप्ता का कहना है कि सभी ने धमकी दी कि अगर जमीन पर निर्माण कराओगे तो तुमको और तुम्हारे परिवार को जान से मार डालेंगे। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि यशभद्र सिंह दबंग किस्म के व्यक्ति हैं और उनके खिलाफ कोई गवाही देने को तैयार नह है। इस आशय के साथ मिली तहरीर के आधार पर पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज का आगे की विधि कार्रवाई शुरूकर दिया है।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह में 150 जोड़ों की होगी शादी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूँ। जिला समाज कल्याण अधिकारी राम जनम ने अवगत कराया है कि समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित उ0प्र0 सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह' योजनान्तर्गत जनपद को कुल 150 जोड़ों का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। जनपद के पात्र लाभार्थियों से अपील की जाती है कि वह विवाह हेतु आवेदन समस्त औपचारिकतायें पूर्ण कर सम्बन्धित विकास खण्ड/नगर निकाय में जमा करना सुनिश्चित करें। विवाह स्थल एवं तिथि का निर्धारण जिला स्तरीय समिति की बैठक में शीघ्र किया जायेगा,जिसकी जानकारी भी शीघ्र उपलब्ध करा दी जायेगी।

योजना का उद्देश्य है गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले समाज के ऐसे जरुरतमंद,निराश्रित एवं निर्धन परिवारों की विवाह योग्य कन्याओं के विवाह हेतु आर्थिक सहायता उपलब्ध कराते हुए उनकी रीति रिवाज के अनुसार विवाह सम्पन्न कराकर सर्वधर्म समभाव एवं सामाजिक समरसता तथा दहेज मुक्त विवाह का संदेश दिया जायेगा।

योजना की पात्रता के लिए ज़रूरी है कि कन्या के अभिभावक उ0प्र0 के मूल निवासी हो। कन्या के अभिभावक निराश्रित,निर्धन एवं जरुरतमंद हों। आवेदक के परिवार की वार्षिक आय सीमा रु0 2.00 लाख तक निर्धारित की गयी है अथ्वा जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा यह निर्णय लिया गया हो कि लाभार्थी की स्थिति नितांत दयनीय हो। विवाह हेतु किये गये आवेदन में पुत्री/कन्या की आयु शादी की तिथि को 18 वर्ष तथा वर की आयु 21 वर्ष या उससे अधिक होना अनिवार्य है।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत प्रति जोड़ा व्यय हेतु कुल धनराशि रु0 51000/-निर्धारित की गयी है,जिसमें रु0 35000/- की धनराशि कन्या के खाते में रु0 10000/-की धनराशि विवाह संस्कार के लिए आवश्यक सामग्री जैसे-कपड़े,गहने एवं 07 वर्तन हेतु तथा रु0 6000/-की धनराशि विवाह आयोजन की व्यवस्थाओं/अतिथितियों के स्वागत सत्कार हेतु निर्धारित की गयी है।

महिलाओं ने मातृ दिवस बड़े ही धूमधाम से मनाया

पूरनपुर।संगीता सिंघल व विधायक अर्धांगिनी ने मनाया मातृत्व दिवस जागृति गृहणी तिनिश के तत्वाधान मे संगीता सिंघल के निवास पर मातृत्व दिवस पर विधायक बाबूराम पासवान पत्नी ने माँ सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित कर सरस्वती वन्दना कर पूरनपुर की नारिशक्ति एवं पूरनपुर विधानसभा की जनता को धन्यवाद किया और कहा कि नारिशक्ति भी देशहित के लिये सदैव आगे बढ़कर निकलती रही है संगीता सिंघल ने हमेशा मुझे प्रोत्साहन दिया है आगे भी मैं जागृति के साथ रहूंगी। और दीदी सबका इसी तरह से मार्गदर्शन करती रहें और पूरनपुर की मातृ शक्ति को आशीर्वाद स्वरुप शक्ति मिलती रहे। उन्होंने बताया कि उनको विश्वास है कि संगीता जी द्वारा बताये गए मार्ग पर चलकर हम सभी समाज हित में बहुत से कार्य कर सकेंगे और पूरनपुर समाज को एक नया आयाम देंगे। इसके साथ ही उन्होंने पूरनपुर की महिलाओं का आवाहन करते हुए कहा कि संगठन में शक्ति है और अधिक से अधिक महिलाओं को पूरनपुर की सेवा में आगे आना चाहिए आप सभी महिलाओं को कुशल नेतृत्व प्रदान करें ऐसी कामनाओं के साथ ढेर सारी शुभकामनायें दी इस अवसर पर मंजू,संगीता सिंघल, प्रवेश महाजन, कांति,खंडेलवाल ,मधु खंडेलवाल निर्मला सिंघल, वर्षा, उमा शर्मा रेनू ,खुराना सहित कई महिलाये मौजूद रही ।

खबर चलाना पत्रकार को पड़ा महंगा, एफआईआर दर्ज

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीड़ित पत्रकार ने पीएम व सीएम से की शिकायत

सुल्तानपुर। स्कूल प्रबांक के फर्जीबाड़े की खबर चैनल पर प्रकाशित करना पत्रकार को महंगा पड़ गया है। इस मामले में स्कूल के प्रबांक ने पत्रकार के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया है। पत्रकार का कहना है कि उसके खिलाफ की गई साजिश में कुछ पत्रकार भी शामिल हैं। फिलहाल पीड़ित ने पीएम-सीएम व उच्च पुलिस अधिकारियों से शिकायत कर न्याय मांगा है। जानकारी के अनुसार कोतवाली नगर के सिविल लाइन पारकीसगंज निवासी संतोष कुमार पांडेय पेशे से अधिवक्ता और एक चैनल के पत्रकार हैं। उनका आरोप है कि रामरती सिंह उच्चतर महाविद्यालय लंभुआ के प्रबांक संतोष कुमार सिंह ने षडयंत्र रचकर उन्हें फंसाने का प्रयास कर रहे हैं। संतोष के अनुसार प्रबांक संतोष कुमार सिंह ने फर्जीबाड़ा कर स्कूल के नाम पर करोड़ों का गबन किया था। जिसकी खबर उन्होंने अपने चैनल पर प्रकाशित किया था। तत्कालीन डीएम इंदुमती ने 5 सदस्यीय टीम गठित कर इनके खिलाफ जांच कराकर एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया था। उन्होंने बताया कि इस वजह से प्रबांक मुझसे इर्ष्या व द्वेष रखने लगे और कुछ पत्रकारों को मिलाकर वो कूटरचित तरीके से मेरे खिलाफ अक्सर षडयंत्र करते रहते हैं। इसी उददेश्य इन लोगों ने प्रबांक संतोष कुमार सिंह रामरती सिंह उच्चतर महाविद्यालय लम्भुआ को मिलाकर मेरे द्वारा दिये जा रहे वाकथू जिसमे मैं अपने चैनल की आईडी लेकर खबर रिकार्ड कर रहा था। उसको किसी दूसरे न्यूज प्रोटल पी-6 जिसका न तो मैं संवाददाता हूं और न ही रिपोर्टर खबर उस पर चला कर मुझे बदनाम करने के उददेश्य से मेरे ऊपर फर्जी मुकदमा दर्ज कराया। उसके बाद मेरे खिलाफ अंजान व्यक्ति द्वारा कोतवाली नगर में मुअस-611/21 दर्ज कर दिया। जिसकी पैरवी कुछ पत्रकार व प्रबांक संतोष कुमार सिंह द्वारा करके उसमें चार्जशीट लगवाया गया। बिना मेरे किसी बयान के चार्जशीट लगा भी दी गई। संतोष ने यह भी आरोप लगाया कि प्रबांक संतोष कुमार सिंह ने अपने एक व्हाटशप चैट पर लिखा कि मेरे खिलाफ दुष्प्रचार करने वाले पत्रकार संतोष पांडेय के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करवाकर चार्जशीट भी लगवा दिया। जैसे को तैसा करने में विश्वास करता हूं।

ओपीडी में नहीं बैठती ऑडियोलॉजिस्ट मरीज घंटों इंतजार करके रहे लौटे

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूं। जिला अस्पताल में ऑडियोलॉ जिस्ट ओपीडी में हमेशा देर से आती हैं मरीज घंटो इंतजार करके घर वापस लौट जाते हैं।सोमवार को एक बीजेपी के नेता ने सीएमओ को फोन किया था की ऑडियोलॉजिस्ट ओपीडी में नहीं है।मुझे अपने मरीज की कानों की ध्वनि चेक करना है।फिर सीएमओ ने ऑडियोलॉजिस्ट को फोन किया तब जाकर वह ओपीडी में पहुचीं एक मरीज देख कर फिर वहां से गायब हो गई।जबकि सप्ताह में छह दिन ओपीडी होती हैं।जबकि सीएमओ के द्वारा बताया गया था कि चार दिन बरेली दो दिन बदायूं में आने का रोस्टर बना हुआ हैं लेकिन ओपीडी के बाहर कोई रोस्टर चस्पा नही किया गया है।जबकि एडी हेल्थ के आदेश में ऐसा कुछ नहीं हैं कि दो दिन बदायूं चार दिन बरेली ओपीडी करना है।जिससे दूरदराज से आने वाले मरीज घंटो इंतजार करने के बाद घर वापस लौट जाते हैं।ऑडियोमेट्री टेस्ट कराने वाले मरीज काफी संख्या में प्रतिदिन ओपीडी के कमरा नं 14 में ऑडियोमेट्री कराने आते हैं।

ऑडियोलॉजिस्ट की क्या है जरुरत

ऑडियोलॉजिस्ट का काम है कानों की ऑडियोमेट्री करना इसका मतलब है।व्यक्ति के कानों की ध्वनि को चेक करना जो सुनने की क्षमता को जानने के लिए किए जाने वाला एक हियरिंग टेस्ट होता हैं।जिसके लिए ऑडियोमेट्री कहते हैं इससे व्यक्ति के कानों की आवाज की तीव्रता का पता लगाया जाता हैं इसे मेडिकल की भाषा मे इसे ऑडियोमेट्री कहते हैं।ऑडियोमेट्री के काफी मरीज टीवी क्लीनिक विभाग से प्रतिदिन आते हैं।जो बहुत गरीब होतें हैं और किराया खर्च करके दूर-दूर गांव से आते हैं जब ऑडियोलॉजिस्ट ओपीडी में नहीं मिलती हैं तो मरीज मायूस होकर अपने गांव बैरंग लौट जाते हैं। वंदना पत्नी संजीव निवासी भमोरी,सहसवान का कहना हम दूर से आते हैं लेकिन ऑडियोलॉजिस्ट के न मिलने से हमारी कानों की आवाज चेक नही हो पा रही हैं। उर्मिला पत्नी रामकिशन निवासी दातागंज ने बताया कि हमारे कानों में कम सुनाई देता है ।हमे अपने कानों के लिए दिखना हैं मगर क्या करें रोज आते हैं लेकिन ऑडियोलॉजिस्ट नहीं मिलती हैं तो घर वापस लौटना पड़ता हैं। सीएमओ प्रदीप वार्ष्णेय ने बताया कि मेरे पास भी एक मरीज का फोन आया था।मैंने ऑडियोलॉजिस्ट के लिए फोन किया था उसके बाद वह ओपीडी में पहुंची थीं।

धूमधाम से मनाई गई महाराणा प्रताप की जयंती

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बल्दीराय/सुल्तानपुर। बल्दीराय तहसील क्षेत्र के तिरहुत बाजार में सिसोदिया राजपूतो ने आज महाराणा प्रताप की जयंती धूमधाम से मनाई। जयंती कार्यक्रम में सिसोदिया राजपूतो ने महाराणा प्रताप के चित्र पर माला अर्पण कर उनकी जयंती मनाई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सिसोदिया समाज के समाजसेवी राम प्रताप सिंह ने कहा कि महाराणा प्रताप एक महान योद्धा के साथ साथ हिंदुस्तान की मातु भूमि के रक्षक भक्त भी थे। जिन्होंने मात्रा भूमि की रक्षा के लिए घास की रोटी खाना स्वीकार कर लिया लेकिन दुस्मनो के आगे नतमस्तक नह हुए, उन्होंने कहा कि आज महाराणा प्रताप की 481 जंयत्री है पूरे देश में आज महाराणा प्रताप की जयंती मनाई जा रही है र्म और स्वाधीनता के लिए बलिदानी हुए महाराणा प्रताप सिंह का नाम इतिहास के पन्नों में सदैव अमर रहेगा। इस अवसर पर कुंवर अंकुश सिंह, डक्टर प्रभंजन सिंह, मृत्युंजय सिंह, कर्मवीर सिंह, मंगल सिंह जैन, मेजर सिंह, जयसिंह सहित क्षेत्र के बड़ी संख्या में गणमन नागरिक उपस्थित रहे।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने फीता काटकर पुस्तकालय किया उद्घाटन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूं।दातागंज तहसील के गांव बसेला में सचिवालय का जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ महेंद्र प्रताप सिंह के कर कमलों द्वारा पुस्तकालय का फीता काटकर उद्घघाटन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राथमिक विद्यालय बसेला के बच्चों द्वारा मां सरस्वती की वंदना प्रस्तुति की गई।साथ ही मातृ दिवस के उपलक्ष्य में प्राथमिक विद्यालय बसेला के बच्चों ने गीत प्रस्तुत किया बंधन तो प्यार का बंधन हैं मां की ममता को वयां किया। उद्घाटन समारोह में विशिष्ट अतिथि मुकेश कमल भारती द्वारा पुस्तकालय के सफल संचालन हेतु 11सौ रुपये पुरुस्कार दिया। डॉ महेंद्र प्रताप सिंह द्वारा बच्चों की प्रतिभा देखते हुए उन्हें पुरस्कृत किया गया।इसी क्रम में ग्राम प्रधान जयश्री भारती द्वारा बच्चों को पांच सै रुपये उपहार स्वरूप भेंट किये। कार्यक्रम का समापन जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा आशीष वचन देते हुए किया गया। उसके बाद प्राथमिक विद्यालय बसेला का निरीक्षण किया गया जिसमें नवीन पुस्तकालय को देखकर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की साथ ही विद्यालय को और अच्छा बनाने के लिए शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में एआरपी दातागंज फरहत हुसैन, राहुल चौधरी, सुखदेश ,मनवीर सिंह, चंद्रवीर ,इंचार्ज प्रधानाध्यापक पवन भारती समस्त संकुल शिक्षक न्याय पंचायत बसेला व ग्राम वासी उपस्थित रहे।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा जिला कार्यकारिणी की बैठक सम्पन्न

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुल्तानपुर। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा की जिला पदाधिकारियों की आज एक आवश्यक बैठक जिलायक्ष अज़ादार हुसैन की अयक्षता में पयागीपुर स्थित जिला कार्यालय पर सम्पन्न हुई। बैठक में शासन प्रशासन द्वारा अल्पसंख्यक हितार्थ चलाई जा रही योजनाओं, माइन्रे डोनेशन सहित कई योजनाओं के अल्पसंख्यक समुदाय के मय प्रचार प्रसार हेतु चर्चा हुई। बैठक में आगामी कार्यक्रमों को लेकर बात हुई। जिलायक्ष अज़ादार हुसैन ने कहा कि जनपद के सभी मंडलों में अल्पसंख्यक मोर्चे को ऊर्जा प्रदान करने के लिए तिथिवार बैठक की जाएगी। उन्होंने सभी जनपदीय पदाधिकारियों को मंडलवार जिम्मेदारी सौंपते हुए कहा कि प्रत्येक मंडल में मंडल अयक्ष से सम्पर्क बनाकर कार्यक्रम तय कर मंडल मोर्चे में ऊर्जा का संचार करें। बैठक में मुख्य रूप से जिलायक्ष अज़ादार हुसैन, महामंत्री दावर खान, उपायक्ष कलीम खान, मारूफ खान, नौशाद अली, आफाक अहमद, जुबेर खान, शमीम अहमद, रहमान अंसारी, आले नबी, बंशराज सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पर्यावरणीय स्वीकृति के लिए हुई लोक सुनवाई

बदायूँ। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व संतोष कुमार वैश्य ने शिकायतकर्ताओं की शिकायतों को सुनकर सम्बंधित अधिकारियों को निस्तारण करने के लिए सोमवार को कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में सुनवाई के दौरान निर्देश दिए हैं। उन्होंने यहां आए लोगों से पर्यावरण बचाने के सम्बंध में भी विचार किया गया। उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड परियोजना की कार्यदायी संस्था मै0 उ0प्र0 एक्सप्रेस इण्डस्ट्रीयल डेवलपमेंट अथोरिटी(यूपीडा) द्वारा मेरठ से प्रयागराज तक गंगा एक्सप्रेस का प्रस्तावित एक्सेस कंट्रोल्ड ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस वे परियोजना (सीएच7त्त900) से सीएच 601त्त847 कि0मी0) कुल लम्बाई 593.947 कि0मी0 हाईवे को विकसित किया जाना है। गंगा एक्सप्रेस वे जनपद की चार तहसीलों के 85 गांव से होकर 90.3 कि0मी तक गुज़र रहा है। इस अवसर पर पर्यावरण बोर्ड के अधिकारी एवं शिकायतकर्ता मौजूद रहे।

क्लब के सदस्यों ने किया वृक्षारोपण

पूरनपुर। इनरव्हील क्लब ऑफ ग्लोरी ने मदर्स डे मनाया एवं अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया क्लब की चार्टर प्रेसिडेंट सलोनी गुप्ता ने वृक्षारोपण का कार्यक्रम भी किया क्लब के सभी सदस्यों ने एक- एक पेड़ लगाकर हरित क्रांति का उद्देश प्रदान किया संस्था को काफी सहयोग एवं संस्था को आगे ले जाने में जेसीज स्कूल की प्रधानाचार्य एवं भसीन इंटरनेशनल की प्रधानाचार्य को सम्मानित भी किया गया कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अध्यक्ष मोनिका होरा,सचिव मिताली गुप्ता,चार्टर अध्यक्ष सलोनी गुप्ता,संपादिका कल्पना गुप्ता,आईपीपी मोनिका गुप्ता,संगीता गुप्ता,पवन गुप्ता, शशि खंडेलवाल,शिवानी खंडेलवाल,एमपी गुप्ता,प्रीति अग्रवाल,सुजाता जायसवाल,मीना रस्तोगी,निधि वर्मा,राजविंदर,सोनम गर्ग, प्रगति गुप्ता,पूनम गुप्ता,पूनम कपूर आदि सदस्य मौजूद थे।

ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि की अध्यक्षता में किसान गोष्ठी संपन्न हुई

पूरनपुर। एक दिवसीय नैनो यूरिया आधारित किसान गोष्ठी का पूरनपुर विकासखंड के सभागार में आयोजन किया गया हैं कार्यक्रम में जिला सहायक निबंधक सहकारिता,ब्लाक प्रमुख पुरनपुर,आशुतोष दीक्षित, एसडीएम पूरनपुर,खंड विकास अधिकारी पूरनपुर,कृषि विज्ञान केंद्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक,इफको क्षेत्र प्रबंधक,एसएफए पीलीभीत,इफको एमसी प्रतिनिधि पीलीभीत,एडीसीओ, एडीओ तथा सहकारी समितियों के सचिव एवं अध्यक्ष तथा लगभग 150 प्रगतिशील किसानों ने भाग लिया गोष्ठी में इफ़को नैनो तरल यूरिया के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई ।

सुरौली में सफाई व्यवस्था चरमराई

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुलतानपुर। विकास कार्यों में बड़े पैमाने पर हुए भ्रष्टाचार के बाद सुर्खियों में आई सुरौली ग्राम सभा में अब नया मामला सामने आया है। सरकार द्वारा वेतन ले रहे सफाई कर्मी प्रान के चहेतों की नालियां साफ कर रहे। वही अन्य ग्रामीण बढ़ती गर्मी में डायरिया आदि जानलेवा बीमारियों से बचने के लिए खुद ही नालियां साफ कर रहे। दरअस्ल जयसिंहपुर तहसील क्षेत्र की ग्राम सभा सुरौली में ग्राम प्रान बबिता वर्मा का कार्य भार उनके पति रमाकांत वर्मा देखते हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम सभा क्षेत्र में महीनों से साफ-सफाई न के बराबर है। सरकार द्वारा नियुक्त सफाई कर्मी या तो प्रान के आसपास का क्षेत्र साफ-सुथरा कर चमकाते हैं या फिर उनके करीबियों के घर व आसपास का इलाका। कई बार ग्रामीणों ने सफाई कर्मी से अन्य क्षेत्रों में भी सफाई व्यवस्था चरमराने की बात कही। इस पर जवाब मिला कि हम प्रान का काम करें और उनकी सुने या गांव

वालों की। सफाई करने वाले का यह भी कहना है कि अगर प्रान के अनुरूप काम नह करेंगे तो हमारी नौकरी खतरे में पड़ जाएगी। उार जब सफाई कर्मी नालियों आदि कि सफाई करने नह पहुंचे और गर्मी ने विकराल रूप ले लिया जिससे महामारी फैलने का खतरा बढ़ा तो ग्रामीणों ने अपने हाथों से ही नालियों की सफाई शुरूकर दी है। इस मामले में जिला मुख्यालय पर डीपीआरओ से शिकायत भी की गई। जिस पर उन्होंने दिखवा कर कार्रवाई की बात कही है।

नगर पालिका के नक्शे से राजस्व नक्शे का कराएं मिलान: डीएम

बदायूँ। सोमवार को कलेक्ट्रेट स्थित सभाकक्ष में जिलाधिकारी दीपा रंजन की अध्यक्षता में नगर पालिका परिषद बदायूं की माह योजना के प्रारूप की बैठक आयोजित की गई। डीएम ने नगर मजिस्ट्रेट अमित कुमार को निर्देश दिए कि नगर पालिका परिषद बदायूं के नक्शे से राजस्व नक्शे का औचक मिलान लेखपालों के माध्यम से कराएं। उन्होंने निर्देश दिए कि जो नए नक्शे में सड़कें, बाउंड्री वाल, कृषि एवं उद्योग आदि सेक्टर शामिल किए रैंडम सत्यापन अवश्य करा लिया जाए। नगर पालिका परिषद बदायूं के नक्शे का पूरे मास्टर प्लान का प्रजेंटेशन उपलब्ध कराया जाए। इस अवसर पर नगर मजिस्ट्रेट, पीडब्ल्यूडी अभियन्ता अमर सिंह एवं जल निगम अभियन्ता सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

संघठन को मजबूत करना पहली प्राथमिकता: परविन्दर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूं । पत्रकारों की सुरक्षा व उनके हितों को समर्पित उत्तर प्रदेश जर्निलस्ट्स एशोसिएशन (उपजा)की मासिक बैठक यूपीटी पर आयोजित की गई।जिसमें उपजा परिवार से जुड़े पत्रकारों ने भाग लिया।बैठक में पत्रकारों के हित एवं उनकी सुरक्षा के सम्बंध में कई महत्वपूर्ण बातें रखी गई और सदस्यता अभियान की समीक्षा की गई।बैठक की अध्यक्षता करते हुये जिलाध्यक्ष परविन्दर प्रताप सिंह ने कहा कि संगठन को मजबूत करना उनकी पहली प्राथमिकता है,हर पत्रकार साथी के सुखदुख में संघठन हमेशा तैयार रहता है।पत्रकारों पर हो रहे फर्जी मुकद्दमों पर गहरी चिंता व्यक्त की और उन्होंने पत्रकारो से अधिक से अधिक उपजा संघठन से जुड़ने का आह्वान किया

।उपजा के जिलाउपाध्यक्ष प्रदीप पाण्डेय ने कहा कि उपजा संगठन ही पत्रकारों के हित की बात करता है।उपजा के वरिष्ठ सदस्य गोविन्द सिंह राना ने कहा कि पत्रकारों में मतभेद हो सकते है लेकिन मनभेद नहीं पत्रकारों की एकता सर्वोपरि है।बैठक का संचालन जिला कार्यकारिणी सदस्य शैलेन्द्र कुमार सिंह ने किया।बैठक में मुख्य रूप से संजय सिंह गौर रजनीश कुमार, उदय यादव,सजन कुमार गुप्ता, अमित कुमार सिंह,मो.जुबैर, सोवित कुमार तोमर,आशीष सक्सेना, सुशील कुमार,मुकीम अहमद,गौरव आदि लोग मैजूद थे।

सम्पादकीय

वक्त का फैसला

देश में जिस तरह थोक व खुदरा मुद्रास्फीति लक्ष्मण रेखा पार कर रही थीं और वैश्विक स्थितियां सामान्य होती नजर नहीं आ रही हैं, उसे देखते हुए केंद्रीय बैंक से पहल की उम्मीद थी। कयास था कि जून में मौद्रिक नीति समिति की बैठक के बाद फैसला होगा। लेकिन समिति ने जिस तरह अचानक बैठक करके प्रमुख नीतिगत दरों अर्थात रेपो रेट तथा सीआरआर दर में वृद्धि की है, वह स्थिति की गंभीरता को दर्शाने वाली है। आरबीआई ने रेपो रेट में .40 फीसदी की वृद्धि करके इसे 4.4 फीसदी किया है। जाहिर है बैंकों को दिये जाने वाले उधार की दरों में वृद्धि से उपभोक्ताओं के लिये अब ऋण महंगा हो जायेगा। इसका असर देश के उस आम आदमी पर भी पड़ेगा, जो पहले ही चौतरफा महंगाई की दर से जूझ रहा है। उसके आवास व वाहनों के ऋण की ईएमआई बढ़ जायेगी। अब यह मानकर चला जाए कि सस्ते ऋण का दौर अब चला गया है। वहीं सीआरआर यानी नकद आरक्षित अनुपात में .50 फीसदी की वृद्धि की गई है, जो बढ़कर 4.5 फीसदी हो गया है। इससे बैंकों की नगदी पर असर पड़ेगा। जाहिर है केंद्रीय बैंक के इस फैसले के मूल में विश्वव्यापी मुद्रास्फीति में वृद्धि, रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते व्याप्त भू-राजनीतिक तनाव तथा कच्चे तेल की कीमतों में आई अप्रत्याशित तेजी से उपजी चुनौती से निबटने की कोशिश ही है। निस्संदेह, विषम वैश्विक हालात का गहरा असर अन्य विश्व अर्थव्यवस्थाओं की तरह भारत पर भी पड़ा है जिसके मूल में वैश्विक आपूर्ति शृंखला में आया व्यवधान भी शामिल है। लेकिन इस फैसले का असर देश पर नजर आयेगा। शेयर बाजार में गिरावट के अलावा कोरोना संकट के बाद पैरों पर खड़ा होने की कोशिश करने वाले रियल एस्टेट कारोबार पर भी असर पड़ेगा। अब देखना होगा कि क्या केंद्रीय बैंक के मौद्रिक उपाय महंगाई से जूझते लोगों को कोई राहत दे सकते हैं। यह सर्वविदित है कि देश में खुदरा व थोक महंगाई में तेजी के बावजूद केंद्रीय बैंक उदार रुख अपनाये हुए था। कुछ विशेषज्ञ मानते हैं कि आरबीआई ने कदम उठाने में देरी की है। हाल ही में केंद्रीय बैंक ने कोरोना संकट से देश के उबरने के बाबत आकलन प्रस्तुत किया था। अब उसे लगता है कि वैश्विक आपूर्ति शृंखला में व्यवधान का असर घरेलू खाद्यान्नों की महंगाई पर भी पड़ सकता है। अतरू पहले से ही रिकॉर्ड बना रही महंगाई पर काबू हेतु रिजर्व बैंक को मौद्रिक उपायों की घोषणा करनी पड़ी है। करीब चार साल बाद महंगाई पर काबू पाने के लिये बैंक ने अंतिम ब्रह्मास्त्र का उपयोग किया है। बैंक इस बात के संकेत पहले से ही दे रहा था कि नीतिगत दरों के मामले में लचीला रुख ज्यादा समय तक नहीं चल सकता। बहरहाल, इतना तो तय है कि महंगाई पर काबू पाना बैंक की प्राथमिकता रही है। इसके बावजूद महंगाई निर्धारित दायरे का अतिक्रमण कर रही थी। अब देखना होगा कि केंद्रीय बैंक के मौद्रिक उपाय किस हद तक महंगाई पर काबू पाने में कामयाब हो सकते हैं। निस्संदेह महंगाई की उच्च दर कहीं न कहीं अर्थव्यवस्था पर भी प्रतिकूल असर डालती है। वह भी तब जब कोरोना संकट से उबरने के लिये सरकार व रिजर्व बैंक लगातार प्रयासरत हैं। विडंबना यह है कि जैसे-जैसे देश कोरोना संकट से उबर कर अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने में कुछ सफलता पाने के करीब था, रूस-यूक्रेन संकट ने उसकी कोशिशों पर पानी फ़ेर दिया। सबसे ज्यादा तो महंगे कच्चे तेल ने देश की मुश्किलों को बढ़ाया है। चिंता की बात यह है कि कहना कठिन है कि रूस-यूक्रेन युद्ध कब तक खत्म होता है। वह स्थिति बेहद चिंताजनक होगी, यदि महंगाई में और तेजी आती है। अब बैंकों द्वारा दिये जाने वाले ऋण भी महंगे होंगे और आर्थिक गतिविधियों पर इसका प्रभाव नजर आ सकता है। लेकिन यह तय है कि नीतिगत दरों में बदलाव के साथ अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने हेतु राजकोषीय व मौद्रिक नीतियों में संतुलन जरूरी है।

नियोक्ता को समझना होगा कार्मिक का मनोविज्ञान

कोविड के कारण बड़ी संख्या में असंगठित श्रमिकों का गांवों की और पलायन हुआ है और कोरोना की नित नई लहरों की आशंकाओं के चलते अब उतनी संख्या में श्रमिक शहरों की और नहीं गए हैं जितनी संख्या में शहरों से गांवों की ओर पलायन रहा है। ऐसे में अब नई चुनौती गांवों में रोजगार के अवसर विकसित करने की हो जाती है। हालांकि मनरेगा के माध्यम से लोगों को निश्चित अवधि का रोजगार उपलब्ध कराने के प्रयास जारी है पर इसे यदि उत्पादकता से जोड़ दिया जाए तो परिणाम अधिक सकारात्मक हो सकते हैं। दरअसल कोरोना का डर अभी भी लोगों में बना हुआ है। यह दूसरी बात है कि कोरोना के प्रोटोकाल को पूरी तरह से नकार दिया गया है और अब तो भूले भटके ही लोग मास्क लगाए हुए दिखाई देते है। हालांकि जिस तरह के हालात चीन में इन दिनों चल रहे हैं और करोड़ों चीनी नागरिक लॉकडाउन भुगत रहे हैं उसे देखते हुए डरना भी जरूरी हो जाता है। पर सवाल यही है कि दो जून की रोटी का बंदोबस्त जरूरी है। रोजगार की सच्ची तस्वीर तो यह है कि बड़े उद्योगों में बहुत कम लोगों को रोजगार के बावजूद बेहतर वेतन और सुविधाएं मिलती है तो दूसरी और एमएसएमई सेक्टर या सर्विस सेक्टर में रोजगार के अवसर कम होने के साथ ही वेतन भत्ते भी प्रभावित हुए हैं। सर्विस सेक्टर में भी हालात ऐसे ही हैं। ऐसे में इस तरह के उपाय खोजने होंगे कि अर्थ व्यवस्था में सुधार के साथ साथ रोजगार के अवसर भी बढ़े और लोगों को बेहतर रोजगार मिले। इसके साथ ही कार्मिक के मनोविज्ञान को समझना होगा। कोरोना के बाद एक नई सोच विकसित हुई है जो चिंतनीय होने के साथ ही आने वाले समय के लिए गंभीर चुनौती भी है। हो यह रहा है कि कोरोना के बाद सेवा प्रदाताओं ने अपने सालों से सेवा दे रहे कार्मिकों के लिए इस तरह के हालात पैदा किए गए हैं और किए जा रहे हैं ताकि वे वहां नौकरी नहीं कर सके। इसके पीछे बढ़ती बेरोजगारों की फौज का होना है। दरअसल, पुराने कर्मचारी को अधिक पैसा देना पड़ता है जबकि नए कर्मचारी को या तो सर्विस प्रोवाइडर के माध्यम से रखा जा सकेगा या फिर कम वेतन में काम करने को तैयार होने से कम पैसा देना पड़ेगा। पर वह दिन दूर नहीं जब इसके साइड इफ़ेक्ट सामने आने लगेंगे।

कोविड के कारण बड़ी संख्या में असंगठित श्रमिकों का गांवों की और पलायन हुआ है और कोरोना की नित नई लहरों की आशंकाओं के चलते अब उतनी संख्या में श्रमिक शहरों की और नहीं गए हैं जितनी संख्या में शहरों से गांवों की ओर पलायन रहा है। ऐसे में अब नई चुनौती गांवों में रोजगार के अवसर विकसित करने की हो जाती है। हालांकि मनरेगा के माध्यम से लोगों को निश्चित अवधि का रोजगार उपलब्ध कराने के प्रयास जारी है पर इसे यदि उत्पादकता से जोड़ दिया जाए तो परिणाम अधिक सकारात्मक हो सकते हैं। दरअसल कोरोना का डर अभी भी लोगों में बना हुआ है। यह दूसरी बात है कि कोरोना के प्रोटोकाल को पूरी तरह से नकार दिया गया है और अब तो भूले भटके ही लोग मास्क लगाए हुए दिखाई देते है। हालांकि जिस तरह के हालात चीन में इन दिनों चल रहे हैं और करोड़ों चीनी नागरिक लॉकडाउन भुगत रहे हैं उसे देखते हुए डरना भी जरूरी हो जाता है। पर सवाल यही है कि दो जून की रोटी का बंदोबस्त जरूरी है। रोजगार की सच्ची तस्वीर तो यह है कि बड़े उद्योगों में बहुत कम लोगों को रोजगार के बावजूद बेहतर वेतन और सुविधाएं मिलती है तो दूसरी और एमएसएमई सेक्टर या सर्विस सेक्टर में रोजगार के अवसर कम होने के साथ ही वेतन भत्ते भी प्रभावित हुए हैं। सर्विस सेक्टर में भी हालात ऐसे ही हैं। ऐसे में इस तरह के उपाय खोजने होंगे कि अर्थ व्यवस्था में सुधार के साथ साथ रोजगार के अवसर भी बढ़े और लोगों को बेहतर रोजगार मिले। इसके साथ ही कार्मिक के मनोविज्ञान को समझना होगा। कोरोना के बाद एक नई सोच विकसित हुई है जो चिंतनीय होने के साथ ही आने वाले समय के लिए गंभीर चुनौती भी है। हो यह रहा है कि कोरोना के बाद सेवा प्रदाताओं ने अपने सालों से सेवा दे रहे कार्मिकों के लिए इस तरह के हालात पैदा किए गए हैं और किए जा रहे हैं ताकि वे वहां नौकरी नहीं कर सके। इसके पीछे बढ़ती बेरोजगारों की फौज का होना है। दरअसल, पुराने कर्मचारी को अधिक पैसा देना पड़ता है जबकि नए कर्मचारी को या तो सर्विस प्रोवाइडर के माध्यम से रखा जा सकेगा या फिर कम वेतन में काम करने को तैयार होने से कम पैसा देना पड़ेगा। पर वह दिन दूर नहीं जब इसके साइड इफ़ेक्ट सामने आने लगेंगे। पहला तो यह कि कर्मचारी का जो कमिटमेंट होता है वह नहीं मिल पाएगा। नया या तो सर्विस प्रोवाइडर के प्रति निष्ठावान होगा या फिर उसे अंदर से यह भय सताता रहेगा कि जैसा पहले वालों के साथ हुआ है वैसा उसके साथ भी हो सकता है ऐसे में लायल्टी की संभावनाएं लगभग नगण्य ही देखने को मिलेगी। यह अपने आप में ऐसा संकेत है जो आगे चलकर व्यवस्था को चरमराने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा। इसलिए अभी से भावी संकेतों को समझना होगा। दूसरा यह कि कोरोना ने सबसे अधिक व लंबे समय तक प्रभावित किया है शिक्षा क्षेत्र को या फिर हॅस्पिलिटी सेक्टर को। विदेशी पर्यटकों की संख्या तो अभी भी नाम मात्र की ही रह गई है। देशी पर्यटक अवश्य कुछ बढ़ने लगे हैं और उसका कारण भी कोरोना का सबक ही है। स्कूल-कॉलेज संकट के दौर से आज भी गुजर रहे हैं। इनमें काम करने वाले शिक्षकों व अन्य स्टाफ को वेतन आदि की समस्या बरकरार है। सर्विस सेक्टर सहित अभी सभी क्षेत्रों में यह सोच विकसित हो गई है कि कम से कम मेनपॉवर का उपयोग करते हुए उससे अधिक से अधिक काम लिया जाए। पर यह हालात अधिक दिन तक नहीं चलने वाले हैं। ऐसे में अर्थशास्त्रियों व श्रम विशेषज्ञों को समय रहते इसका कोई हल खोजना होगा। नहीं तो वह दिन दूर नहीं जब सारी व्यवस्था एक साथ धराशायी हो जाए। इसके लिए अब मोटे पैकेजों के स्थान पर निष्ठावान कार्मिक ढूंढने होंगे तो कार्मिकों का विश्वास जीतने के प्रयास करने होंगे। एक समय था जब कार्मिक अपने प्रतिष्ठान के प्रति पूरी तरह से लायल होता था पर अब जो हालात बन रहे हैं उससे संस्थान कुछ पैसा व मानव संसाधन तो बचाने में सफल हो जाएंगे पर संस्थान के प्रति जी-जान लगाने वाले कार्मिक नहीं मिल सकेंगे। ऐसे में नई सोच के साइड इफ़ेक्ट अभी से समझना होगा नहीं तो परिणाम अति गंभीर होने में देर नहीं लगेगी। कार्मिकों के मनोविज्ञान को समझते हुए निर्णय करना होगा। कार्मिकों में अपने रोजगार के प्रति सुरक्षा की भावना रहेगी तो वह निश्चित रूप से अच्छे परिणाम देगा अधिक निष्ठा से सेवाएं देगा और इसके लाभ प्रतिष्ठान को मिलेगा। इसलिए संस्थान और कार्मिक के बीच परस्पर समन्वय, विश्वास और समझ का माहौल बनाना होगा। नियोक्ता को कार्मिक का मनोविज्ञान समझना होगा। -डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

मजहब और जातियों में जकड़े रहे तो कैसे आगे बढ़ सकेगा भारत?

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

गुजरात के एक गांव में कुछ हिंदुओं ने दो अन्य हिंदुओं पर इसलिए हमला कर दिया कि वे अपने पूजा-पाठ को लाउडस्पीकर पर गुंजा रहे थे। ध्यान रहे कि यह हमला न तो मुसलमानों पर हिंदुओं का था और न ही हिंदुओं पर मुसलमानों का! उक्त दोनों हमले अलग-अलग कारण से हुए और उनका चरित्र भी अलग-अलग है लेकिन दोनों में बुनियादी समानता भी है। दोनों हमलों में मौतें हुईं और दोनों का मूल कारण एक ही है। वह कारण है— असहिष्णुता!

अपने देश में हाल में दो घटनाएं ऐसी हुई हैं, जिन्हें लेकर भारत के धर्मध्वजियों और नेताओं को विशेष चिंता करनी चाहिए। पहली घटना हैदराबाद में हुई और दूसरी गुजरात में। हैदराबाद में एक हिंदू नौजवान नागराजू की हत्या इसलिए कर दी गई कि उसने सुल्ताना नामक एक मुसलमान लड़की से शादी कर ली थी। गुजरात के एक गांव में कुछ हिंदुओं ने दो अन्य हिंदुओं पर इसलिए हमला कर दिया कि वे अपने पूजा-पाठ को लाउडस्पीकर पर गुंजा रहे थे। ध्यान रहे कि यह हमला न तो मुसलमानों पर हिंदुओं का था और न ही हिंदुओं पर मुसलमानों का! उक्त दोनों हमले अलग-अलग कारण से हुए और उनका चरित्र भी अलग-अलग है लेकिन दोनों में बुनियादी समानता भी है। दोनों हमलों में मौतें हुईं और दोनों का मूल कारण एक ही है। वह कारण है— असहिष्णुता! यदि गांव के कुछ लोगों ने अनजाने या जान-बूझकर लाउडस्पीकर लगा लिया तो उससे कौन-सा आसमान टूट रहा था? उन्हें रोकने के लिए मारपीट और गाली-गुफ्ता करने की क्या जरूरत थी। यदि सचमुच लाउडस्पीकर की आवाज कानफोडू थी और उससे आपके काम में कुछ हर्ज हो रहा था तो आप पुलिस थाने में जाकर शिकायत भी कर सकते थे लेकिन किसी की आवाज काबू करने के लिए आप उसकी जान ले लें, यह कहां कि इंसानियत है? इसके पीछे का सूक्ष्म कारण पड़ोसियों का अहंकार भी हो सकता है। किसी कमतर पड़ोसी की यह हिम्मत कैसे पड़ गई कि वह पूजा-पाठ के नाम पर सारे मोहल्ले में अपने नाम के नगाड़े बजवाए? यदि हमलावर लोग कानून-कायदों का दूसरों से इतना सख्त पालन करवाना चाहते हैं तो उन्हें खुद से पूछना चाहिए कि उन्होंने अपने पड़ोसी की हत्या करके कौन-से कानून का पालन किया है? जहां तक एक मुस्लिम लड़की का एक हिंदू लड़के से विवाह का सवाल है, दोनों की दोस्ती लंबी रही है। वह विवाह किसी धर्म-परिवर्तन के अभियान के तहत नहीं किया गया था। वह शुद्ध प्रेम-विवाह था। लेकिन भारत में आज कोई भी बड़ा नेता या बड़ा आंदोलन ऐसा नहीं है, जो अन्तरधार्मिक और अंतरजातीय विवाहों को प्रोत्साहित करे। हम लोग अपने मजहबों और जातियों के कड़े सींखचों में अभी तक जकड़े हुए हैं। जो व्यक्ति इन संकीर्ण बंधनों से मुक्त है, वह ही सच्चा धार्मिक है। वही सच्चा ईश्वरभक्त है। यदि ईश्वर एक ही है तो उसकी सारी संतान अलग-अलग कैसे हो सकती हैं? उनका रंग-रूप, भाषा-भूषा, खान-पान देश और काल के मुताबिक अलग-अलग हो सकता है लेकिन यदि वे एक ही पिता के पुत्र हैं तो आप उनमें भेद-भाव कैसे कर सकते हैं? यदि आप उनमें भेद-भाव करते हैं तो स्पष्ट है कि आप धार्मिक हैं ही नहीं। आप एक नहीं, अनेक ईश्वरों को मानते हैं। इसका एक गंभीर अर्थ यह भी है कि ईश्वर ने आपको नहीं, आपने ईश्वर को बनाया है। हर देश और काल में लोगों ने अपने मनपसंद ईश्वर को गढ़ लिया है। ऐसे लोग वास्तव में ईश्वरद्रोही हैं। उनके व्यवहार को देखकर तर्कशील लोग ईश्वर की सत्ता में अविश्वास करने लगते हैं।

सेहत मंत्र

भोजन में करीपत्ते के इस्तेमाल से मिलेंगे ये जबरदस्त स्वास्थ्य लाभ

अक्सर घरों में भोजन का स्वाद बढ़ाने के लिए करीपत्ते का इस्तेमाल किया जाता है। दक्षिण भारत में तो इसके बिना भोजन बनाया ही नहीं जाता। करीपत्ते का तड़का किसी भी व्यंजन के स्वाद को कई गुना बढ़ा देता है। लेकिन वास्तव में यह सिर्फ स्वाद के लिए ही नहीं होता, बल्कि इसकी मदद से आपको कई तरह के स्वास्थ्य लाभ भी होते हैं। तो चलिए आज हम आपको करीपत्ते से मिलने वाले कुछ बेहतरीन स्वास्थ्य लाभों के बारे में बता रहे हैं- पोषक तत्वों की भरमार- करीपत्ता देखने में भले ही छोटा सा हो लेकिन इसमें पोषक तत्व भरपूर मात्रा में होते हैं। इसमें कार्बोहाइड्रेट, ऊर्जा, फाइबर, प्रोटीन, मैग्नेशियम, कैल्शियम, फॉस्फोरस, आयरन व कॉपर आदि मिलते हैं। इसके अतिरिक्त इसके सेवन से आपको विटामिन ए, विटामिन बी, विटामिन सी, विटामिन ई प्राप्त होते हैं। इतना ही नहीं, इसमें कई प्रकार के एंटीऑक्सीडेंट्स, एमिनो एसिड्स, नायसिन व फ्लावोनोइड्स पाए जाते हैं जो हमारे शरीर के लिए बेहद महत्वपूर्ण माने जाते हैं। आंखें बनाए स्वस्थ- करीपत्ता आपकी आंखों के लिए काफी लाभकारी माना जाता है। दरअसल, इसमें विटामिन ए पाया जाता है, जो आपकी आंखों की रोशनी के लिए काफी जरूरी होता है। अगर आपको पर्याप्त मात्रा में विटामिन ए मिलता है, तो आपकी आंखें लंबे समय तक हेल्दी रहती हैं और आपको जल्दी चश्मा नहीं लगता। दस्तों में लाभदायक-करीपत्ता आपके पाचन तंत्र के लिए काफी अच्छा होता है। खासतौर से, दस्त होने पर इसका सेवन अवश्य करना चाहिए। करी पत्तियों में मौजूद कार्बाज़ोल एल्कोलोइड एक एंटी-डायरियल की तरह काम करता है। दस्त होने पर आप करीपत्ते को पीस कर उसे पेस्ट के रूप में सेवन करें या फिर आप इसका रस निकाल कर भी पी सकते हैं। तनाव से मुक्ति- करीपत्ता एंटीऑक्सीडेंट का एक अच्छा स्रोत है। इसमें मौजूद विटामिन ए, विटामिन बी, विटामिन सी और विटामिन ई आपके शरीर में स्ट्रेस के लेवल को कम करके आपको तनावमुक्त रखते हैं। वहीं करी पत्ता में पाया जाने वाला तत्व ल्यूकेमिया, प्रोस्टेट कैंसर तथा कोलोरेक्टल कैंसर से आपका बचाव करता है।

धर्म मंत्र

राशि अनुसार घर में रख लें कछुआ गरीबी हमेशा के लिए हो सकती है दूर

जिस प्रकार भारत में वास्तु का चलन है, ठीक उसी प्रकार चीन में फेंगशुई प्रचलित है। फेंगशुई के उपायों से घर में सकारात्मकता बनी रहती है और पैसों की कमी दूर हो सकती है। उज्जैन की एस्ट्रोलॉजर डॉ. विनिता नागर के अनुसार फेंगशुई का कछुआ घर में रख लिया जाए तो बड़ी-बड़ी परेशानियां भी दूर हो सकती हैं। मेष राशि- इस राशि के लोग अपने घर के मंदिर में कछुआ रखना चाहिए। ये कछुआ मिट्टी या स्फटिक का होना चाहिए। रोज सुबह इसकी पूजा करें। वृष राशि- वृष राशि के लोग बेडरूम में या मंदिर में हरे रंग का कछुआ रखें। मिथुन राशि- मिथुन राशि वाले अपने पूजा घर में कछुआ रखें। इसका रंग मटमैला होना चाहिए और ये कछुआ मिट्टी का हो तो शुभ रहेगा। कर्क राशि- ये लोग अपने मंदिर में मिट्टी का कछुआ रखेंगे तो बहुत अच्छा रहेगा। यह कछुआ आसमानी रंग का होगा तो अच्छा रहेगा। सिंह राशि- इस राशि के लोग लाल रंग का कछुआ अपने पूजा घर में रखें। कन्या राशि- कन्या राशि के लोग अपने पूजा घर में भूरे रंग का मिट्टी का कछुआ रखें। तुला राशि- इस राशि के लोग अपने घर में पीला कछुआ रखेंगे तो बहुत ही शुभ होगा। वृश्चिक राशि- जिन लोगों की राशि वृश्चिक है, वे लोग अपने मंदिर में नीला कछुआ रखें। धनु राशि- धनु राशि वाले लोग पीले रंग का कछुआ घर में रखेंगे तो सभी परेशानियां दूर हो सकती हैं। मकर राशि- मकर राशि के लोग अपने पूजा घर जामुनी कछुआ रखेंगे, जल्दी ही शुभ फल मिल सकते हैं। कुंभ राशि- कुंभ राशि के लोगों को अपनी परेशानियां दूर करने के लिए मिट्टी का काला कछुआ रखना चाहिए। मीन राशि- मीन राशि के लोगों को सफ़ेद या नीला कछुआ अपने घर के मंदिर में रखना चाहिए।

पर्यटन

भारत के अंतिम छोर कन्याकुमारी की रहस्य और रोमांच से भरी हैं ये चार जगह

भारत की धरती का अंतिम छोर कन्याकुमारी जो चारों तरफ से विशाल समुद्र को अपनी आगोश में समेटे हुए है। जहाँ तक नज़र उठा कर देखो बस ऐसा लगता है कि एक नीली सी चादर बिछी हुई है। नीले सागर की लहरें मानो धरती पर नीला रंग बिखेर रही हों। समुद्र की लहरों की आवाज एक अलग सुकून देती है। और अगर बात सनसेट की जाए तो यहां से खूबसूरत सनसेट आपको यकीन मानिए कहीं ओर देखने को नहीं मिलेगा। कन्याकुमारी खूबसूरत पर्यटन स्थल होने के साथ साथ तीर्थ स्थल भी है। आज हम आपको कन्याकुमारी के कुछ रहस्य और रोमांच से भरी जगहों के बारे में बताएंगे। तिरूवल्लुवर मूर्तिः कन्याकुमारी के दक्षिणी सिरे पर संत तिरुवल्लुवर की 133 फुट लंबी प्रतिमा बनाई गई है जहां अरब सागर, बंगाल की खाड़ी और हिंद महासागर मिलते हैं। 133 फुट, तिरुक्कुरल के 133 अध्यायों या अथियाकरम का प्रतिनिधित्व करते हैं। तिरुवल्लुवर एक प्रख्यात तमिल कवि हैं जिन्होंने तमिल साहित्य में नीति पर आधारित कृति थिरूकुरल का सृजन किया। और उनकी तीन अंगुलियां अरम, पोरूल और इनबम नामक तीन विषय अर्थात नैतिकता, धन और प्रेम के अर्थ को इंगित करती हैं। पद्मानभापुरम महलः वैसे तो भारत में ऐसी बहुत सी हवेलियां हैं जिनका एक लंबा इतिहास है। लेकिन कन्याकुमारी में राजा त्रावनकोर द्वारा बनाई गई यह विशाल हवेली अपनी सुदंरता और भव्यता के लिए बहुत मशहूर है। धार्मिक के साथ-साथ आप यहां यह ऐतिहासिक महल भी देख सकते हैं। अम्मन मंदिरः कुमारी अम्मन मंदिर कन्याकुमारी, तमिलनाडु में स्थित है। समुद्र के तट पर स्थित 'कुमारी अम्मन मंदिर' दक्षिण भाषी लोगों की श्रद्धा और आस्था का प्रमुख केन्द्र है। इस मंदिर का निर्माण पाण्ड्य राजवंश के शासन काल में हुआ था। नागराज मंदिर : यह कन्याकुमारी से 20 किमी दूर नगरकोल में नागराज का मन्दिर नाग देव को समर्पित है। यहाँ पर भगवान विष्णु और शिव के दो अन्य मन्दिर भी हैं।

पीएम व सीएम का सपना सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ जनता को मिले : अंगद सिंह

कैनविज टाइम्स संवाददाता

मसौली बाराबंकी। सोमवार को ब्लॉक सभागार में ब्लाक प्रमुख रईस आलम की अध्यक्षता एव जेई एमआई आर के प्रकाश के संचालन में क्षेत्र पंचायत की बैठक सम्पन हुई। बैठक में नवनिर्वाचित विधान परिषद सदस्त अंगद सिंह के स्वागत के आलावा विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गयी। क्षेत्र पंचायत की बैठक में उपस्थित ग्राम प्रधानों एव क्षेत्र पंचायत सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए नवनिर्वाचित एमएलसी अंगद सिंह ने कहा कि आप लोगो ने जो सम्मान दिया है उसके लिए हम सदैव आभारी रहेंगे उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री एव मुख्यमंत्री का सपना है कि सरकार द्वारा चलायी जा रही सभी योजनाओं का लाभ आम जनता को मिले। प्रधानमंत्री की सोच है कि हर घर में बिजली हो, हर परिवार को शौचालय और हर गरीब को आवास मिले जिसमे आप सभी की नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि

कोई भी पात्र व्यक्ति योजनाओं से वंचित न रह जाय। एमएलसी अंगद सिंह ने ग्राम प्रधानों एव क्षेत्र पंचायत सदस्यों से सरकार की योजनाओं को जन जन तक पहुंचाने की अपील करते हुए कहा कि गांव का चुनाव चुनाव बहुत कठिन होता है। गांव का वातावरण बदलने की जिम्मेदारी आप लोगो पर है। आप सभी लोग जो भी योजनाए गांव में आती है उसका स्वागत करें और अच्छे कामो की सराहना करे। ब्लाक प्रमुख रईस आलम ने एमएलसी अंगद सिंह का स्वागत करते हुए क्षेत्र के विकास के लिए तमाम योजनाओं के क्रियान्वित करने की जानकारी देते हुए क्षेत्र पंचायत सदस्यों से जल्द से जल्द कार्यो के प्रस्ताव देने की बात कही। रईस

क्षेत्र पंचायत की बैठक संपन्न

आलम ने जनप्रतिनिधियों से विकास कार्यो में सहयोग की अपील की। खण्ड विकास अधिकारी डॉ0 सँस्कृता मिश्रा ने मनरेगा, सांसद निधि, विधायक निधि, सहकारिता विभाग, ग्राम विकास, लघु सिचाईं, प्रधानमंत्री आवास योजना, मत्स्य पालन, आजीविका मिशन, आदि योजनाओं की जानकारी बीडीसी सदस्यों एव ग्राम प्रधानों को दी। । वही एडीओ पँचायत जानकीराम ने स्वच्छ भारत मिशन पर चर्चा के अलावा सर्वशिक्षा अभियान, जल संरक्षण एव वर्षा संचयन, दस्तक अभियान, धान बीज, इण्डिया मार्का 2 हैण्डपम्प, प्रधानमंत्री आवास, ग्रामीण आजीविका मिशन, पेंशन,ग्रामीण स्वच्छता मिशन, मनरेगा योजना आदि पर चर्चा की गयी। क्षेत्र पंचायत की बैठक में जिला पंचायत सदस्य रामसिंह वर्मा, मुसर्रफ हुसैन, प्रधान संघ अध्यक्ष मुबीन सिकन्दर, महामंत्री विनय कुमार वर्मा, जेई आरईएस प्रमोद कुमार, बाल विकास परियोजना अधिकारी सुलेखा यादव, कृषि प्रसार अधिकारी मनीषा कुमारी, मतस्य विभाग निरीक्षक रमेशचंद, स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी आशाराम चौधरी सहित ग्राम प्रधान रंजीत कुमार, प्रधान सुमन राव,प्रधान नूर फातिमा, मुईन अंसारी, सुरेशचंद्र वर्मा, रामसिंह, पप्पू जयसवाल, अजय वर्मा, राहुल ठाकुर सहित जनप्रतिधि मौजूद रहे।

एमएलसी ने बैठक में लगाई हाजिरी शिक्षा, बिजली को नोटिस

मसौली सभागार में आयोजित क्षेत्र पंचायत की बैठक में पहुँचे एमएलसी अंगद सिंह ने बैठक का एजेंडा पाने वाले विभागों की हाजिरी लगाते हुए एक कर सभी की समीक्षा की हाजिरी में शिक्षा एव विद्युत विभाग के अनुपस्थिति होने पर खण्ड विकास अधिकारी से दोनों विभागों को नोटिस जारी कर स्पस्टीकरण की मांग की ।

सीएमओ साहब : बिना सूचना के गायब रहते सीएचसी से डॉक्टर ?

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रामनगर बाराबंकी। जहां पर प्रदेश के मुखिया माननीय योगी आदित्यनाथ जी उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने को लेकर कटिबद्ध हैं। और सुचिता, पवित्रता, ईमानदारी से कार्य करवाने हेतु संकल्पित हैं। वहीं पर उन्हीं के पदाधिकारी, कर्मचारी गण उनके संकल्प की धज्जियां उड़ाने में पीछे नहीं, अपनी मनमानी वह निष्क्रियता का परिचय देने में भी पीछे नहीं है।सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार आदर्श नगर पंचायत रामनगर में बने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर तैनात डाक्टर तनु पांडे व डाँकरुम सहायक अर्चना श्रीवास्तव हफ्तों से बिना सूचना दिए गायब रहती हैं, तथा महीने में एक दो बार आकर अपनी हाजिरी पूरी करते हुए लोगों को दर्शन देती हैं। उसके बावजूद भी जिम्मेदार अधिकारी जानकर मूक बने हुए हैं। कहने की बात तो यह है कि जहां ऐसे नगरीय क्षेत्र जहां पर तहसील, ब्लॉक, थाना, सी ओ ऑफिस जैसे कार्यालय बने हुए हैं तथा उप जिला अधिकारी का निवास भी विद्यमान है, वहीं पर स्वास्थ्य केंद्र का इतना बुरा हाल क्यों? या तो कागजों पर खानापूर्ति हो रही है या योगी सरकार का इन लोगों पर कोई असर नहीं दिखता या फिर सभी सक्षम अधिकारी गण एक दूसरे से आपस में मिलीभगत द्वारा कार्य कर रहे हैं, जहां डॉक्टरों का ऐसा हाल है संवाददाता के द्वारा फोन करने पर सीएचसी रामनगर अधीक्षक डॉ अभिषेक भटनागर ने फोन उठाना मुनासिब ही नहीं समझा ।

13 घंटे बाद देर शाम तक तेंदुए को पकड़ने में असफल रही वन विभाग टीम

सुबह सात बजे से पेड़ पर चढ़े तेंदुए को 13 घंटे बाद भी नही पकड़ पायी वन विभाग की टीम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बेलहरा बाराबंकी। मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र के अकम्बा गांव में तेंदुवे की दस्तक से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है द्य वहीं तेंदुआ देखने के बाद ग्रामीणों ने जिसकी सूचना पुलिस व वन विभाग टीम को दी द्य वहीं ग्रामीणों की भीड़ को देखकर तेंदुआ युकेलिप्टिस पेड़ पर चढ़ गया द्य सुबह सात बजे से पेड़ पर चढे तेंदुवे को ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई द्य लेकिन ग्रामीणों की सूचना के बाद भी वन विभाग टीम 3 घंटे बाद गांव में पहुंच कर रेस्क्यू शुरू किया द्य लेकिन वन विभाग टीम द्वारा को तेंदुवे को अपनी गिरफ्त में पकड़ने का प्रबंध ना होने के कारण घंटों पेड़ पर बैठे तेंदुवे को ताकते रहे द्य कई

घंटों के बाद ग्रामीणों की नाराजगी के बाद वन विभाग टीम द्वारा जाल मंगवाकर जाल लगाया गया द्य लेकिन सुबह सात बजे से पेड़ पर बैठे तेंदुवे का नीचे उतरने का इंतिजार वन विभाग टीम कुर्सियों पर बैठ कर शाम तक करती रही द्य वन विभाग टीम द्वारा तेंदुवे को पेड़ से उतारने की कोई कोशिश नहीं की गई द्य देर शाम तक तेंदुआ वन विभाग टीम की गिरफ्त में ना होने के चलते ग्रामीणों में वन विभाग के प्रति जमकर नाराजगी देखने को मिली द्य जिसके बावजूद भी वन विभाग टीम टेंदुवे के पेड़ से नीचे उतरने का इंतिजार देर शाम तक करती रही।

तेंदुवे की दस्तक की सूचना पर अकम्बा गांव पहुंचे विधायक सकेंद्र प्रताप वर्मा

ग्रामीणों की सूचना पर अकंम्बा गांव पहुंचे कुर्सी विधायक सकेंद्र प्रताप वर्मा ने मौक़े पर जाकर वन विभाग अधिकारियों से बातचीत की और अधिकारियों को तेंदुवे को पकड़ कर गांव के लोगो को सुरक्षित रखने को कहा द्य वहीं सुबह से वन वन विभाग अधिकारियों की लापरवाही पर जमकर फटकार लगाई द्य तेंदुवे और लोगो को सुरक्षित रखते हुए द्य तेंदुवे को पकड़ने का अस्वाशन दिया ।

युवा कल्याण विभाग की लापरवाही, चिलचिलाती धूप में प्रोत्साहन सामग्री लेती दिखी महिलाएं

कैनविज टाइम्स संवाददाता

न टेंट न पानी, गर्मी में बिलबिला उठी जिन्दगानी

मसौली बाराबंकी। युवा कल्याण विभाग के डीओ प्रबोध कुमार द्वारा महिलाओं व युवाओं के लिये स्टेडियम में नहीं की गयी धूप से बचने की व्यवस्था।सुबह 9 बजे से जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों से पहुँची महिलाओं को व युवाओं को कड़ी चिलचिलाती धूप में खड़े होना पड़ा।प्रोत्साहन सामग्री ले जाने हेतु युवाओं व महिलाओं को अपने घर से थैले व बोरी लाने को कहा गया,युवा व महिलाओं द्वारा बोरियों में भरकर प्रोत्साहन सामग्री ले जाई गयी। सोमवार को विकास खण्ड अंतर्गत स्तिथ बडागांव स्टेडियम में युवा कल्याण विभाग द्वारा युवक व महिला मंगल दल के सदस्यों को प्रोत्साहन सामग्री का वितरण किया।विभाग द्वारा सदस्यों फ़ोन के माध्यम से सूचित कर सुबह 9 बजे स्टेडियम बुलाया गया और साथ ही अपने साथ एक फोटो आधार कार्ड और औऱ एक बड़ा थैला

लाने के लिये कहा गया।जिले के पंद्रह विकास खण्डों की विभिन्न ग्राम पंचायतों से सुबह से युवक मंगल दल सदस्यों व महिला मंगल दल के सदस्यों का आगमण होने लगा।सैकड़ों की तादाद में युवक व युवतियां स्टेडियम पहुँची जहाँ भीषण गर्मी के मौसम चिलचिलाती धूप से बचने के लिये किसी प्रकार की व्यवस्था नहीं गयी थी।जिसके युवक व महिलाओं को छोटे-छोटे पेडों की छांव का सहारा लेना।स्टेडियम में सुबह से पहुंचे युवक मंगल दल के सदस्यों व महिला मंगल दल सदस्यों को भीषण गर्मी में काफ़ी असुविधाओं का सामना करना पड़ा।दोपहर लगभग 12 बजे के बाद पहुँची मुख्य अतिथि अनुवेशा देव के द्वारा युवक व महिला मंगल दल के सदस्यों के प्रोत्साहन सामग्री का वितरण शुरू कराया गया।सभी युवक व महिला मंगल दल के सदस्यों को तीसरे पहर लगभग साढ़े 3 बजे तक तक वितरित की जा सकी।वहीं इस मौक़े स्वंम डीओ प्रबोध कुमार मौजूद रहे जिनके सामने ही युवक व महिलाएं असुविधाओं का सामना करती रहीं।उनके द्वारा गर्मी व धूप से बचने के लिये किसी प्रकार की व्यवस्था नहीं कि गयी जिसके चलते युवक व महिलाओं को काफ़ी परेशानियों का सामना करना पड़ा।वही इस संबंध में जब हमारे संवाददाता ने डीओ प्रबोध कुमार से बात की तो उन्होंने बताया कि हम रास्ते मे हैं कुछ समय बाद बात करते हैं।

खिड़की के रास्ते घर में घुसे चोरों ने पार किया लाखों का माल

हैदरगढ़ बाराबंकी। खिड़की के रास्ते घर में दाखिल हुए अज्ञात चोरों ने हजारों की नगदी सहित कीमती जेवरात लेकर हुए रफूचक्कर। सुबह जानकारी होने पर भुक्तभोगी ने डायल 112 पुलिस को सूचना दी मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू की हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार हैदरगढ़ कोतवाली क्षेत्र के खरसातिया गांव निवासी अनुराग सिंह पुत्र दवनजीत सिंह के घर बीती रात अज्ञात चोरों ने ग्रिल तोड़कर खिड़की के रास्ते घर में दाखिल हो गए इस दौरान घर में सभी लोग बाहर गहरी नींद में सो रहे थे। जिसके बाद चोरों ने घर में जमकर तांडव मचाया कई बक्सों का ताला तोड़कर 70 हजार की नकदी सहित करीब 10 लाख कीमत के सोने व चांदी के जेवरात लेकर फरार हो गए हैं। वहीं सुबह भुक्तभोगी को मामले की जानकारी हुई तो स्थानीय थाने पर लिखित शिकायत कर कार्यवाही की मांग की हैं। कोतवाली प्रभारी हैदरगढ़ बृजेश वर्मा ने बताया कि मामले की शिकायत प्राप्त हुई हैं जांच पड़ताल की जा रही हैं जल्द ही उक्त चोरी का खुलासा किया जाएगा।

कंटेनर गाड़ी से डीजल चोरी

मसौली बाराबंकी। लखनऊ- अयोध्या राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित प्यारेपुर सरैंया गांव के निकट नायरा एनर्जी पेट्रोल पंप पर खड़े कन्टेनर गाड़ी से 270 लीटर डीजल चोरी हो गया। पीड़ित कन्टेनर चालक ने थाना सफदरगंज में डीजल चोरी की तहरीर दी है । सोमवार को सुल्तानपुर जनपद के कुड़वार थाना क्षेत्र के ग्राम खंडासा निवासी कन्टेनर चालक जाहिद अली पुत्र अब्दुल खालिक खेतान लॉजिस्टिक प्राइम का कंटेनर नम्बर आर जे 14 जी एच 4784 हरिद्वार से दरभंगा बिहार जा रहा था। बीती रात्रि हाईवे पर स्थित ग्राम प्यारेपुर सरैंया के निकट नायरा एनर्जी पेट्रोल पंप के निकट कन्टेनर खड़ी कर सो गया था सुबह जब जगा तो कन्टेनर से 270 लीटर डीजल गायब था पीड़ित ने थाना सफदरगंज में डीजल चोरी की तहरीर दी है।

प्रतिबंधित पॉलिथीन जप्त कर लगाया जुर्माना

रामनगर बाराबंकी । जहां एक तरफ सरकारें राष्ट्र व समाज को स्वस्थ, स्वच्छ व सुरक्षित रखने के लिए करोड़ों रुपए खर्चा करते हुए जनता को स्वच्छ भारत बनाने के लिए विभिन्न प्रकार के साधनों के माध्यम से जागरूक किया जा रहा है। वहीं दूसरी तरफ जनता मानने को तैयार नहीं है जिसका प्रत्यक्ष प्रमाण समाज में दिखाई पड़ रहा है कि प्रतिबंधित पॉलिथीन प्लास्टिक व थर्माकोल से बनी वस्तुओं का प्रयोग धड़ल्ले से किया जा रहा है जिनसे समाज व वातावरण में गंदगी व्याप्त हो रही है और लोग तरह-तरह की बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं इन्हीं प्रतिबंधित वस्तुओं पर प्रतिबंध लगाने के उद्देश्य से उप जिला अधिकारी रामनगर तान्या ने खाद्य सुरक्षा अधिकारी डॉ आर के सिंह अधिशासी अधिकारी मनीष राय व थाना अध्यक्ष संतोष कुमार सिंह की उपस्थिति में कस्बा रामनगर में कॉस्मेटिक, जनरल स्टोर, होटल, ब्रेकरी आदि दुकानों पर छापा मारते हुए 9 किलो 500 ग्राम प्रतिबंधित पॉलिथीन ग्लास थर्माकोल को जप्त कर 30000 रु0 का जुर्माना वसूल किया। साथ ही उप जिला अधिकारी ने दुकानदारों से प्रतिबंधित वस्तुओं को ना रखने के निर्देश भी दिए। यह खबर कस्बे में फैलने में देर नहीं लगी और दुकानदारों ने अपने शटर गिराकर कहीं अलग स्थान पर खड़े हो कर माहौल देखते रहे। वही कुछ दुकानदारों का कहना है कि यदि पॉलिथीन या प्रतिबंधित वस्तुएं बनाने वाली कंपनी ही बंद कर दी जाए तो अपने आप ही इस समस्या का समाधान हो जाए तथा इसका प्रयोग भी बंद हो जाएगा क्यों कि लोग इन वस्तुओं को प्रयोग करने की आदत बना चुके हैं। इस मौके पर प्रधान लिपिक रामकरन शर्मा मुनव्वर बेग गुफरान अहमद उपस्थित रहे।

पास्को एक्ट के दोषी को आजीवन कारावास

बाराबंकी। मॉनीटरिंग सेल जनपद बाराबंकी की प्रभावी पैरवी के परिणाम स्वरूप माननीय न्यायालय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (पाक्सो एक्ट) कोर्ट संख्या-45 बाराबंकी ने एक अभियुक्त को आजीवन कारावास व तीस हजार रू0 अर्थदण्ड से दण्डित किया गया । जघन्य अपराधों में समुचित पैरवी करते हुये शीघ्र सजा दिलाये जाने के आदेश के क्रम में मॉनीटरिंग सेल में नियुक्त अधि0 कर्म0गण पैरोकार द्वारा जघन्य अपराधों के अभियोगों की प्रभावी पैरवी माननीय न्यायालय में करते हुए साक्ष्य हेतु महत्वपूर्ण गवाहों को में समय से प्रस्तुत कराकर गवाही करवायी गयी,जिससे माननीय न्यायालय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/(पाक्सो एक्ट) कोर्ट संख्या-45 बाराबंकी द्वारा थाना रामनगर पर पंजीकृत मुकदमे से सम्बन्धित अभियुक्त सरदार सिंह पुत्र रामविलास सिंह निवासी नंदऊपारा थाना रामनगर जनपद बाराबंकी को उपरोक्त धाराओं में दोष सिद्ध करते हुये,अभियुक्त सरदार सिंह पुत्र रामविलास सिंह निवासी नंदऊपारा थाना रामनगर जनपद बाराबंकी को आजीवन कारावास व 30,000/- रु0 अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। उक्त कार्यवाही से जनता में न्याय के प्रति विश्वास बढा तथा पुलिस पैरवी के इस प्रयास की जनता द्वारा भूरि-भूरि प्रशंसा की गयी ।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रिया ने झटका स्वर्ण पदक

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। जनपद के नरेंद्र पूर मदरहा गांव में स्मार्ट मार्शल आर्ट क्लब के बच्चों ने लखनऊ के चौक स्टेडियम के लालजी टंडन हॉल में आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय प्रतियोगिता जो कि 7 व 8 मई को आयोजित हुई जिसमें खिलाड़ियों ने परचम लहराया आपको बताते चलें कि अलग-अलग भार वर्ग में बच्चों ने प्रतिभाग किया जिसमें जूनियर सीनियर वर्ग भर में बच्चों ने जमके पसीना बहाते हुए अपने नाम मेडल किए जिसमें की प्रिया वर्मा के नाम स्वर्ण पदक रहा वही हिमांशु के नाम कांस्य पदक रहा और आदित्य वर्मा ,राजकरन ने अपने नाम रजत पदक किया सभी जीत के आए प्रतिभागियों का गांव में भव्य स्वागत हुआ एवं फूल माला पहनाकर सभी प्रबुद्ध वर्ग ने बधाई दी इस मौके पर अध्यक्ष - गौरव रावत उपाध्यक्ष -कैलाश नाथ वर्मा संचालक -अखिलेश कुमार ट्रेनर -संजय कुमार कमेटी सदस्य -बलराम नायक, रवि पासवान आदि लोग मौजूद रहे !

बेहतरीन सोंच से बदल गई प्राथमिक विद्यालय कमेला की तस्वीर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

हैदरगढ़ बाराबंकी। उत्तर प्रदेश सरकार का ड्रीम प्रोजेक्ट है की प्रदेश के सभी प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक विद्यालयों में भौतिक एवं शैक्षिक परिवेश में आमूलचूल परिवर्तन हो। शैक्षिक गुणवत्ता के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने मिशन प्रेरणा एवं निपुण भारत मिशन की शुरुआत की है तथा ऑपरेशन कायाकल्प एवं विद्यालय की कंपोजिट ग्रांट के माध्यम से विद्यालय का भौतिक स्वरूप परिमार्जित किया जा रहा है इसी कड़ी में खंड शिक्षा अधिकारी हैदरगढ़ श्री रमेश चंद्रा के दिशा निर्देश में प्राथमिक विद्यालय कमेला प्रधानाध्यापक राजेश सरोज ने कंपोजिट ग्रांट की सहयोग से विद्यालय को एक आकर्षक छवि प्रदान की है प्राथमिक विद्यालय कमेला का भौतिक एवं शैक्षिक परिवेश किसी कान्वेंट स्कूल से कम नहीं है प्रधानाध्यापक राजेश सरोज के अनुसार विद्यालय में कंपोजिट ग्रांट के सहयोग से विद्यालय में रंगाई पुताई,सबमर्सिबल पंप, शौचालय में नल

जल आपूर्ति एवं मल्टीपल हैंडवाश की स्थापना करवाई गई है। प्राथमिक विद्यालय कमेला ऑपरेशन कायाकल्प एवं कंपोजिट ग्रांट के सहयोग से सभी आवश्यक 14 पैरामीटर से संतृप्त हो चुका है इसका सर्वाधिक लाभ विद्यालय के नवीन नामांकन में वृद्धि में हुआ है वित्त वर्ष 2022-2023 में 9 मई 2022 तक कुल 32 नवीन नामांकन हो चुके हैं वर्तमान में प्राथमिक विद्यालय कमेला में 318 बच्चे नामांकित है जो कि विकास खंड हैदरगढ़ के सभी प्राथमिक विद्यालयों में सर्वाधिक नामांकित छात्र संख्या है विद्यालय के प्रधानाध्यापक राजेश सरोज कहते हैं विद्यालय में केवल प्रधानाध्यापक सहित केवल तीन शिक्षक है जिससे विद्यालय में कक्षा प्रबंधन में समस्या का सामना करना पड़ता है यदि विद्यालय को छात्र संख्या के अनुपात में शिक्षक मिल जाए तो विद्यालय मिशन प्रेरणा एवं निपुण भारत मिशन के लक्ष्य को सुगमता पूर्वक प्राप्त कर लेगा।

डीएम ने विभिन्न योजनाओं को लेकर अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी । कलेक्ट्रेट स्थित डीआरडीए गांधी सभागार में जिलाधिकारी डॉ आदर्श सिंह की अध्यक्षता में कायाकल्प, सर्वशिक्षा अभियान, मध्यान्ह भोजन, निःशुल्क ड्रेस, पुस्तक वितरण, विद्यालयों में शिक्षकों, छात्रों की उपस्थिति तथा शैक्षणिक गुणवत्ता का स्तर, कस्तूरबा गांधी, आश्रम पद्धति स्कूल, नवोदय, केन्द्रीय विद्यालय में शिक्षण व्यवस्था की समीक्षा, मदरसा, राष्ट्रीय मा0शिक्षा अभियान के अन्तर्गत विद्यालयों का निर्माण, शिक्षा गुणवत्ता की स्थिति, शिक्षा का अधिकार की समीक्षा बैठक आहूत की गई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि जिला स्तरीय अधिकारी 01-01 विद्यालय गोद लेकर विभिन्न मानकों में संतृप्त कराने एवं मॉडल विद्यालय बनाने हेतु चयन कर कार्य किया जाए। कायाकल्प के अन्तर्गत विद्यालयों का पुनर्निर्माण तथा टाइलीकरण का कार्य जल्दी ही पूरा किया जाये। कस्तूरबा गांधी के निर्माण कार्य हो रहा है। घटिया प्रकार की सामग्री इस्तेमाल करने पर कठोर कार्यवाही की जायेगी। बैठक में स्कूल चलो अभियान के तहत स्कूल में बच्चों के कराये गये नामांकन की प्रगति की समीक्षा की गई। सभी एबीएसए को निर्देशित किया गया कि सभी अध्यापकों के द्वारा घर-घर जाकर अभिभावकों को प्रेरित कर बच्चों का नामांकन प्राथमिक विद्यालय में कराया जाए। कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे, इस उद्देश्य से अभिभावकों को प्रेरित कर बच्चों का नामांकन विद्यालयों में कराया जाए। बैठक के दौरान समस्त खण्ड शिक्षा अधिकारी, लेखाधिकारी बेसिक शिक्षा, समस्त प्रधानाचार्य, डीपीआरओ, कस्तूरबा गांधी विद्यालय, जिला विद्यालय निरीक्षक, अपर जिला सूचना अधिकारी सहित सम्बन्धित विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

अधिवेशन एवं शिक्षक उन्नयन पर संगोष्ठी का आयोजन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाई स्कूल (पूर्व माध्यमिक) शिक्षक संघ उत्तर प्रदेश जिला लखनऊ के ब्लॉक इकाई काकोरी का अधिवेशन एवं शिक्षक उन्नयन संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें ब्लॉक इकाई मैं निम्नांकित पर्दों हेतु नामांकन किया गया जिसमें आम सहमत से विभिन्न पदों हेतु निर्विरोध निर्वाचेत ब्लाक अध्यक्ष संजय पांड़े वरिष्ठ उपाध्यक्ष कविता छाबरा उपाध्यक्ष लक्ष्मी मिश्रा, अरविद कुमार मंत्री निखिल निगम संयूक्त मंत्री ललित दीक्षत, रेनू, मनोरमा कोषाध्यक्ष राजीव कमार लेखाकार संजय कुमार आय व्यय निरीक्षक कचन गुप्ता सदस्य कार्यकारिणी जितेन्द्र प्रताप सिंह, विवेक सिंह मीडिया प्रभारी मनीष रावत निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया सभी नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को जिला संयोजक डॉ प्रभा कांत मिश्रा शुभकामनाएं देते हुए पदाधिकारी प्री निष्ठा ईमानदारी दवेष भावना से ग्रसित न हो कर शिक्षकों की समस्याओं का समाधान करेगे ऐसा पूण विश्वास व्यक्त किया तथा नवनिर्वाचित पदाधिकारी को सहसयोजक सुधीर सहगल ने नियुक्त पत्र प्रदान कर स्वागत किया अन्त सभी नवन्विाचित पदाधिकारियों ने शिक्षक हित मैं बिना दवेष भावना से ग्रसित होकर शिक्षकों के हित की लड़ाई वके लिए संघर्षशील रहेगे इस बात की शपथ ली ।

प्लेऑफ में जगह पक्की करने के लिये भिड़ेंगे गुजरात और लखनऊ

एजेंसी

पुणे। अपने पहले सत्र में ही शानदार प्रदर्शन करने वाली गुजरात टाइटन्स और लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मंगलवार को जब आमने-सामने होंगी तो उनकी निगाह प्लेऑफ में जगह सुरक्षित करने पर टिकी रहेगी। गुजरात की टीम लीग में अधिकतर समय शीर्ष पर रही थी लेकिन पिछले दो मैचों में बल्लेबाजों की नाकामी के कारण उसे हार झेलनी पड़ी। इससे उसकी जगह लखनऊ शीर्ष पर पहुंच गया है। इन दोनों टीम के हालांकि समान 16 अंक हैं और इस मैच में जीत दर्ज करने वाली टीम की प्लेऑफ में जगह पक्की हो जाएगी। हार्दिक पंड्या की अगुवाई वाले गुजरात को पिछले सप्ताह पंजाब किंग्स और मुंबई इंडियन्स से हार मिली थी। दूसरी तरफ लखनऊ ने अपने पिछले चार मैच जीते हैं। इनमें कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ पिछले मैच में 75 रन की जीत भी शामिल है जिससे लखनऊ की टीम बढ़े मनोबल के साथ मैदान पर उतरेगी। केएल राहुल ने

लखनऊ का आगे बढ़कर नेतृत्व किया है। उन्होंने अब तक 11 मैचों में 451 रन बनाये हैं जिसमें दो शतक और अर्धशतक शामिल हैं। लखनऊ की टीम बल्लेबाजी में उन पर काफी निर्भर है लेकिन हाल के मैचों में क्विंटन डिकॉक और दीपक हुड्डा ने अधिक जिम्मेदारी ली है जिससे राहुल का बोझ कम हुआ है। लखनऊ के गेंदबाज भी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। पंजाब किंग्स के खिलाफ जहां उन्होंने 153 रन का अच्छी तरह से बचाव किया वहीं केकेआर को 101 रन ही बनाने दिये थे। इस मैच में तेज गेंदबाज आवेश खान और जैसन होल्डर ने शानदार प्रदर्शन किया था। तेज गेंदबाज मोहसिन खान, क्रुणाल पंड्या और श्रीलंका के दुशमंत चमीरा ने किफायती गेंदबाजी की है। रवि बिश्नोई हालांकि पिछले मैच में थोड़े महंगे साबित हुए थे। जहां तक गुजरात का सवाल है तो उसने मुश्किल परिस्थितियों में वापसी करके अपनी स्थिति मजबूत की। उसके अलग अलग खिलाड़ियों ने अब तक मैच विजेता की भूमिका निभाई है, लेकिन मुंबई के खिलाफ ऐसा नहीं हुआ जब वे आखिरी ओवर में नौ रन नहीं बना पाये थे। गुजरात के बल्लेबाजों को निरंतरता बनाये रखने की जरूरत है। उसके शीर्ष क्रम के बल्लेबाज लंबी पारियां नहीं खेल पा रहे हैं। शुभमन गिल चमक नहीं बिखेर पाये हैं लेकिन ऋद्धिमान साहा ने अपने इरादे अच्छी तरह से जताये हैं। हाल के मैचों में हार्दिक, डेविड मिलर और राहुल तेवतिया भी नहीं चल पाये थे। उन्हें टूर्नामेंट के महत्वपूर्ण मोड़ पर पुरानी लय हासिल करनी होगी। गुजरात के पास मोहम्मद शमी, लॉकी फर्ग्यूसन और राशिद खान के रूप में विश्वस्तरीय गेंदबाज हैं। शमी हालांकि हाल में अपने रंग में नहीं दिखे। उन्हें भी लय में लौटने की जरूरत है।

टीम इस प्रकार हैं :

गुजरात टाइटन्स : हार्दिक पंड्या (कप्तान), अभिनव मनोहर, डेविड मिलर, गुरकीरत सिंह, बी साई सुदर्शन, शुभमन गिल, राहुल तेवतिया, विजय शंकर, मैथ्यू वेड, रहमानुल्ला गुरबाज, ऋद्धिमान साहा, अल्जारी जोसेफ, दर्शन नालकंडे, लॉकी फर्ग्यूसन, मोहम्मद शमी, नूर अहमद, प्रदीप सांगवान, राशिद खान, रविश्रीनिवासन साई किशोर, वरुण आरोन, यश दयाल।

लखनऊ सुपर जायंट्सः केएल राहुल (कप्तान), मनन वोहरा, एविन लुईस, मनीष पांडे, क्विंटन डिकॉक, रवि बिश्नोई, दुष्मंथा चमीरा, मोहसिन खान, मयंक यादव, अंकित राजपूत, आवेश खान, एंड्रयू टाय, मार्कस स्टोइनिस, काइल मेयर्स, करण शर्मा, कृष्णप्पा गौतम, आयुष बडोनी, दीपक हुड्डा, कुणाल पंड्या, जैसन होल्डर।

टी-20 में बतौर कप्तान 6,000 रन बनाने वाले दूसरे खिलाड़ी बने धोनी

मुंबई। चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने दिल्ली कैपिटल्स के ख़िलाफ़ रविवार के आईपीएल मैच में टी-20 क्रिकेट में कप्तान के तौर पर 6,000 रन पूरे किये। वह विराट कोहली के बाद ऐसा करने वाले दूसरे खिलाड़ी बन गये।

जब धोनी रविवार को पारी के 18वें ओवर में बल्लेबाज़ी करने उतरे तो उन्हें यह कीर्तिमान पूरा करने के लिए सिर्फ़ चार रनों की दरकार थी। उन्होंने मिचेल मार्श की गेंद पर छक्का मारकर टी-20 क्रिकेट में अपने 6,000 रन पूरे किये।

कोहली ने टी-20 क्रिकेट में बतौर कप्तान 190 मैच खेले जिसमें उन्होंने 48 अर्धशतकों और पांच शतकों की बदौलत 6,451 रन बनाये।

धोनी ने रविवार को दिल्ली कैपिटल्स के ख़िलाफ़ आठ गेंदों में नाबाद 21 रन बनाये, जिसमें एक चौका और दो छक्के शामिल थे। चेन्नई ने दिल्ली के सामने 209 रन का लक्ष्य रखा जिसके जवाब में दिल्ली 117 रन पर ही सिमट गयी।

एलिसा हीली, केशव महाराज आईसीसी के 'महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी' चुने गए

एजेंसी

दुबई। ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम की स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज एलिसा हीली और दक्षिण अफ्रीकी पुरुष टीम के स्पिनर केशव महाराज को अपनी अपनी श्रेणियों में अप्रैल महीने के लिए सोमवार को आईसीसी का 'महीने का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी' चुना गया। हीली को अप्रैल में क्राइस्टचर्च में महिला क्रिकेट विश्व कप फाइनल में 170 रन की मैच विजेता पारी खेली थी। यह विश्व कप के फाइनल मैच में किसी खिलाड़ी का सर्वोच्च स्कोर है। उन्होंने आईसीसी से जारी बयान में कहा कि मैं दो शानदार खिलाड़ियों से आगे रहते हुए 'महीने का पुरस्कार जीतने' को विनम्रता से स्वीकार करती हूं। दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर महाराज बांग्लादेश के खिलाफ

आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के तहत स्वदेश में खेली गयी श्रृंखला में टीम के जीत के नायक बनकर उभरे। उन्होंने दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला में 16 विकेट लिये जिसमें दोनों टेस्ट की दूसरी पारियों में उन्होंने सात-सात विकेट लिये थे। उनकी टीम दोनों मैच को बड़े अंतर से जीतने में सफल रही।

भारतीय मुक्केबाजों के लिए मिला-जुला ड्रॉ, पहले दिन अभियान शुरू करेंगी लवलीना

एजेंसी

इस्तांबुल। तुर्की के इस्तांबुल में 8 से 20 मई तक होने वाली आईबीए महिला विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप के 12वें संस्करण के लिए रविवार को भारतीय मुक्केबाजों को मिला-जुला ड्रा मिला। यह साल खास है क्योंकि रिकॉर्ड 93 देशों के 400 से अधिक मुक्केबाज इस चैम्पियनशिप में भाग लेने के लिए तैयार हैं। यह साल खास इसलिए है क्योंकि यह इस प्रतिष्ठित आयोजन की 20वीं वर्षगांठ का प्रतीक है। टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली लवलीना बोरगोहेन (70 किग्रा) सोमवार को भारत के अभियान की शुरुआत करेंगी, लेकिन उन्हें आगे जाने के लिए पूर्व विश्व चैंपियन चेन निएन-चिन के खिलाफ लड़ना होगा। विश्व चैंपियनशिप में 2018 और 2016 में क्रमशः स्वर्ण और कांस्य पदक जीतने वाली चीनी ताइपे की इस मुक्केबाज को ही लवलीना ने 2020 ओलंपिक खेलों के क्वार्टर फाइनल में हराया था और सेमीफाइनल में पहुंचकर अपने लिए कांस्य पदक पक्का किया था। दो बार की एशियाई चैम्पियन पूजा रानी (81 किग्रा), नंदिनी और निकहत जरीन को भी अपने-अपने वर्ग में कड़ा ड्रॉ दिया गया है। पूजा अंतिम-16 दौर में दो बार की विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता हंगरी की मुक्केबाज तिमिया नेगी से भिड़ेंगी, जबकि नंदिनी (+81 किग्रा) को पहले दौर में बाई मिली है, लेकिन क्वार्टर फाइनल में उनका सामना बीते संस्करण में कांस्य पदक जीतने वाली मोरक्को की खदीजा अल-मर्डी से होगा। दूसरी ओर, निकहत (52 किग्रा) पहले दौर में मैक्सिको की हेरेरा अल्वारेज़ से भिड़ेगी और अगर वह जीतने में सफल रहती हैं तो अंतिम-16 दौर में वह 2021 एशियाई चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता मंगोलिया की लुत्सैखान अल्तांटसेटसेग से भिड़ सकती हैं। जैसमीन (60 किग्रा) पहले दौर के मुकाबले में दो बार की युवा

एशियाई चैंपियन थाईलैंड की पोर्नटिप बुपा से भिड़ेंगी। अगर जैसमीन पहली बाधा पार करने में सफल होती हैं तो वह क्वार्टर फाइनल में विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीत चुकीं अमेरिका की रशीदा एलिस से भिड़ सकती है। अन्य भारतीयों खिलाड़ियों में अंकुशिता (66 किग्रा) को नीतू (48 किग्रा), अनामिका (50 किग्रा), शिक्षा (54 किग्रा), मनीषा (57 किग्रा), परवीन (63 किग्रा) और स्वीटी (75 किग्रा) के साथ तुलनात्मक रूप से आसान ड्रॉ हासिल किया है। अंकुशिता पहले दौर में बाई मिलने के बाद अंतिम-16 दौर के मुकाबले में अपनी चुनौती की शुरुआत करेंगी। भारतीय खिलाड़ियों ने इस प्रतिष्ठित वैश्विक आयोजन के 11 संस्करणों में अब तक नौ स्वर्ण, आठ रजत और 19 कांस्य सहित 36 पदक हासिल किए हैं। रूस (60) और चीन (50) के बाद के नाम सबसे अधिक पदक हैं। आईबीए महिला विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप का पिछला संस्करण 2019 में रूस में आयोजित किया गया था। उस समय भारतीय मुक्केबाजों ने एक रजत और तीन कांस्य पदक जीते थे। भारतीय टीम इस प्रकार हैः नीतू (48 किग्रा), अनामिका (50 किग्रा), निकहत जरीन (52 किग्रा), शिक्षा (54 किग्रा), मनीषा (57 किग्रा), जैसमीन (60 किग्रा), परवीन (63 किग्रा), अंकुशिता (66 किग्रा), लवलीना बोरगोहेन (70 किग्रा), स्वीटी (75 किग्रा), पूजा रानी (81 किग्रा), नंदिनी (+81 किग्रा)।

संक्षिप्त समाचार

रुपये की कीमत में रिकॉर्ड गिरावट, डॉलर के मुकाबले 77.31 के स्तर तक पहुंचा रुपया

नई दुनिया। निगेटिव ग्लोबल सेंटीमेंट्स के कारण रुपया डॉलर के मुकाबले रिकॉर्ड स्तर तक नीचे फिसल गया है। मुद्रा बाजार के इतिहास में आज पहली बार डॉलर की कीमत 77 रुपये के पार चली गई है। मुद्रा बाजार में रुपये ने आज 21 पैसे की कमजोरी के साथ पहली बार डॉलर के मुकाबले 77 रुपये नीचे जाकर 77.13 रुपये प्रति डॉलर के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। दोपहर बारह बजे रुपये की कीमत में और 18 पैसे की गिरावट आ गई। इस गिरावट के कारण डॉलर 77.31 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस साल की शुरुआत से ही अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों की वजह से रुपये की कीमत में लगातार गिरावट आ रही है। 2022 की शुरुआत से लेकर अभी तक रुपया करीब 4 प्रतिशत तक नीचे लुढ़क चुका है। सिर्फ पिछले एक हफ्ते के दौरान ही रुपये की कीमत में एक प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की जा चुकी है। जानकारों के मुताबिक अमेरिकी फ़ेडरल रिजर्व द्वारा पिछले सप्ताह ब्याज दरों में बढ़ोतरी करने की के बाद से ही विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) लगातार बिकवाली कर अपना पैसा भारतीय वजह से निकालने में लगे हुए हैं। मई के के पहले सप्ताह के चार कारोबारी दिनों में ही विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक अभी तक भारतीय बाजार से 6,400 करोड़ रुपये की निकासी कर चुके हैं। विदेशी निवेशकों द्वारा लगातार अपने पैसे की निकासी करने के कारण मुद्रा बाजार में डॉलर की मांग काफी बढ़ गई है। इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में आई जोरदार तेजी की वजह से भी डॉलर की मांग तेज बनी हुई है। मार्केट एनालिस्ट मयंक मोहन का कहना है कि रूस और यूक्रेन के बीच जारी जंग के कारण बनी वैश्विक तनाव की स्थिति, क्रूड ऑयल की कीमत में लगातार तेजी और ग्लोबल मार्केट में आई भारी गिरावट की वजह से पूरी दुनिया में मुद्रा की स्थिति पर दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। विदेशी निवेशक अपना पैसा समेटकर उसे सुरक्षित करने में लगे हैं। वहीं ऊंची कीमत पर क्रूड ऑयल की खरीद से भी देश के विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव बढ़ गया है। इन वजहों से ही भारतीय मुद्रा बाजार में रुपया लगातार गिरता चला जा रहा है। मयंक मोहन के मुताबिक अप्रैल के महीने में विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजार में 22.31 अरब डॉलर की बिकवाली की थी। भारत के पास मौजूद डॉलर के भंडार से इतनी बड़ी राशि निकल जाने के कारण भी भारतीय मुद्रा बाजार में जहां डॉलर की कीमत ऊपर चढ़ गई, वहीं रुपया टूट कर नीचे आ गया। अभी अंतरराष्ट्रीय हालात जिस तरह के बने हुए हैं, उसमें रुपये की कीमत में अभी और भी गिरावट आने की आशंका बनी हुई है।

कोरोना वायरस के कारण कई शहरों में बंद होने से चीन में निर्यात वृद्धि प्रभावित हुई

बीजिंग। कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए चीन में शंघाई समेत कई अन्य औद्योगिक शहरों में बंदी है जिससे दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ गया है, वहीं वैश्विक मांग कमजोर पड़ने के कारण अप्रैल में चीन की निर्यात वृद्धि भी धीमी पड़ी है। सीमा शुल्क के सोमवार को सामने आए आंकड़ों के मुताबिक निर्यात एक साल पहले की तुलना में 3.7 प्रतिशत बढ़कर 273.6 अरब डॉलर हो गया, जो मार्च की 15.7 प्रतिशत की वृद्धि से कम है। वहीं, कमजोर मांग को दर्शाते हुए, आयात 0.7 प्रतिशत बढ़कर 222.5 अरब डॉलर रहा। पिछले महीने भी वृद्धि एक प्रतिशत से कम थी। अमेरिका और अन्य प्रमुख बाजारों में उच्च मुद्रास्फीति और ब्याज दरों में बढ़ोतरी का भी चीन से निर्यात की मांग पर असर पड़ रहा है। चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी की कोविड के प्रति सख्त रणनीति के कारण शंघाई और अन्य औद्योगिक केंद्रों में ज्यादातर कारोबार बंद हैं। कैपिटल इकोनॉमिक्स की एक रिपोर्ट में जूलियन एवान्स प्रिटचार्ड कहते हैं, ''वायरस के कारण उत्पन्न व्यवधान से तो नुकसान हुआ ही है लेकिन निर्यात पर विदेशी मांग कमजोर पड़ने का असर है। हमारा अनुमान है कि निर्यात आने वाली तिमाहियों में और कम पड़ सकता है।''

पेट्रोल-डीजल के दाम 33वें दिन भी स्थिर

नयी दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत 110 डालर प्रति बैरल पार करने के बावजूद देश में तेल विपणन कंपनियों ने सोमवार को 33वें दिन भी पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं की है। सार्वजनिक क्षेत्र की देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) के अनुसार आज दिल्ली में पेट्रोल 105.41 रूपये प्रति लीटर और डीजल 96.67 रूपये प्रति लीटर पर स्थिर रहा। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 120.51 रूपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 104.77 रूपये प्रति लीटर पर स्थिर है। यूक्रेन तथा रूस के बीच जारी जंग से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में घट-बढ़ जारी है। अंतरराष्ट्रीय लंदन ब्रेंट क्रूड आज 0.46 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 112.39 डालर प्रति बैरल पर और अमेरिकी क्रूड 0.37 प्रतिशत चढ़कर 110.18 डालर प्रति बैरल की कीमत पर कारोबार कर रहा है। देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतें 137 दिन की स्थिरता के बाद गत 22 मार्च से बढ़नी शुरू हुई थीं। कंपनियों ने 43 दिन में 14 बार पेट्रोल और डीजल के दामों में वृद्धि की। इस दौरान इनके दामों में करीब 10 रुपये प्रति लीटर की तेजी आयी है।

सोने-चांदी की कीमतों में आई गिरावट

नई दिल्ली। सोमवार को सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। मल्टीकमोडिटी एक्सचेंज पर आज सोने की कीमत 0.10 फीसदी कम हो गई, वहीं दूसरी ओर चांदी के दाम में भी 0.07 फीसदी की गिरावट आई है। इस कमी के बाद सोने का भाव घटकर 51,292 रुपए प्रति दस ग्राम पर, जबकि चांदी की कीमत टूटकर 62,505 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है। यहां बता दें कि आभूषण बनाने के लिए ज्यादातर 22 कैरेट का ही इस्तेमाल होता है। कुछ लोग 18 कैरेट सोने का भी इस्तेमाल करते हैं। आभूषण पर कैरेट के हिसाब से हॉल मार्क बना होता है। 24 कैरेट सोने के आभूषण पर 999 लिखा होता है, जबकि 23 कैरेट पर 958, 22 कैरेट पर 916, 21 कैरेट पर 875 और 18 कैरेट पर 750 लिखा होता है। देश भर में सोने के आभूषणों की कीमत उत्पाद शुल्क, राज्य करों और मेकिंग चार्ज के कारण बदलती रहती है। आप अपने शहर सोने की कीमत मोबाइल पर भी चेक कर सकते हैं।

एलआईसी के आईपीओ को जबरदस्त रिस्पॉन्स, खुदरा निवेशकों ने बनाया आवेदन का नया रिकॉर्ड

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के पब्लिक इश्यू को निवेशकों ने हाथों हाथ लिया है। ये इश्यू आज दोपहर 12 बजे तक ही 2.11 गुना सब्सक्राइब हो चुका है। आईपीओ के जरिए पेश किए गए 16.20 करोड़ शेयर के एवज में अभी तक 33.32 करोड़ शेयर के लिए आवेदन आ चुके हैं। एलआईसी के लिए किए गए आवेदन के मामले में खुदरा निवेशकों की ओर से अभी तक 11.86 करोड़ आवेदन आ चुके हैं, जो जरूर शेयर बाजार के लिए एक नया रिकॉर्ड है। आपको बता दें कि 2008 में रिलायंस पावर के आईपीओ के दौरान खुदरा निवेशकों के कोटे में 4.8 करोड़ आवेदन आए थे। पिछले 14 सालों से ये रिकॉर्ड टूट नहीं सका था, लेकिन एलआईसी के शेयरों के लिए खुदरा निवेशकों के कोटे में आए आवेदनों ने रिलायंस पावर के रिकॉर्ड को काफी पीछे छोड़ दिया है। खुदरा निवेशकों के अलावा एलआईसी के आईपीओ के लिए निवेशकों की हर श्रेणी में जबरदस्त मांग बनी हुई है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के आंकड़ों के मुताबिक आज दोपहर 12 बजे तक एलआईसी के पॉलिसी होल्डर्स के कोटे में करीब साढे 5 गुना (5.46 गुना), एलआईसी कर्मचारियों के कोटे में 4.01 गुना, खुदरा निवेशकों के कोटे में 1.72 गुना, क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के कोटे में 1.17 गुना और गैर संस्थागत निवेशक (एनआईआई) के कोटे में 1.3 गुना सब्सक्रिप्शन अभी तक हो चुका है। एलआईसी के आईपीओ को लेकर आम लोगों के बीच जबरदस्त रुझान को देखते हुए वीकेंड होने के बावजूद शनिवार और रविवार को भी इस इश्यू की खरीदारी के लिए विशेष अनुमति दी गई थी।

जेट एयरवेज को गृह मंत्रालय से मिली सुरक्षा मंजूरी, कमर्शियल उड़ानें जल्द संभव

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने आगामी कुछ महीनों में फिर से कमर्शियल फ्लाइट्स के संचालन की योजना बना रही एयरलाइन जेट एयरवेज को सुरक्षा मंजूरी दे दी है। एक अधिकारिक दस्तावेज से इसकी जानकारी मिली है। जालान-कलरॉक कंसोर्टियम (संघ) वर्तमान में जेट एयरवेज का प्रवर्तक है। अपने पुराने अवतार में एयरलाइन का स्वामित्व नरेश गोयल के पास था जिसने 17 अप्रैल, 2019 को अपनी अंतिम उड़ान संचालित की थी। बीते गुरुवार को एयरलाइन ने हैदराबाद हवाई अड्डे से परीक्षण उड़ान संचालित करके 'हवाई संचालक' प्रमाणपत्र प्राप्त करने की दिशा में कदम बढ़ाया था। नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा 6 मई को एयरलाइन को भेजे गए एक पत्र में केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा

सुरक्षा मंजूरी देने की जानकारी दी गई थी। इस पत्र में सुरक्षा मंजूरी मिलने की पुष्टि करते हुए यह भी कहा गया है कि भविष्य में गृह मंत्रालय को प्रतिकूल जानकारी मिलने पर सुरक्षा मंजूरी को किसी भी समय वापस लिया जा सकता है। यह पत्र विमानन नियामक डीजीसीए और विमानन सुरक्षा नियामक बीसीएएस को भी भेजा गया है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय के समक्ष यह साबित करने के लिए पिछले बृहस्पतिवार को परीक्षण उड़ान संचालित की गई थी कि विमान और उसके घटक सामान्य रूप से काम कर रहे हैं। परीक्षण उड़ान के बाद एयरलाइन को 'साबित' उड़ानें संचालित करनी होती हैं, जिसके बाद डीजीसीए 'एयर ऑपरेटर' प्रमाणपत्र प्रदान करता है। वित्तीय संकट ने दो दशकों से अधिक समय तक उड़ानें संचालित करने वाली जेट एयरवेज को 17 अप्रैल, 2019 को परिचालन निलंबित करने के लिए मजबूर किया था। इसके बाद भारतीय स्टेट बैंक (ट्टउक्र) के नेतृत्व में ऋणदाताओं के एक संघ ने 8,000 करोड़ रुपए से अधिक की बकाया वसूली के लिए जून 2019 में एक दिवाला याचिका दायर की। अक्टूबर 2020 में, एयरलाइन की लेनदारों की समिति (सीओसी) ने ब्रिटेन की कलरॉक कैपिटल और संयुक्त अरब अमीरात स्थित उद्यमी मुरारी लाल जालान के संघ (कंसोर्टियम) द्वारा प्रस्तुत समाधान योजना को मंजूरी दी। जून 2021 में इस समाधान योजना को राष्ट्रीय कंपनी कानून अधिकरण (नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल) ने भी मंजूरी दे दी थी।

सुरक्षा बलों को अत्याधुनिक तकनीक उपलब्ध करा रही है सरकार : शाह

एजेंसी

नयी दिल्ली/गुवाहाटी। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि सरकार सीमाओं की सुरक्षा के लिए सुरक्षा बलों को अत्याधुनिक तकनीक उपलब्ध करा रही है।

श्री शाह ने सोमवार को असम में भारत-बंगलादेश सीमा पर स्थित मनकाचर चौकी का दौरा करने के बाद यह बात कही। केन्द्रीय गृह मंत्री ने बाद में ट्वीट कर कहा , असम में भारत-बांग्लादेश सीमा की मनकाचर चौकी का दौरा कर सुरक्षा व्यवस्था व समग्र एकीकृत सीमा प्रबंधन प्रणाली की समीक्षा की। मोदी सरकार देश की सीमाओं को सुरक्षित करने के लिए हमारे सुरक्षा बलों को आधुनिक से आधुनिक तकनीक उपलब्ध करा रही है। सीमावर्ती क्षेत्रों में विकास की सरकार की नीति का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा , सीमावर्ती क्षेत्रों की सबसे बड़ी समस्या विकास का अभाव था जिससे वहाँ पलायन होता था। मोदी सरकार वहाँ निरंतर विकास पहुँचा रही है, जिससे पलायन में बहुत कमी आई है। आज मनकाचर चौकी (असम) के सीमावर्ती क्षेत्र में रहने वाले लोगों के उत्साह व विश्वास को देखकर मन को बहुत प्रसन्नता हुई। उल्लेखनीय है कि श्री शाह तीन दिन के दौरे पर रविवार को असम गये थे। पूर्वोत्तर राज्यों में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और प्रदेश पुलिस के सेंट्रल वर्कशाप तथा भंडार की नींव रखने के बाद तमालपुर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए श्री शाह ने कहा, ह्लसात साल पहले पूर्वोत्तर क्षेत्र में हिंसा की राजनीति चलती थी। हम सत्ता में आये और हमने कई शांति समझौतों पर हस्ताक्षर किये , जिसके बाद नौ हजार से अधिक उग्रवादियों ने आत्मसमर्पण कर समाज की मुख्यधारा में शामिल हुए हैं।ङ्क उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार ने क्षेत्र से आतंकवाद को खत्म करने का अपना वादा निभाया है। उन्होंने कहा कि 2020 में नेशनल डेमोक्रेटिक फ्रंट ऑफ बोडोलैंड (एनडीएफबी) और केंद्र के बीच बोडो शांति समझौते के 90 प्रतिशत से अधिक वादों को कम अंतराल में ही केंद्र ने पूरा कर दिया है। उन्होंने बोडो लोगों को उनकी सामाजिक, सांस्कृतिक, भाषाई और जातीय पहचान की रक्षा करने का आश्वासन दिया। केंद्रीय मंत्री ने कि बीटीआर क्षेत्र के समग्र विकास के लिए केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर काम कर रही हैं तथा केंद्र पहले ही बोडो प्रादेशिक क्षेत्र के विकास के लिए 1500 करोड़ रुपये के विशेष पैकेज को मंजूरी दे चुकी है। आत्मनिर्भर भारत के मुद्दे पर चर्चा करते हुए उन्होंने असम के जनजातीय क्षेत्रों में स्थानीय लोगों को बड़े पैमाने पर शहद उत्पादन की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए खादी उत्पादों को बढ़ावा देने का भी आह्वान किया।

राशिफल

मेष : आज बढ़िया दिन है जब आप सबके ध्यान को अपनी तरफ़ खींचेंगे।

वृष : आज आप अपने मनमौजी बर्ताव पर क़ाबू रखें, क्योंकि यह आपकी दोस्ती को बर्बाद कर सकता है। अपनी पेशेवर क्षमताओं को बढ़ाकर आप करिअर में नए दरवाज़े खोल सकते हैं।

मिथुन : आज सैर-सपाटे पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है, जो आपकी ऊर्ज़ा और उत्साह को तरोताज़ा कर देगा।

कर्क : आज अगर आप अपने आकर्षण और होशियारी का इस्तेमाल करें, तो लोगों से मनचाहा व्यवहार लाभ पा सकते हैं।

सिंह : आज व्यवसायियों के लिए अच्छा दिन है, क्योंकि उन्हें अचानक बड़ा फ़ायदा हो सकता है।

कन्या : आज प्यार का बुख़ार आपके सर पर चढ़ने के लिए तैयार है। इसका अनुभव कीजिए। आप जीतोड़ मेहनत और धीरज के बल पर अपने उद्देश्य हासिल कर सकते हैं।

तुला : आज पिता का तल्ख़ बर्ताव आपको नाराज़ कर सकता है। लेकिन हालात को नियंत्रण में रखने के लिए शांत रहें। इससे आपको ही फ़ायदा होगा।

वृश्चिक : आज आप दफ़्तर में माहौल में बेहतरी और कामकाज के स्तर में सुधार को महसूस कर सकते हैं।

धनु : आज के दिन किसी के साथ मजाक करने से बचें। रचनात्मक कामों से जुड़े लोगों के लिए बेहतरीन दिन है।

मकर : आज आपका सामना कई नई आर्थिक योजनाओं से होगा- कोई भी फ़ैसला करने से पहले अच्छाईयों और कमियों पर सावधानी से ग़ौर फ़रमाएँ।

कुम्भ : आज आप शरारती मनोदशा में होंगे। अचानक आए ख़र्चे आर्थिक बोझ बढ़ा सकते हैं। आपके नज़दीकी लोग निजी जीवन में परेशानियाँ खड़ी कर सकते हैं।

मीन : आज बच्चों के साथ वाद-विवाद झुंझलाहट पैदा करेगा। एक प्यारी-सी मुस्कुराहट से अपने प्रेमी का दिन रोशन करें।

चिंतन शिविर में व्यापक संगठनात्मक बदलाव के लिए काम होगा : कांग्रेस

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि पार्टी की सर्वोच्च नीति निर्धारक संस्था कार्य समिति ने 'संकल्प चिंतन शिविर' की तैयारियों और इसमें विचार के लिए रखे जाने वाले सभी छह मुद्दों पर में गहन विचार विमर्श कर बदलते परिवेश के अनुकूल पार्टी के संविधान में बदलाव करने और केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के लिए अलग विभाग बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है।

कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख रणदीपसिंह सुरजेवाला ने बैठक के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा कि इस शिविर में पहुंचने वाले प्रतिनिधियों में 50 प्रतिशत युवाओं को रखा गया है जिनमें 30 प्रतिशत प्रतिनिधि 40 साल से कम उम्र के हैं और 21 प्रतिशत महिलाएं शामिल हैं। शिविर में शामिल होने वाले कुल सदसयों की संख्या 422 है और इस तरह से शिविर के लिए 422 प्रतिनिधियों को जाने की मंजूरी दी गई है जिसके कारण यह शिविर तरुणाई और तजुर्बे का अनूठा मिश्रण बन रहा है।

उन्होंने कहा कि शिविर में इसके अलावा डिजिटल सदस्यता अभियान के लिए कांग्रेस के संविधान में बदलाव करने का भी निर्णय लिया गया है और इस बदलाव को भी बैठक में अनुमोदित किया गया है। इसके अलावा केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख की संप्रभुता पर पड़ोसी देश ने जबरन कब्जा किया है और उसकी संप्रभुता के लिए पार्टी ने एक अलग विभाग बनाने का प्रस्ताव पारित किया है।

पार्टी प्रवक्ता जयराम रमेश ने कहा कि पार्टी ने सबको बहुत कुछ दिया है और अब समय आया है कि पार्टी को उसका कर्ज लौटाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिविर का लक्ष्य कांग्रेस के लिए नये एक्शन प्लान की तैयारी कर एक नये रोड मैप को सामने रखना है और जनता की आकांक्षाओं के अनुरूप कांग्रेस की नयी भूमिका की तैयारी कर लोगों की आकांक्षाओं पर खरा उतरना है और बदलते समय के अनुरूप संगठन में परिवर्तन कर नये संकल्प के साथ देश पर सरकार के आक्रमण का सामना करना है।

सामाजिक न्याय को बढ़ावा देती हैं बेहतर स्वास्थ्य सुविधायें : मांडविया

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मांडविया ने स्वास्थ्य सेवा को सुलभ, सस्ती और अनुकूल बनाने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा है कि बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं केवल बीमारियों के उपचार तक ही सीमित नहीं हैं बल्कि ये सामाजिक न्याय को प्रोत्साहन और बढ़ावा भी देती हैं।

श्री मांडविया ने सोमवार को यहां लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज और संबद्ध अस्पताल में नए ओपीडी एवं आईपीडी ब्लॉक का उद्घाटन करते हुए कहा कि सरकार का लक्ष्य स्वास्थ्य क्षेत्र में समग्र रूप से तालमेल के साथ काम करना है जिससे सभी वर्गों को निवारक स्वास्थ्य देखभाल और आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। इस अवसर पर केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री डॉ भारती प्रवीण पवार भी उपस्थित थीं। श्री मांडविया ने कहा कि देश 'टोकन' से 'समग्र' दृष्टिकोण की ओर बढ़ गया है। उन्होंने कहा,ह्ल केंद्र सरकार का लक्ष्य निवारक स्वास्थ्य देखभाल और आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के बीच तालमेल के साथ स्वास्थ्य क्षेत्र में समग्र रूप से काम करना है। गरीबों के इलाज का खर्चा कम करने के साथ ही डॉक्टरों की संख्या में तेजी से इजाफा करने का भी प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस दिशा में समग्र रूप से सोचने और लंबी अवधि के लिए योजना बनाने की जरूरत है। देश के स्वास्थ्य ढांचे के संबंध में समग्रता से सोचने की आवश्यकता है। केंद्र के किसी भी कार्यक्रम के क्रियान्वयन में राज्य बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि गुजरात के केवड़िया में आयोजित पिछले तीन दिनों के स्वास्थ्य चिंतन शिविर के दौरान, सभी राज्य के स्वास्थ्य मंत्रियों ने अपनी सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा किया और इस बारे में बहुत उपयोगी चर्चा की। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि सरकार की कोई भी कार्ययोजना, कार्यक्रम या योजना के क्रियान्वयन के लिए जनभागीदारी बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, ह्ल स्वास्थ्य सुविधाओं को सुलभ, सस्ती और रोगी के अनुकूल बनाना बहुत महत्वपूर्ण है। हमारे प्रयास राष्ट्र की उन्नति की दिशा में होने चाहिए। राष्ट्र को हमेशा पहले आना चाहिए। डॉ पवार ने कहा कि यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं केवल बीमारियों के इलाज तक ही सीमित नहीं हैं। ये सामाजिक न्याय को प्रोत्साहन और बढ़ावा भी देती हैं। जब गरीबों को सस्ता और गुणवत्तापूर्ण इलाज मिलता है, तो व्यवस्था में उनका विश्वास मजबूत होता है। अस्पताल में नया आईपीडी ब्लॉक के चालू हो जाने से बिस्तरों की संख्या 877 से बढ़ाकर 1000 से ज्यादा हो जायेंगी। नये मल्टी-स्पेशियलिटी ओपीडी ब्लॉक में सभी चिकित्सा और शल्य चिकित्सा विशेषताओं, आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा और होम्योपैथी सहित समग्र स्वास्थ्य देखभाल के लिए सुविधाएं हैं।

'असानी' के चक्रवाती तूफान में बदलने की संभावना: मौसम विभाग

भुवनेश्वर। बंगाल की पश्चिम मध्य खाड़ी और उससे सटे इलाकों के ऊपर बना चक्रवात 'असानी' के अगले 24 घंटे में कमजोर होकर चक्रवाती तूफान में बदलने की संभावना है। मौसम विभाग ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। यह तूफान पिछले कुछ घंटों में 16 किमी प्रति घंटे की गति से उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ गया है और यह पुरी (ओडिशा) से लगभग 610 किमी दक्षिण में केंद्रित है। इसके 10 मई तक उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और उत्तर आंध्र प्रदेश और ओडिशा के तटों से होकर पश्चिम मध्य और इससे सटे उत्तर पश्चिमी बंगाल की खाड़ी तक पहुंचने की संभावना है। इसके बाद, इसके उत्तर-उत्तर-पूर्व की ओर मुड़ने और ओडिशा तट से दूर बंगाल की उत्तर-पश्चिमी खाड़ी की ओर बढ़ने की संभावना है। मौसम विभाग के सूत्रों ने कहा है कि इसके अगले 24 घंटों में धीरे-धीरे कमजोर होकर चक्रवाती तूफान में बदलने की संभावना है। इसके प्रभाव से ओडिशा के तटीय जिलों में कई स्थानों पर और मयूरभंज, ढेंकनाल, कंधमाल, रायगढ़, कोरापुट, मलकानगिरी जिलों में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है।

कोविंद की ऐतिहासिक यात्रा से पहले जयशंकर ने की जमैका के विदेश मंत्री से बातचीत

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की 15 से 21 मई तक जमैका और सेंट विंसेंट एंड ग्रेनाडाइन्स की यात्रा से पहले विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को जमैका की विदेश मंत्री कैमिना जे स्मिथ के साथ बैठक की तैयारियों पर चर्चा की। यह राष्ट्रपति की दोनों कैरेबियाई देशों की पहली यात्रा है। डॉ. जयशंकर ने एक ट्वीट में कहा कि उन्होंने जमैका की विदेश मंत्री के साथ राष्ट्रमंडल महासचिव पद के लिए उनकी उम्मीदवारी पर चर्चा की। जमैका की विदेश मंत्री से बात करके अच्छा लगा। राष्ट्रपति की जमैका की ऐतिहासिक यात्रा की तैयारियों पर चर्चा की। राष्ट्रमंडल महासचिव के लिए उनकी (सुश्री स्मिथ की) उम्मीदवारी से अवगत कराया गया। उनकी मजबूत साख और दूरदृष्टि राष्ट्रमंडल के भविष्य के लिए शुभ संकेत है। जमैका की विदेश मंत्री ने एक ट्वीट में श्री कोविंद की आगामी यात्रा के बारे में पोस्ट करते हुए कहा कि यह ऐतिहासिक यात्रा दोनों पक्षों के बीच 60 साल के राजनयिक संबंधों की को मान्यता दिये जाने का हिस्सा है। उन्होंने कहा, जमैका भारत के माननीय राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविंद का गर्मजोशी से स्वागत करने के लिए तत्पर है। यह ऐतिहासिक यात्रा आज से ठीक एक सप्ताह बाद शुरू होगी और जमैका-भारत राजनयिक संबंधों के 60 साल पूरा होने का यादगार अवसर भी है। सुश्री स्मिथ ने 21 अप्रैल को औपचारिक रूप से लंदन में राष्ट्रमंडल के महासचिव के लिए जमैका की उम्मीदवारी की शुरुआत की। महासचिव की नियुक्ति पर निर्णय इस वर्ष 20 से 25 जून तक रवांडा के किगाली राष्ट्रमंडल शासनाध्यक्षों की बैठक के दौरान लिया जाना है। श्री कोविंद 15 से 18 मई तक जमैका में रहेंगे, इस दौरान वह अपने समकक्ष, जमैका के गवर्नर जनरल सर पैट्रिक एलन के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता करेंगे। वह प्रधानमंत्री एंड्रयू होल्नेस और अन्य गणमान्य व्यक्तियों से भी मुलाकात करेंगे। वह जमैका की संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगे। गौरतलब है कि जमैका और भारत के मैत्रीपूर्ण संबंध हैं। जमैका भी गिरमिटिया देशों में से एक है जिसमें 70,000 मजबूत भारतीय प्रवासी हैं, जो भारत के साथ एक जीवंत सेतु के रूप में कार्य करते हैं। इस वर्ष भारत और जमैका के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 60 वीं वर्षगांठ के अवसर पर हो रही यह यात्रा मील का पत्थर साबित होगी। भारत और जमैका इस वर्ष क्रमशः अपनी स्वतंत्रता की 75वीं और 60वीं वर्षगांठ मना रहे हैं।

देश में 24 घंटे में 3,410 लोग कोविड मुक्त हुए

नयी दिल्ली। देश में कोरोना संक्रमण के मामलों में उतार-चढ़ाव के बीच पिछले 24 घंटे में 3,410 लोग कोविड मुक्त हुए, जिसक साथ ही इस बीमारी से स्वस्थ होने वालों का आकड़ा बढ़कर 42560905 हो गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि देश अब तक एक अरब 90 करोड़ 34 लाख 90 हजार 396 कोविड टीके दिये जा चुके हैं। इस समय देश में कोरोना के सक्रिय मामलों की दर 0.05 प्रतिशत, रिकवरी रेट 98.74 फीसदी तथा मृत्यु दर 1.22 प्रतिशत है। देश में पिछले 24 घंटों में कोरोना के संक्रमण 3,207 नये मामले सामने आये हैं। इसके साथ ही देश में कुल संक्रमितों की संख्या चार करोड़ 31 लाख पांच हजार 401 हो गयी हैं। इस दौरान 29 और मरीजों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 524093 हो गया है। राष्ट्रीय राजधानी में सक्रिय मामले 16 घटकर 5,939 रह गए हैं। वहीं 1,438 और लोगों के स्वस्थ होने के बाद इससे निजात पाने वाले लोगों का आंकड़ा 18,62,136 पर पहुंच गया जबकि मृतकों की संख्या 26,179 पर स्थिर है। उत्तर प्रदेश में पिछले 24 घंटों के दौरान 429 सक्रिय मामले घटकर 1,607 हो गयी। राज्य में इस दौरान महामारी से 513 और मरीजों के उबरने से कोरोना से मुक्त होने वालों की कुल संख्या 20,51,245 हो गयी। इस दौरान मृतकों की संख्या बढ़कर 23,510 हो गई है। हरियाणा में सक्रिय मामले 50 बढ़कर 2,700 हो गये हैं।

पेज एक का शेष

उदयुपर चिंतन शिविर...

15 मई को उदयपुर में आयोजित किया जा रहा है जिसमें लगभग 400 सहयोगी भाग लेंगे। चिंतन शिविर महज एक अनुष्ठान न बने बल्कि इसमें पार्टी के सामने आने वाली वैचारिक, चुनावी और प्रबंधन संबंधी चुनौतियों से निपटने के लिए पार्टी संगठन को पुनर्गठित कर नई शुरुआत करनी है। कांग्रेस नेता ने कहा कि शिविर से संदेश प्रमुखता से जाना चाहिए कि पार्टी नये जोश के साथ त्वरित प्रभाव से आगे बढने को तैयार है और इसके लिए उसके सभी नेता और कार्यकर्ताओं एकजुट, दृढ़ संकल्प और प्रतिबद्धता हैं। शिविर में जिन 400 प्रतिनिधियों को बुलाया गया है वे सभी वरिष्ठ नेता हैं और पार्टी संगठन के साथ ही केंद्र सरकार में दूसरे महत्वपूर्ण पदों पर काम कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि चिंतन शिविर में छह खंडों में विचार-विमर्श होगा जिनमें राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक न्याय, किसान, युवा और संगठनात्मक मुद्दों को उठाया जाएगा इन मुद्दों के बारे में प्रतिनिधियों को पहले ही सूचित किया जा चुका है। सभी मुद्दों पर विचार विमर्श के बाद 15 मई को कार्य समिति की बैठक में मंजूरी मिलने के बाद उदयपुर नव संकल्प को अपनाया जाएगा।

श्रीलंका के प्रधानमंत्री...

चाहिए। गौरतलब है कि श्रीलंका में आर्थिक हालात इतने खराब हो चुके हैं कि लोग भुखमरी की कगार पर हैं। खाने-पीने की चीजों के दाम आसमान छू रहे हैं। लोग सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतर गए हैं। मजदूर और व्यापारिक संगठनों ने सरकार के खिलाफ हड़ताल कर दी है। पिछले हफ्ते छात्रों ने सरकार के खिलाफ श्रीलंका की संसद में घुसने की कोशिश की थी। इन्हें रोकने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले और पानी की बौछार करनी पड़ी थी। लोगों में सरकार के खिलाफ जबर्दस्त गुस्सा और आक्रोश है। लोग प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति दोनों के इस्तीफ़े की मांग कर रहे हैं। दूसरी तरफ श्रीलंका सरकार के सभी मंत्री अपने पद से इस्तीफा दे चुके हैं। सरकार ने विपक्षी नेताओं से अपील की थी कि वो मंत्री बनकर सरकार चलाने में मदद करें लेकिन विपक्ष ने भी हाथ खड़े कर लिए थे।

शाहीन बाग में अतिक्रमण...

न कि कोई पार्टी हित में। इस पर न्यायमूर्ति राव ने पूछा, आपको बेहतर सलाह दी जाएगी कि आप उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाएं। इसे ऐसा मंच न बनाएं और किसी राजनीतिक दल की ओर से न आएं। श्री सुरेंद्रनाथ ने जवाब दिया, प्रभावित पक्षों को कोई नोटिस जारी नहीं किया गया या सांस लेने का समय भी नहीं दिया गया है। वे इमारतों को ध्वस्त कर रहे हैं। उन्होंने इस मुद्दे पर न्यायालय से तत्काल निर्देश देने की मांग की। नयी दिल्ली नगर परिषद (एनडीएमसी) की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा, कृपया देखें कि किस तरह की गलत बयानी राजनीतिक प्रचार पैदा करने वाली है। सार्वजनिक सड़क से अतिक्रमण हटाना नियमित है और नोटिस की आवश्यकता नहीं है। श्री मेहता ने कहा, यह स्क्रैप-होल्डिंग को हटाना है, जैसे कि सड़क पर बाहर टेबल कुर्सियों को दुकान मालिक खुद हटा देते हैं लेकिन उन्हें जानकारी कहां से मिल रही है कि इमारतें गिरायी जा रही हैं? उच्चतम न्यायालय ने याचिकाकर्ता को उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने के लिए कहा। न्यायालय ने कहा, जो लोग पीड़ित हैं, वे उचित मंच से संपर्क कर सकते हैं।

सीमा विवादों के...

वास्तविक नियंत्रण रेखा पर दृढता के साथ डटे हैं और वहां पर किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त बल तैनात हैं। उन्होंने कहा , ह्ल वास्तविक नियंत्रण रेखा के साथ साथ हमारे जवान महत्वपूर्ण पोजीशन पर बैठे हैं और उन्हें सख्त निर्देश है कि यथास्थिति में बदलाव की किसी भी कोशिश को विफल करना है। उन्होंने कहा कि पूर्वी लद्दाख और अन्य सीमा विवादों का समाधान कूटनीतिक और सैन्य बातचीत से ही संभव है और अब तक 15 दौर की बातचीत से उत्तरी और दक्षिणी पेगोंग झील , गोगरा तथा गलवान घाटी जैसे क्षेत्रों में मुद्दों का समाधान भी हुआ है। उन्होंने कहा कि टकराव के अन्य मुद्दों का समाधान भी बातचीत से ही संभव होगा। उन्होंने कहा ,ह्ल हम निरंतर बातचीत कर रहे हैं और यही एक तरीका है। एक अन्य सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि सैन्य कूटनीति भी विदेश कूटनीति का हिस्सा है और ये दोनों एक दूसरे के पूरक हैं। इन्हें अलग अलग नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विभिन्न देशों की सेनाओं के साथ संयुक्त सैन्य अभ्यास तथा आदान प्रदान के अन्य कार्यक्रम सैन्य कूटनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और इस क्षेत्र में काफी संभावनाएं हैं।

समाज के अंतिम व्यक्ति...

कराया है और 97,227 दावों के लिए 1,930 करोड़ रुपये की धनराशि का भुगतान किया जा चुका है। 4 करोड़ से अधिक लोग एपीवाई योजना के सदस्य बने हैं। इस अवसर पर केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री डॉ. भागवत किशनराव कराड ने सभी बैंकों और बीमा कंपनियों को इन योजनाओं के सफल कार्यान्वयन के लिए बधाई देते हुये उनसे अनुरोध किया कि वे उसी उत्साह और समर्पण के साथ इन योजनाओं के लिए काम करना जारी रखें, जब-तक कि अंतिम व्यक्ति को कवर नहीं किया जाता। उन्होंने कहा कि आगे बढ़ते हुए, जैसा कि माननीय प्रधानमंत्री ने पिछले स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में घोषणा की थी, हमारा प्रयास यह सुनिश्चित करना है कि देश में प्रत्येक पात्र व्यक्ति को बीमा और पेंशन की इन सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के तहत कवर किया गया है। पीएमजेजेबीवाई एक साल की जीवन बीमा योजना है, जिसका नवीकरण प्रत्येक वर्ष होता है और यह किसी भी कारण से होने वाली मौत के लिए कवरेज प्रदान करती है। 18-50 वर्ष आयु वर्ग के बचत बैंक या डाकघर के खाताधारक व्यक्ति इस योजना के तहत पंजीकरण के पात्र हैं। 50 वर्ष की आयु से पहले योजना में शामिल होने वाले लोग प्रीमियम का भुगतान करने पर जीवन के जोखिम का कवरेज 55 वर्ष की आयु तक प्राप्त कर सकते हैं। 330 रुपये के वार्षिक प्रीमियम भुगतान पर 2 लाख रुपये का जीवन बीमा कवर, चाहे मृत्यु किसी भी कारण से हुई हो। पीएमएसबीवाई एक साल की दुर्घटना बीमा योजना है, जिसका प्रत्येक साल नवीकरण किया जाता है और यह दुर्घटना के कारण हुई मृत्यु या दिव्यांगता के लिए कवरेज प्रदान करता है। बचत बैंक या डाकघर में खाताधारक 18-70 वर्ष के व्यक्ति इस योजना के तहत पंजीकरण के पात्र हैं। दुर्घटना के कारण हुई मृत्यु या दिव्यांगता के लिए 2 लाख रुपये (आंशिक दिव्यांगता के मामले में 1 लाख रुपये) का दुर्घटना मृत्यु सह दिव्यांगता कवर। एपीवाई सभी भारतीयों, विशेष रूप से गरीबों, वंचितों और असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए एक सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा प्रणाली के निर्माण के लिए शुरू की गई थी। यह असंगठित क्षेत्र के लोगों के लिए वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने और भविष्य की जरूरतों को पूरा करने के लिए सरकार की एक पहल है। एपीवाई को राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के समग्र प्रशासनिक और संस्थागत ढांचे के तहत पेंशन कोष नियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) द्वारा प्रबंधित किया जाता है। एपीवाई 18 से 40 वर्ष आयु के सभी बैंक खाताधारकों के लिए खुली है और चुनी गई पेंशन राशि के आधार पर अंशदान की धनराशि अलग-अलग होती है। गरीब लोगों को सुविधाएं प्रदान करने का उल्लेख करते हुये वित्त मंत्री ने कहा कि आज, गरीब से गरीब व्यक्ति भी पीएमजेजेबीवाई के तहत 2 लाख रुपये का जीवन बीमा कवर प्रति दिन 1 रुपया से कम पर और पीएमएसबीवाई के तहत 2 लाख रुपये का दुर्घटना बीमा भी प्रति दिन एक रुपया से कम पर प्राप्त कर सकता है। 18 से 40 वर्ष आयु वर्ग के सभी नागरिक न्यूनतम 42 रुपये प्रति माह का भुगतान करके 60 वर्ष की आयु के बाद पेंशन प्राप्त कर सकते हैं।

पीएमजेजेबीवाई के माध्यम से नागरिकों को विशेष रूप से कोविड-19 महामारी के दौरान सुविधा के साथ सुरक्षा प्रदान करने के बारे में श्रीमती सीतारमण ने कहा कि पीएमजेजेबीवाई के तहत, योजना की शुरुआत से अब-तक 12.76 करोड़ व्यक्तियों ने जीवन बीमा के लिए पंजीकरण कराया है और 5,76,121 व्यक्तियों के परिवारों को योजना के तहत कुल 11,522 करोड़ रुपये मूल्य के दावे प्राप्त हुए हैं। यह योजना महामारी के दौरान कम आय वाले परिवारों के लिए अत्यंत उपयोगी साबित हुई है, क्योंकि वित्त वर्ष 2021 में, भुगतान किए गए कुल दावों में लगभग 50 प्रतिशत कोविड-19 से हुई मौतों से सम्बंधित थे। महामारी की अवधि के दौरान दावों के त्वरित और आसान निपटान के लिए दावा निपटान प्रक्रिया में बड़े बदलाव किये गए। दावों के आसान निपटान के लिए शुरू किये गये ये बदलाव अभी भी जारी हैं। महामारी की शुरुआत के बाद से एक अप्रैल, 2020 से 23 फरवरी, 2022 तक, कुल 2.10 लाख दावों के लिए 4,194.28 करोड़ रुपये की धनराशि का भुगतान किया गया। दावों को निपटाने की दर 99.72 प्रतिशत रही।

वित्त मंत्री ने कहा कि इसी तरह, पीएमएसबीवाई के शुभारंभ के बाद से 28.37 करोड़ लोगों ने दुर्घटना कवर के लिए पंजीकरण कराया है और 97,227 दावों के लिए 1,930 करोड़ रुपये की धनराशि का भुगतान किया जा चुका है। 4 करोड़ से अधिक लोग एपीवाई योजना के सदस्य बने हैं।

इस अवसर पर केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री डॉ. भागवत किशनराव कराड ने सभी बैंकों और बीमा कंपनियों को इन योजनाओं के सफल कार्यान्वयन के लिए बधाई देते हुये उनसे अनुरोध किया कि वे उसी उत्साह और समर्पण के साथ इन योजनाओं के लिए काम करना जारी रखें, जब-तक कि अंतिम व्यक्ति को कवर नहीं किया जाता। उन्होंने कहा कि आगे बढ़ते हुए, जैसा कि माननीय प्रधानमंत्री ने पिछले स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में घोषणा की थी, हमारा प्रयास यह सुनिश्चित करना है कि देश में प्रत्येक पात्र व्यक्ति को बीमा और पेंशन की इन सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के तहत कवर किया गया है। पीएमजेजेबीवाई एक साल की जीवन बीमा योजना है, जिसका नवीकरण प्रत्येक वर्ष होता है और यह किसी भी कारण से होने वाली मौत के लिए कवरेज प्रदान करती है। 18-50 वर्ष आयु वर्ग के बचत बैंक या डाकघर के खाताधारक व्यक्ति इस योजना के तहत पंजीकरण के पात्र हैं। 50 वर्ष की आयु से पहले योजना में शामिल होने वाले लोग प्रीमियम का भुगतान करने पर जीवन के जोखिम का कवरेज 55 वर्ष की आयु तक प्राप्त कर सकते हैं। 330 रुपये के वार्षिक प्रीमियम भुगतान पर 2 लाख रुपये का जीवन बीमा कवर, चाहे मृत्यु किसी भी कारण से हुई हो। पीएमएसबीवाई एक साल की दुर्घटना बीमा योजना है, जिसका प्रत्येक साल नवीकरण किया जाता है और यह दुर्घटना के कारण हुई मृत्यु या दिव्यांगता के लिए कवरेज प्रदान करता है। बचत बैंक या डाकघर में खाताधारक 18-70 वर्ष के व्यक्ति इस योजना के तहत पंजीकरण के पात्र हैं। दुर्घटना के कारण हुई मृत्यु या दिव्यांगता के लिए 2 लाख रुपये (आंशिक दिव्यांगता के मामले में 1 लाख रुपये) का दुर्घटना मृत्यु सह दिव्यांगता कवर। एपीवाई सभी भारतीयों, विशेष रूप से गरीबों, वंचितों और असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए एक सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा प्रणाली के निर्माण के लिए शुरू की गई थी। यह असंगठित क्षेत्र के लोगों के लिए वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने और भविष्य की जरूरतों को पूरा करने के लिए सरकार की एक पहल है। एपीवाई को राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के समग्र प्रशासनिक और संस्थागत ढांचे के तहत पेंशन कोष नियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) द्वारा प्रबंधित किया जाता है। एपीवाई 18 से 40 वर्ष आयु के सभी बैंक खाताधारकों के लिए खुली है और चुनी गई पेंशन राशि के आधार पर अंशदान की धनराशि अलग-अलग होती है।

शाओमी पर हुई ईडी की कार्रवाई से बौखलाया ड्रैगन, भारत को ही देने लगा है नसीहत

एजेंसी

बीजिंग। चीन की स्वामित्व वाली मोबाइल कंपनी शाओमी पर हुई प्रवर्तन निदेशालय/ईडी की कार्रवाई से चीन बौखलाया हुआ है। चीन ने अपने मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स के जरिए भारत पर इसको लेकर निशाना साधने की भी कोशिश की है। दरअसल, ग्लोबल टाइम्स में भारत को शाओमी कंपनी के अधिकारियों द्वारा ईडी पर लगाए गए आरोपों पर घेरने की कोशिश की है। इसमें कहा गया है कि भारत को अधिकारियों के साथ दुर्व्यवहार नहीं करना चाहिए था, इसको रोका जाना चाहिए। बता दें कि साओमी कंपनी ने ईडी पर आरोप लगाया है कि उन्होंने जांच के दौरान उनके साथ दुर्व्यवहार किया और मारपीट की। इतना ही नहीं, कंपनी के शीर्ष पदाधिकारी ने कोर्ट में कहा है कि पूछताछ के दौरान उन्हें धमकी तक दी गई। हालांकि, ईडी ने

शाओमी कंपनी द्वारा लगाए गए सभी आरोपों को सिरे से खारिज किया है। जांच एजेंसी का कहना है कि मोबाइल कंपनी ने इस तरह के आरोप बड़ी चतुराई के साथ लगाए हैं। ग्लोबल टाइम्स के रविवार संस्करण में प्रकाशित ओपेनियन में इस पूरे प्रकरण को लेकर भारत को कटघरे में खड़ा करने की कोशिश की गई है। इसमें ये भी कहा गया है कि भारत को चीन की कंपनियों के खिलाफ इस तरह की कार्रवाई को रोकना चाहिए। इस ओपेनियन में यहां तक कहा गया है कि इस तरह की कार्रवाई ये दर्शाती है कि भारत जानबूझकर चीन समेत दूसरी विदेशी कंपनियों के खिलाफ शिकंजा कस रहा है। इस तरह की कार्रवाई दोनों देशों के संबंधों पर प्रतिकूल असर डाल सकती है। ग्लोबल टाइम्स में प्रकाशित ओपिनियन में भारत को सलाह देते हुए कहा गया है कि भारत को चीन के निवेशकों के साथ संबंधों को मजबूत करने और आपसी संवाद को बनाए रखने की कोशिश करनी चाहिए, जिससे संबंध मधुर बने रह सकें। अखबार में छपे ओपिनियन के मुताबिक, वर्ष 2020 में भारत-चीन सीमा पर उभरे तनाव के बावजूद कई सारी चीन की कंपनियां निवेश करने और बढ़ाने की जद्दोजहद में लगी हैं। इसमें चीन के कई ऐप पर लगे प्रतिबंधों के बाबत कहा गया है कि कंपनियां अपनी सुरक्षा को लेकर चिंता में हैं। भारत में टिक-टाक समेत तीन सौ से अधिक चीनी ऐप को प्रतिबंधित कर दिया गया है। इसके अलावा निवेश के लिए भी कई तरह के कड़े नियम बनाए गए हैं। रायटर की खबर में कहा गया है कि ग्लोबल टाइम्स सरकार का मुखपत्र जरूर है, लेकिन ये जरूरी नहीं है कि ये अधिकारियों और नीतिनिर्धारकों की सोच को भी रिफ्लेक्ट करता हो। वहीं, दूसरी तरफ ईडी ने ग्लोबल टाइम्स में छपे इस ओपिनियन पर फिलहाल कोई बयान नहीं दिया है। गौरतलब है कि शाओमी भारत में मोबाइल की सबसे बड़ी कंपनी है और इसका यहां के मार्केट में 24 फीसद तक शेयर है। कंपनी के करीब 1500 कर्मचारी भी यहां पर काम करते हैं।

'महिलाओं के लिए बुर्का फरमान तालिबान पर पड़ेगा भारी, वैश्विक संबंधों पर पड़ेगा बुरा असर'

एजेंसी

वाशिंगटन। अफगानिस्तान के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका के विशेष प्रतिनिधि थॉमस वेस्ट ने सोमवार को तालिबान द्वारा अफगान महिलाओं को सिर से पैर तक ढकने का आदेश देने के हालिया फैसले पर चिंता व्यक्त। उन्होंने कहा कि तालिबान का बुर्का फरमान उस पर भारी पड़ेगा और वैश्विक संबंधों पर नकारात्मक प्रभाव डालेगा। वेस्ट ने सिलसिलेवार ट्वीट्स में कहा, ''मैं देश भर के अफ़गानों और दुनिया भर के सहयोगियों के साथ तालिबान की नवीनतम नीतियों पर गहरी चिंता व्यक्त करता हूं जो महिलाओं और लड़कियों के अधिकारों को प्रतिबंधित करती हैं। उन्होंने ट्वीट किया कि तालिबान का माध्यमिक शिक्षा और काम तक लड़कियों की पहुंच पर निरंतर प्रतिबंध, आंदोलन की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध और शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों को निशाना बनाना चिंता का विषय है । वेस्ट ने

कहा कि महिलाओं के प्रति तालिबान की नीतियां मानवाधिकारों का हनन हैं और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ उनके संबंधों को नकारात्मक रूप से प्रभावित करती रहेंगी। बता दें कि तालिबान ने शनिवार को एक फरमान जारी कर अफगान महिलाओं को सार्वजनिक स्थानों पर पूरी तरह से बुर्का पहनने का आदेश दिया और कहा कि अगर उल्लंघन किया गया तो परिवार के एक पुरुष सदस्य को तीन दिनों की जेल होगी या उसकी नौकरी जाएगी। फैसले के मुताबिक अगर कोई महिला हिजाब नहीं पहनती है तो सबसे पहले उसके अभिभावक को चेतावनी दी जाएगी। यदि वह दोबारा दोषी पाई जाती है तो उसके अभिभावक को तलब किया जाएगा और बाद में दोहराया गया तो अभिभावक को तीन दिन की कैद होगी। इससे पहले संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंटोनियो गुटेरेस भी तालिबान के महिलाओं को सार्वजनिक रूप से अपना चेहरा ढंकने और केवल आवश्यकता के मामलों में ही घर छोड़ने के आदेश पर चिंता जताई थी । गुटेरेस ने ट्वीट किया, ''मैं एक बार फिर तालिबान से अफगान महिलाओं और लड़कियों से अपने वादे और अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानून के तहत अपने दायित्वों को निभाने का आग्रह करता हूं।'' अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र मिशन ने भी घोषणा के बारे में चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि यह निर्णय महिलाओं और लड़कियों सहित सभी अफगानों के मानवाधिकारों के सम्मान और संरक्षण के संबंध में कई आश्वासनों को तोड़ता है।

यूक्रेन की मदद को चंदा, 90 हजार पाउंड में बिकी जेलेंस्की की जैकेट

लंदन। यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यूक्रेन की मदद की कोशिशें हो रही हैं। लंदन में यूक्रेन की मदद के लिए चंदा जुटाने की पहल हुई है। इसके लिए यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलादिमीर जेलेंस्की की जैकेट लंदन में नीलाम की गई। जेलेंस्की के हस्ताक्षरों वाली यह ऊनी जैकेट 90 हजार पाउंड यानी 1.11 लाख डॉलर में बिकी। लगभग ढाई माह पहले 24 फरवरी को रूस ने यूक्रेन पर आक्रमण किया था। उस समय युद्ध के शुरुआती दिनों में जेलेंस्की को यूक्रेन की राजधानी कीव की सड़कों पर घूमते देखा गया था। उस समय जेलेंस्की की ऊनी जैकेट की भी चर्चा हुई थी। अब वही ऊनी जैकेट नीलाम की गई है। यूक्रेन के लंदन स्थित दूतावास ने ट्विटर पर एक वीडियो जारी कर कहा कि जब जंग छिड़ी थी, तब दुनिया को भरोसा नहीं था कि यूक्रेन तीन दिन से ज्यादा जंग झेल सकेगा, लेकिन उसने लंबे समय तक मैदान संभाल रखा है। तब पूरी दुनिया ने एक साधारण जैकेट पहनकर कीव में घूमते हुए जेलेंस्की को देखा था और आज वही नायाब जैकेट नीलामी के लिए प्रदर्शित की गई है।

जी-7 देशों ने पुतिन को सबक सिखाने की खाई कसम

नहीं आयात करेंगे रूस का तेल

एजेंसी

लंदन। विकसित अर्थव्यवस्थाओं वाले जी-7 देशों के नेताओं ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को सबक सिखाने की कसम खाई व रूस से तेल के आयात को चरणबद्ध तरीके से रोकने का रविवार को संकल्प लिया। समूह के नेताओं ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से भी बात की और उन्हें अपना समर्थन दिया। नाजी जर्मनी के 1945 में आत्मसमर्पण के उपलक्ष्य में मनाए जानेवाले यूरोप विजय दिवस पर पश्चिमी देशों ने एकजुटता का प्रदर्शन किया। जी-7 में अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, जर्मनी, फ्रांस, इटली और जापान शामिल हैं। जी-7 ने एक बयान में कहा कि रूस के तेल की आपूर्ति को रोकने से ''राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के मुख्य औजार को तगड़ा झटका लगेगा और युद्ध लड़ने के लिए धन खत्म हो जाएगा।'' जी-7 के नेताओं ने कहा,

हम यह सुनिश्चित करेंगे कि हम ऐसा समय पर और व्यवस्थित ढंग से करें तथा ऐसे तरीके से करें जो दुनिया को वैकल्पिक आपूर्ति सुरक्षित करने के लिए समय प्रदान करे। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की जी-7 नेताओं और जेलेंस्की के साथ बैठक करीब एक घंटे तक चली। अमेरिका ने यूक्रेन पर आक्रमण के लिए रूस के खिलाफ नए प्रतिबंधों की भी घोषणा की। नयी पाबंदियों के तहत रूस के तीन सबसे बड़े टेलीविजन स्टेशन से पश्चिमी देशों के विज्ञापनों को रोकना, अमेरिकी लेखा और परामर्श फर्म को किसी भी रूसी को सेवाएं प्रदान करने से प्रतिबंधित करना और रूस के औद्योगिक क्षेत्र पर अतिरिक्त प्रतिबंध लगाना शामिल है। व्हाइट हाउस ने नौ मई के 'विजय दिवस' से पहले नए प्रतिबंधों की घोषणा की, जब रूस 1945 में नाजी जर्मनी की हार का जश्न विशाल सैन्य परेड के साथ मनाता है।

विशेष तैनाती के लिए सउदी अरब पहुंचे भारतीय नौसेना के जहाज

एजेंसी

दुबई। भारतीय नौसेना के चार जहाज विदेशी तैनाती के लिए सऊदी अरब के शहर जेद्दा पहुंच गए हैं। भारतीय नौसेना ने जारी एक बयान में कहा कि भारतीय नौसेना के पहले प्रशिक्षण स्क्वाड्रन के 4 जहाज पांच देशों की विदेशी तैनाती के हिस्से के रूप में सऊदी अरब पहुंच गए हैं। यहां ये जहाज चार दिनों तक रहेंगे। जेद्दा लाल सागर के तट पर स्थित एक बंदरगाह शहर है, जो स्वेज नहर और अदन की खाड़ी के बीच स्थित है। भारतीय नौसेना नियमित रूप से इस क्षेत्र में समुद्री डकैती रोधी अभियानों का संचालन करती है।

बयान में बताया कि इस यात्रा के दौरान, प्रथम प्रशिक्षण स्क्वाड्रन के वरिष्ठ अधिकारी कैप्टन आफताब अहमद खान के साथ में भारतीय जहाजों के कमांडिंग अधिकारियों के साथ रॉयल सऊदी नौसेना बलों के पश्चिमी बेड़े के कमांडर रियर एडमिरल याह्या बिन मोहम्मद अल-असीरी से मुलाकात की। अधिकारियों के बीच बैठक के दौरान दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय नौसेना सहयोग और प्रशिक्षण पहल के मुद्दों पर चर्चा की गई। भारतीय नौसेना के आईएनएस कोलकाता ने हाल ही में अदन की खाड़ी में समुद्री डकैती रोधी गश्त के हिस्से के रूप में 4 से 7 मई तक जिबूती का दौरा किया है। भारतीय नौसेना के युद्धपोतों को अक्टूबर 2008 से अदन की खाड़ी में समुद्री डकैती रोधी गश्त के लिए तैनात किया गया है ताकि व्यापारिक जहाजों के सुरक्षित यात्रा को सुनिश्चित किया जा सके।

प्रियंका चोपड़ा ने दुनिया को दिखाई बेटी की पहली झलक

एजेंसी

मुम्बई। बॉलीवुड की देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा ने बीती रात अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर तस्वीर साझा कर अपनी बेटी मालती जोनस चोपड़ा की पहली झलक दुनिया को दिखाई है। रविवार को जब पूरी दुनिया मदर्स डे मना रही थी, तब प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस अपनी बेटी का घर में स्वागत कर रहे थे। उनकी बेटी पूरे 100 दिन बाद घर आई है। इसकी वजह से यह मदर्स डे प्रियंका और निक के लिए स्पेशल रहा। सोशल मीडिया पर शेयर की गई तस्वीर में निक और प्रियंका साथ में बैठे हुए हैं। प्रियंका की गोद में उनकी बेटी है। प्रियंका ने इस तस्वीर में अपनी बेटी का चेहरा नहीं दिखाया है। प्रियंका ने लिखा-'इस मदर्स डे पर हम पिछले कुछ महीनों में रोलरकोस्टर जैसे उतार-चढ़ाव से गुजरने के बारे में सोच रहे थे। हम जानते हैं कि सिर्फ हमने ही नहीं कई अन्य लोगों ने भी ऐसा अनुभव किया होगा। एनआईसीयू में 100 से अधिक दिन गुजारने के बाद, हमारी नन्ही परी आखिरकार घर आ गई ।प्रत्येक परिवार का सफर अलग होता है और उसमें विश्वास की आवश्यकता होती है। हमारे लिए बीते कुछ महीने चुनौतीपूर्ण रहे। पीछे मुड़कर देखने पर यह स्पष्ट हो जाता है कि हर पल कितना कीमती और परफ़ेक्ट है। हम बहुत खुश हैं कि हमारी छोटी बच्ची आखिरकार घर आ गई है। हम लॉस एंजिल्स के रेडी चिल्ड्रन ला जोला और सीडर सिनाई अस्पताल के हर डॉक्टर, नर्स और विशेषज्ञ को धन्यवाद देना चाहते हैं, जिन्होंने निस्वार्थ भाव से हर कदम पर साथ दिया। हमारी जिंदगी का अगला अध्याय अब शुरू होने जा रहा है। मम्मी और डैडी तुमसे प्यार करते हैं। प्रियंका की यह पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस ने मई, 2018 में एक-दूसरे को डेट करना शुरू किया था और लगभग तीन डेट के बाद निक ने प्रियंका को उनके जन्मदिन पर प्रपोज किया। दोनों ने अगस्त में सगाई कर ली। इसके बाद प्रियंका और निक 01 दिसंबर, 2018 को शादी के बंधन में बंध गए। शादी के तीन साल बाद प्रियंका चोपड़ा इस साल सेरोगेसी के जरिये मां बनी हैं।

संजय दत्त ने बॉलीवुड में 41 साल पूरे किये

एजेंसी

मुंबई। बॉलीवुड के माचो हीरो संजय दत्त ने बॉलीवुड में अपने 41 साल पूरे कर लिये हैं। संजय दत्त ने वर्ष 1981 में प्रदर्शित फिल्म 'रॉकी' से डेब्यू किया था। संजय दत्त ने बॉलीवुड इंडस्ट्री में 41 साल पूरे कर लिये हैं।संजय दत्त ने बॉलीवुड मे चार दशक से ज्यादा होने पर एक थ्रोबैक तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर की है और लोगों के प्यार देने पर उनका शुक्रिया अदा किया है। संजय दत्त ने अपने ट्विटर हैंडल पर अपनी डेब्यू फिल्म 'रॉकी' की एक तस्वीर शेयर की है। इसके साथ संजय दत्त ने लिखा है, 4 दशक + 1 साल निश्चित रूप से जीवन भर की एक यात्रा है। आप सभी ने मुझे रॉकी के रूप में फिर और अब अधीर के रूप में जो प्यार दिया, उसके लिए धन्यवाद। मुझे उम्मीद है कि आने वाले समय में अपने सभी फैंस और शुभचिंतकों का मनोरंजन करता रहूंगा।

ऐतिहासिक पीरियड ड्रामा फिल्म 'पृथ्वीराज' का ट्रेलर रिलीज

लम्बे समय से चर्चा में बनी हुई अक्षय कुमार और मानुषी छिल्लर की आगामी ऐतिहासिक पीरियड ड्रामा फिल्म पृथ्वीराज का ट्रेलर सोमवार को मेकर्स ने जारी कर दिया है। ट्रेलर को अक्षय कुमार ने सोशल मीडिया पर फैंस के साथ साझा करते हुए लिखा-'शौर्य और वीरता की अमर कहानी३ यह है कहानी सम्राट पृथ्वीराज चौहान की । ट्रेलर की शुरुआत में बैकग्राउंड डायलॉग सुनाई देता है, जिसमें कहा जाता है कि-'उत्तराधिकारी रिश्ते से नहीं योग्यता से चुना जाता है। शौर्य के लिए, वीरता के लिए और न्याय के लिए।' इसके बाद ट्रेलर में युद्ध का मैदान नजर आता है, जिसमें पृथ्वीराज युद्ध करते नजर आ रहे हैं। ट्रेलर में पृथ्वीराज की शौर्य ,वीरता और साहस के साथ -साथ संयोगिता के साथ उनके प्रेम की झलक भी खूबसूरती से दिखाई गई है। फिल्म के कई महत्वपूर्ण सीन फिल्म के ट्रेलर में देखे जा सकते हैं। इसके अलावा फिल्म के सभी महत्वपूर्ण किरदारों की झलक फिल्म के ट्रेलर में है। बता दें कि इस फिल्म से मानुषी छिल्लर बॉलीवुड में डेब्यू कर रही हैं। फिल्म में अक्षय कुमार और मानुषी के अलावा अभिनेता संजय दत्त और सोनू सूद भी अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म 'पृथ्वीराज' में अक्षय कुमार सम्राट पृथ्वीराज के किरदार में होंगे। अभिनेत्री मानुषी छिल्लर राजकुमारी संयोगिता के किरदार में , संजय दत्त 'काका कन्ह' के किरदार में , सोनू सूद राजकवि चंद बरदाई ,और आशुतोष राणा जयचंद के किरदार में है । चंद्रप्रकाश द्विवेदी द्वारा निर्देशित इस फिल्म को आदित्य चोपड़ा प्रोड्यूस कर रहे हैं। यह फिल्म हिंदी, तमिल और तेलुगु में 3 जून, 2022 को रिलीज होगी।

बांग्लादेश ने श्रीलंका को दिए कर्ज की अदायगी की समय सीमा एक वर्ष के लिए बढ़ाई

एजेंसी

कोलंबो। श्रीलंका मौजूदा समय में श्रीलंका अपने इतिहास के सबसे बुरे दौर से गुजर रहा है। आलम ये है कि श्रीलंका मौजूदा समय में विदेशों से लिए गए किसी भी कर्ज को समय से उतारने की स्थिति में नहीं है। यहां के आर्थिक हालात बेहद खराब हो चुके हैं। चीन के कर्ज को चुकाने के लिए ही श्रीलंका को दोबारा उसी से कर्ज लेना पड़ रहा है। इस बीच श्रीलंका ने बांग्लादेश से मिले कर्ज को चुकाने में भी असमर्थता व्यक्त की है। इसके बाद बांग्लादेश ने बड़ा फैसला लेते हुए श्रीलंका को दिए ए 20 करोड़ डालर के कर्ज को चुकाने के लिए एक वर्ष का समय और दे दिया है। डेली मिरर की खबर के मुताबिक बांग्लादेश बैंक डायरेक्टर्स के बीच हुई एक अहम बैठक के बाद रविवार को ये फैसला लिया गया है। सेंट्रल बैंक के प्रवक्ता सिराजुल इस्लाम ने इसकी जानकारी देते हुए बताया हे कि श्रीलंका को दिए गए कर्ज की अदायगी की समय सीमा को बढ़ा दिया गया है। हालांकि इस दौरान अन्य शर्तों में किसी तरह का कोई बदलाव नहीं किया गया है। बता दें कि बांग्लादेश ने पहली बार किसी दूसरे देश को कर्ज दिया था। ये कर्ज मई 2021 में किए गए एक समझौते के बाद दिया गया था। इस डील के मुताबिक श्रीलंका को इस कर्ज को तीन माह के अंदर चुकाना था। लेकिन देश में उपजे वित्तीय और राजनीतिक संकट के चलते श्रीलंका इसमें पूरी तरह से नाकाम साबित हुआ है। इसी वजह से बांग्लादेश ने कर्ज अदायगी की मियाद को बढ़ाया गया

है। बीते गुरुवार को बांग्लादेश ने श्रीलंका को इमरजेंसी मेडिकल सप्लाई भी भेजी थी। बता दें कि आजादी के बाद से श्रीलंका के सामने पहली बार ऐसा संकट आया है। एक टोकन हैंडओवर सेरेमनी के दौरान स्टेट गेस्ट हाउस पद्मा में बांग्लादेशी विदेश मंत्री एके अब्दुल मोमीन और स्वास्थ्य मंत्री जाहिद मलेक ने बांग्लादेश में मौजूद श्रीलंका हाई कमीश्नर सुदर्शन डीएस सेनविरात्ने को दवाओं के कुछ बाक्स सौंपे थे। इस मौके पर मोमीन ने कहा कि ये उनके देश की तरफ से श्रीलंका को एकजुटता और मित्रता का परिचायक है। उनके मुताबिक दोनों ही देश आपसी संबंधों के पचास वर्ष पूरे कर रहे हैं। इस मौके पर श्रीलंका की तरफ से सुदर्शन ने न सिर्फ बांग्लादेश का धन्यवाद अदा किया बल्कि दोनों देशों के बीच दोस्ती को और अधिक मजबूत करने की दिशा में इसको एक बड़ा कदम बताया। जानकारी के मुताबिक इसेंशियल ड्रग्स कंपनी लिमिटेड, जो कि बांग्लादेश की स्वदेशी कंपनी है ने बांग्लादेश एसोसिएशन आफ फार्मासूटिकल्स कंपनी के साथ मिलकर श्रीलंका को दस करोड़ टका की दवाएं बतौर उपहार मुहैया करवाई हैं। गौरतलब है कि श्रीलंका में शुक्रवार को इमरजेंसी लागू की गई है।

माउंट एवरेस्ट कैंप में रूसी पर्वतारोही की मौत

काठमांडू। माउंट एवरेस्ट के कैंप में रूसी पर्वतारोही पावेल कोस्ट्रिकिन की मौत हो गई। नेपाली अधिकारी के अनुसार मार्च में शुरू हुए मौजूदा चढ़ाई के मौसम में दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर किसी विदेशी की मौत की यह पहली रिपोर्ट है। नेपाल के अधिकारी भीष्म कुमार भट्टाराई ने कहा कि 55 वर्षीय कोस्ट्रिकिन की शनिवार को 8,848 मीटर (29,031 फीट) पर्वत की चोटी पर चढ़ने के दौरान लगभग 5,360 मीटर (17,585 फीट) की ऊंचाई पर स्थित शिविर में मृत्यु हो गई। उन्होंने और अधिक जानकारी दिए बिना बताया कि रूसी पर्वतारोही कैंप नंबर दो में बीमार पड़ गया और कैंप नंबर एक में लाए जाने के बाद उसकी मौत हो गई। एवरेस्ट पर सामान्य दक्षिण-पूर्व रिज मार्ग पर कैंप नंबर दो लगभग 6,400 मीटर (20,997 फीट) की ऊंचाई पर स्थित है। लंबी पैदल यात्रा के अधिकारियों ने कहा कि कोस्ट्रिकिन के शव को काठमांडू लाया जाएगा। इससे पहले एक भारतीय पर्वतारोही की नेपाल के माउंट कंचनजंगा पर चढ़ाई के दौरान मौत हो गई थी।

चेयरमैन एवं प्रधान सम्पादक - राकेश कुमार पाण्डेय कार्यकारी सम्पादक* - अरशद सईद खान सह सम्पादक* - धर्मेन्द्र कुमार गुप्ता

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश कुमार पाण्डेय द्वारा सरस्वती प्रिंटर्स वाटर वर्क्स रोड ऐशबाग, लखनऊ से मुद्रित एवं सी-46, कृष टॉवर, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ, पिन-226010 से प्रकाशित। * इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी।

समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय क्षेत्र के ही अधीन होंगे। फोन नं। 0522-4249333 फैक्स नं.- 4249333 e-mail : info@kanwhizztimes.com RNI NO - UPHIN/2012/42063